GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0319**

Classification:

Original File No. 2 V

Title

Govindpur Synod

Volume:

Running **from year: 1949** **till year: 1958**

Content:

- Copy of Birth Certificate of Mr. Lokies Paul- 1958.
- Letter to the Secretary by C.K.Bhengra & Albert Lakra on 28 & 26-8-58.
- Report of the Marcha Commmission.
- Minutes of the Govimdpur Synod meeting on 14-10-54.
- Letter of Govindpur Synod- 1957.

1949-58

Zenith

FLAT FILE

1949-58

"B" QUALITY

File No. 2 ~~XI~~

me Govind pur Synod

bject

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.
GOVINDPUR SYNOD.

President : Rev. H. Topono.

Herewith it is certified that

PAUL LOKIES

was born at Govindpur, district Ranchi, India,

on 25.3. 1912

and that he was baptised here at Govindpur,

on the 10 th. April, 1912.

Govindpur,

2 October, 1958.

Synod President

G. E. L. Church, Govindp

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
Secretary : Mr. N. E. HORO

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

Ref: No. 41 /59-CC-2V. *Dated* 8th January, 1959

To,

Rev. C.A.Guria,
G.E.L.Church Marcha, P.O. Marcha, Ranchi.

Priye padri babu,

Ap ke card ta: 6.1.59 ke liye dhaneyabad. Abhi tak koi darkhast church council men ap ke bare nahi aya hai. Synod men is bisai par bat-chit ho sakti hai.

Apsos ki bat hai ki bhai log kalisa men mel prem se rahne ke wajay asanti hi ka rasta apnante hain. Ilaka men chune gaye naye memberon ko karj arambh karna chahiye Purane member sabha ki bat na mane to yah anusasan ki bat hai jo panchon ko uchit nahi hai. Mandli ke karj men adesh manna bahut bises bat hai. Kripaya synod President se is bisai par bat-chit kar illaka sangathan karen. Prabhu is men ap ki sahayta kare.

Yishusahay. Sa-prem se.

Ap ka biswast,

8.1.59

Secretary, G.E.L.Church
Ranchi.

1221
12/1?

9292

No. ~~4692~~/Gl.

9-i

From

Shri S. S. Sinha,
Senior Deputy Collector, Ranchi.

To

The Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

Subject:- Copy of birth certificate of Mr. Lokies Paul.

Dated, Ranchi, the 3 Dec. 1958.

Sir,

I am to refer to this office no. 4241 Gl dated 30.7.58 and reminder no. 5269 Gl dated 9.9.58 and 6837 Gl dated 8.11.58 on the above subject and to request you to kindly send a copy of the birth certificate immediately.

2. This may kindly be treated as urgent.

Yours faithfully,

Senior Deputy Collector, Ranchi.

Mz./2.12

NB
3.12.58.

57

No. 1992 /58 4TH OCT. 1958.

To,

The Senior Deputy Collector,
Ranchi.

Sub: Copy of the Birth Certificate of Mr. Lokies Paul.

S i r,

With reference to your No.4241/G1 dated 30th July 1958 and subsequent reminder No.5269/G1(ii) dated 9th September 1958, I am enclosing herewith the birth certificate of Mr. Lokies Paul as required by you.

Yours sincerely,

4/10/58

for. Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

Encl- 1.

Ofc

2-V.

No. 1850. /58.

To,

Shree S.S.Sinha,

Senior Deputy Collector,

Ranchi Court, Ranchi.

Subject:- Copy of Birth Certificate of Mr. Lokies Paul.

Dated Ranchi, the 16th December, 1958.

Sir,

With reference to your letter no.7518/G1 dated 3rd December, 1958 I am sorry if you have not yet received the "Copy of the Birth Certificate of Mr. Lokies Paul". I have already sent the original Certificate under my letter no.1492 dated 4th October 1958 and the duplicate under letter no.1774 dated 17th November, 1958. I am helpless if none of my above two letters reached you.

Kindly make an enquiry in your office and let me know at an early date. Thanks.

Yours sincerely,

16.12.58

Secretary, GELC,

Ranchi.

807
28/8

119

Govindpur
28.8.58

To
The Secretary, C.C.
G.E.L. Church
Ranchi

महाशय,

कृपा करके मेरे दरख्वास्त को विचारनिमित C.C. Ex. में पेश कीजिए और फैसला को मुझे सूचना जनावेंगे।

आपका विश्वस्त
C.K. Bhengra

To,

The Secretary, G.E.L. Church,
Ranchi.

Dated, Govindpur the 28th Aug. 1958

महाशय,

मैं कौंसिल को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ कि १ली जून १९५८ से मुझे काम से अवकाश मिला। Provident Fund में जो मेरा रुपया था सो भी मिल गया। कौंसिल को मालूम है कि पादरियों का Provident Fund १९४१ के जुलाई से आरंभ हुआ। मेरा Service १९१५ के जनवरी से गोविन्दपुर में आरंभ हुआ। १९१५ से १९४१ के जून तक याने २६ वर्ष ६ महीना Pr. Fd. का प्रबन्ध नहीं था। इस कारण मेरा Service भी उतने समय तक बिना Pr. Fd. का रहा। शुरु ही से यदि Pr. Fd. में मेरा रुपया रहा होता तो मेरे लिए यथेष्ट रुपया होता। यह मेरे लिए भारी नुकसानी है।

इसलिए कौंसिल से मेरी अर्जी है कि मेरे पेंशन के विषय में भी कृपया विचार किया जाय और पेंशन मिलने का हुकुम फरमाया जाय।

इस बड़ी दया के लिए मैं कौंसिल का बहुत धन्यवादी हूँ।

आप का विश्वस्त,

C.K. Bhengra

28/8/58

From (476 / 4/8) 2-V No 151 / 26-7-58

Rev. H. Topno
Ilaka Chairman & Synod President
Govindpur

To

The Secretary
Lutheran Church Council
Lutheran Compound
Ranchi.

Govindpur
The 26 July 1958

महाशय,

मैं, बसिया प्रचारकपन के विषय, इलाके बैठकी ता: १८ जून १९५८ के मन्तव्य से, एक नकल आप के पास भेजता हूं कृपया मुहरा कीजिये

आप का विश्वस्त

H-Topno
30/7/58
इलाका चेयरमैन

Copy

Ilaka Meeting 18 June 1958

× × ×

५ मिनिट से बातें :—

(b) Bassia प्रचारकपन के बिषय चैच कौंसिल की चिट्ठी पढ़ी गई। इलाका बिचार कर फैसल की।— क्योंकि चैच कौंसिल सिनोड और मंडलियों की अधिकारी है इस कारण कौंसिल के आदेश को मानना जरूरहै इसलिये

(1) गोबिन्दपुर इलाका अपना प्रचारक Shri Byay Chand Aind को बसिया से लौटा ले

(2) कि गोबिन्दपुर इलाका चैच कौंसिल को नम्रता पूर्वक पूछे कि किस महासभा में Bassia, Khutitoli व Synod के अन्दर रख दिया गया है और ऐसी बात है तो महासभा का मिनिट और रेजोल्यूशन नम्बर इलाका को बता दे कि इलाका जिस गलती में है उसे अच्छी रीति समझ ले

(3) प्रचारक बिजय चन्द आईन्द Bassia से लौट कर अपनी पुरानी मंडली बुढ़मी ही में अपने तलब पर काम करें।

× × ×

27/8 (107 / 25/8) Govindpur Synod file 2-V

नमेनी:

सेक्रेटरी जी. ई. एल. चर्च, रांची।

गोविन्दपुर २६-२-५२।

माउनन भोमकें,

गेलमौंड़े मारे नवा रहस्ताप रहस्तोदास प्रसादः अखिरी रीपोर्ट उ~~क्क~~टरए एमेआ, एन्ते इनीः बुगिने नमजनरे अड़ाः उत्तरोआ अर अएआ टयद्ते सेनकोःते अएआः कामिए सब रुकाड़ेआ, मेन्ते काजिजना मेन्दो नाः एटाः गेलमोड़े माको परोमोःतना ओड़ोः जेताः का मुन्डियोःतना।

आईंग होला २५ताः सेताःरे गिर्जाएते ओड़ोंगोः लोःजे नेरेन प्रेसिडेन्ट भोमकोंग कुलिलिया ओड़ोः एना नेंगा जेतेन ~~खास~~ कजि काए काजिकेदा- मेन्दो उड़ुःयाईं मेन्ते ~~[illegible]~~ रसोरकरए मजिकेदा।

आइंग दोई अजों मेतना चि सेकोड़ागे दया कोटा उड़ुःइ में।

अमः पतियारनीः

प. सुराग.

२६-२-५२।

Re 21/3/58 Govindpur file 2-V

2-V

सेवा में,

श्रीमान सेक्रेटरी चर्च कौन्सिल रांची।

तिथि २०-२-५२

503
91/8

महाशय,

आप से निवेदन है कि मैं ने तिथि ९-२-५२ को यहां के
प्रचारक पन पंच में एक दरखास्त पेस किया था। जिसमें आज कल यहां दोबार
गिरजा होता है, अर्थात हिन्दी गिरजा और मुण्डारी गिरजा। दोनों आराधना का
होना जरूरी है। मुण्डारी गिरजा १२ बजे और हिन्दी गिरजा साम को। जिस-
दरखास्त में मैं साम के गिरजे को कारण सहित समय बदलने के लिये अर्जी
पेश किया था। जिसको आप प्रचारक पन पंच के सेक्रटरी के पास देख सकते हैं।
जिस अर्जी को पेश करने से यही देखा गया कि यहां के कई एक विशेष
भाई बहिनों के मन में मेरे प्रति अच्छा ख्याल नहीं है अर्थात मन साफ
नहीं है। मिटिंग में साफ कहा गया कि ८½ या ९ बजे हिन्दी गिरजा होने
से नोर्थ जोन खड़ा होने का डर है। और यह भी कहा गया कि उपद्रव पार्टी
खड़ा हो रहा है। जो कि मेरे मन में आज तक जोन फोन का भाव नहीं है।
इस से साफ मालूम पड़ता है कि यहां के कई विशेष भाई बहिन मुझे
नोर्थ जोन में हिसाब करते हैं। क्योंकि इसके पहिले भी एक बार यहां
सन्डे स्कूल पिकनिक मनाया गया, जिसमें कई भाई बहिनों से मिलकर
एक दरखास्त दिया कि स्कूल के छुट्टी में सन्डे स्कूल पिकनिक और बहुत
ज्यादा खर्च करना नहीं शोभता है। उस समय भी मुझे नोर्थ जोन का लीडर
कह के सुनाई दिया था। पर आज साफ मालूम पड़ता है कि कई भाई बहिन
मुझ को नोर्थ जोन में हिसाब करते हैं। मुझे ऐसे मन रखने वाले और दूसरों का
मन बिगाड़ने वालों के लिये अफसोस है। मेरे मन में इसके लिये बहुत दुःख है।
और आज साफ मालूम पड़ता है कि नोर्थ जोन को बढ़ाने वाले हमों के बीच ही
में हैं। इस बात के लिये मुझे बहुत ही दुख है। आज हमारे बीच में एक हिन्दु भाई
बपतिस्मा लिया, और हमारे बीच में एकता और मन साफ नहीं के कारण उसको
जेल भी भोगना पड़ा और अभी तक उसका कुछ खबर नहीं लिया जाता है।
कहने का मतलब है कि हमारे बीच में एकता नहीं है और एक दूसरे के
प्रति मन साफ नहीं है। इसलिये आप से सविनय अर्जी करता हूं कि मेरे
मन का दुःख और ऐसे ख्याल करने वालों का मन साफ कर दिया जाय।
जिससे हम लोगों के बीच में सदा मेल प्रेम और आनन्द बना रहे।

आप का विश्वस्त
अकबर लकड़ा
टेंगरा
२०-२-५२

Ofc.

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Secretary : Mr. N. E. HORO

G. E. L CHURCH, RANCHI.

Ref: No. 1405 /58-CC-~~58~~. 2-IV. *Dated* 24th Sept. 1958.

Rev. H. Topno,
Synod President,
GEL Church, Govindpur, P.O. Govindpur,
Ranchi.

Dear Sir,

A copy of the report by some persons of Kherkhai Pracharakpan addressed to you has come to me also. I appears that there is some difference going on ~~xx~~ for sometime between the Pracharak and the teachers in which the whole Pracharakpan is involved.

May I know what action is being taken by the Synod or the Marcha Ilaka or Parish in this respect. I hope you have taken up the matter youself. Do kindly keep me informed with the latest development.

Yours sincerely,

24/9

Secretary.

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Secretary : Mr. N. E. HORO

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

Ref: No. 1400. /58-CC- 2-V. *Dated* 24th Sept. 1958.

REMINDER

To,

Rev. Habil Topno,
GELC, Govindpur

Sub: Copy of birth certificate of Mr. Lokies Paul

Dear Sir,

Please refer to my letter No. 1307. dated 5-8-58. No. 1383. dated 16/9/58. It is regretted that you have not yet sent me a copy of the birth certificate of Mr. Lokies Paul (Pa/ul Lokies) which is very urgently needed by government as that will have to be sent to ; Moscow(U.S.S.R) .

May I request you to kindly expedite and send me the same.

Yours faithfully,

[signature] 24/9

Secretary.

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam. Ofer.

Secretary : Mr. N. E. HORO.

G. E. L. CHURCH, RANCHI.

Ref: No. 1383. /58-CC 2-V. *Dated* 16th Sept. 1958.

To,

Rev. Habil Topno,
Synod President, Govindpur Synod,
G.E.L.Church Govindpur, P.O. Govindpur, Dist, Ranchi.

Dear Rev. Topno,

Kindly refer to my No. 1307 dated 5-8-58 and submit the copy of the birth certificate of Mr. Paul Lokies.

Please treat x is extremely urgent as the Governemt are pressing me hard for it.

Yours sincerely,

[signature] 16/9.

Secretary, GELC.

2-V

447

29/5/58

श्रीमान जो० इ० सी० सी० सी० सेक्रेटरी,
एन० घेरो रांची।

Rec 22/6/58

महाशय,

सविनय नम्र निवेदन है, कि सी० सी० के आज्ञानुसार प्रभु का काम के वास्ते जैसे मुझे खबर मिली वैसे ही चुरदाग पेरिश में आया हूँ।

तिथि १३-५-५८ को मैं चुरदाग पहुँचा और १४-५-५८ को जेटे एस० सोय पादी के द्वारा मुझ को यहां काम के वास्ते चार्ज मिला है।

महाशय आप से अनुरोध है कि जो कुछ भी खबर मेरे नाम से सी० सी० की ओर से मिलना है चुरदाग पेरिश के नाम से कृपया भेजने की कोशिश करेंगे। चूंकि मासिक पत्र अभी तक पुराना एड्रेस ही से ~~बौ~~ कोण्डेगा चला जाता है। जो कि मुझे मासिक पत्र अर्थात घर बन्धु मिलने में बहुत देर होती है।

सी० सी० के आज्ञानुसार मैं अपना जोगिंग रिपोर्ट सिनोद प्रेसिडेन्ट को दे दिया हूँ।

महाशय से अर्ज है कि मेरा पुराना एड्रेस बदल देने की कृपया करेंगे।

१६-६-५८

आगे शुभ,
आप का विश्वस्त
पादी - जोहन डॉंग
चुरदाग - पेरिश।
पो० ओ० - सोदे,
जिला - रांची।

C. K. Gueria
Ilaka chairman
Marcha
17-7-58.

E. V. श्रीमान जी. ई० एल. सी. सी. सेक्रेटरी
रो न. हारी रांची।

महाशय, (448/2214)

सविनय नम्र निवेदन है कि मैं पुरदाग पेरिश, प्रभु का काम के बास्ते आने में ज्यादा उधार कर के आया हूं।

जो कि इस प्रकार हिसाब का खर्च है। गाड़िया लोगों का खर्च और गाड़ी भाड़ा, सब टोटल हिसाब ८०) रुपैया हुआ। सो. ई. अनुरोध है कि ज्यादा उधार से छुड़ाने के लिये मुझे सहायता करने के लिये कृपया करेंगे। अर्थात टी. ए.।

True Copy.

६-६-५३

आशीष युक्त,
आप का विश्वासी
पाद्री जोहन डांग
पुरदाग पेरिश
पो० ओ० सादे।

M. No. 1281/58

Copy forwarded to Treasurer.

Ohr 572-V

No. 1774 /58-CC-2V 17th November, 1958.

To,

Shri S.S. Sinha,
Officer In-Charge, General Section,
Ranchi.

Sub:- Copy of the Birth Certificate of Mr. Lokies Paul.

S i r,

With reference to your letter no.4241 Gl, dated 30.7.58 and subsequent reminder nos. 5269 Gl, dated 9.9.58 and 6837 Gl, dated 8.11.58, I have already submitted the copy of the Birth Certificate of Mr. Lokies Paul to the Senior Deputy Collector, Ranchi Court, Ranchi under my letter no.1492/58 dated 4.10.58. However, if it is missing you will be supplied with ~~another~~ a duplicate copy of the above Certificate.

Yours faithfully,

[signature] 17/11/58

Secretary, GELC, Ranchi.

Copy of the Copy

Duplicate Certificate.

Herewith it is certified that
Paul Lokies
was born at Govindpur, Distr. Ranchi, India
on 25.3.1912
and that he was baptized here at Govindpur
on the 10. April, 1912.

Govindpur 2. October 1958 (sealed)

Signature
H Topno
Synod President
G.E.L. Church Govindpur

1068
17-11

No. 6239/Gl(ii) 2/99/42

From

Shri S.S.Sinha,
Officer In-charge,General Section,
Ranchi.

17/11/58

To

The Secretary,
G.E.L.Church,Ranchi.

Sub:- Copy of birth certificate of Mr. Lokees Paul.

Sir,

I am to draw your kind attention to this office memo No.4241 Gl,dated30.7.58 and reminder No.5269 Gl,dated 9.9.58 and to request you to kindly send a copy of the birth certificate as called for therein immediately.

Yours faithfully,

for Officer In-charge,General
Section,Ranchi.

Rai/-
6.11.

6/11

927/12|9

ber 12/9

2. 5.

No 4266/G1(11)

From

Sri, S.S. Sinha,
Officer, I/C General Section.
Ranchi.

To

The Secretary,
G.E.L Church, Ranchi.

Dated Ranchi the 9 Sept., 1958.

Subject:- Copy of birth certificate of Mr. Lokies Paul.

Sir,

I am to refer to this office Memo No. 4241 Gl Dated 30.7.'58 and to request you to kindly send the copy of the birth certificate as called for therein immediately.

2. It may kindly be treated as urgent.

Yours faithfully,

9/9

Officer Incharge General Section, Ranchi.

9/9/58

Copy The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam. Obe. 2-ए.

ADDRESS ONLY

SECRETARY : MR. N. E. HORO

No. 1404/58.

G. E. L. CHURCH
RANCHI BIHAR, INDIA.

Dated 24-9-1958.

महाशय,

आप का पत्र ता: 16/9/58 मिला। प्रत्युत्तर में आप को सूचित किया जाता है कि चूंकि आप पदाभिषेक के बाद पहली बार कलीसिया के कार्य में [illegible] आये अतः आप को यात्रा खर्च नहीं मिलेगा।

पहली बार Service पकड़ने के लिये मिशनरियों को कलीसिया से यात्रा-खर्च नहीं मिलता है। अतः आप की मांग पूरी नहीं की जा सकती है।

आपका ता [illegible]

24/9

[illegible]

ADDRESS ONLY

Johan Dang:
G.E.L. Church
Chardag.
P.O. Sode.
Dist- Ranchi

2 — V

REPORT OF THE MARCHA COMMISSION.

The Marcha Commission consisting of President Rev.J.Lakra, Rev.U.E.Kujur, Rev.C.K.Vengra, Rev. Rev.H.Topno, Rev.S.Surin and ~~M~~ Mr. B.Dangwar assembled at the school on the 17th November morning. Mr.P.D.Kandulna was unable to accompany the Commission as he could not secure leave. The six members made a plan of procedure at the meeting of the brethren to be held at the Church after midday meal. By about half past twelve the congregation arrived and the meeting was started with prayer and address by President J.Lakra after the congregation had given a small reception to the Commission members. Attandance was taken and the following were present :-

(a)	Pastors :-	(i)	Rev.C.C.Guria of Kotbo.
		(ii)	Rev.S.Hemrom of Marcha.
(b)	Catechists :-	5	(one from Churdag parish)
(c)	Synod members	5	
(d)	From Marcha parish :-	(i)	Males 245
		(ii)	Females 99
		Total	357

12 persons were present from Churdag parish and 2 from Kotbo parish although they were not invited by the Commission.

According to the plan the President put before the meeting the first question, "Are you prepared to co-operate with Govindpur as parish and Ilaka ?" To this question the meeting unanimously answered "No". They stated that there has been much misunderstanding and unpleasant happenings because of which any ~~xxxxparatix~~ co-operation will be impossible, and the Commission will be wise not to force them to work with Govindpur as Parish and Ilaka.

Then the President put the next question as planned beforehand, "What should be done to bring about peace and co-opration within your parish"? To this question there were three answers :-

(a) Marcha and Churdag parishes be formed into an Ilaka to be within Govindpur Synod.

(b) Rev.S.Hemrom should continue in charge of both school and congregation.

(c) That the Commission should bring about compromise between the Board of Management and the brethren of Marcha regarding the criminal case now pending in the Khunti Court.

The whole meeting was unanimous about the above three points including the twelve persons of Churdag parish.

The Commission arrived at the following conclusions to bring about peace and co-operation in Marcha parish :-

(i) It is impossible to unite Marcha and Govindpur when there is ~~A~~ so much bitterness in Marcha against some of the ~~mxxix~~ matters which happened at Govindpur. No. compulsory co-operation can be insisted upon. Therefore it is wise to separate them to a certain extent. But to separte them altogether will also be unwise, for then the unpleasantness will never be cured. Therefore the Commission deicdes that Marcha parish be formed into a separate Ilaka under Govindpur Synod. Further, Churdag parish cannot remain joined to Govindpur Ilaka with Marcha being a separate Ilaka owing to geographical positions. Therefore Churdag parish be attached to Marcha to form one Ilaka with Marcha as Ilaka headquarters under Govindpur Synod with effect from January 1,1950. In the interim period the parishes will remain as they are to-day, but Marcha should pay to the Church Council its allotment through Govindpur Synod for 1948 and 1949 as determined by the Govindpur Synod. The New Ilaka will begin to

to function from January 1,1950, and a report of the same be submitted to the Mahasabha by the Church Council for final approval. Also the Pracharakpans which now are outside Marcha parish should immediately join the parish and centralise their income at the parish. But Churdag should centralise at Govindpur its income till December 31, 1949. It means that the monthly meeting of Churdag parish which sits early in January 1950 should do so at Govindpur.

This is also decided that Marcha congregation should have only one service with Pracharak Jaimasih Topno from next Sunday. After this happy re-union Pracharak Jaimasih Topno and other pracharaks who are now with Govindpur should be paid by Marcha parish, and that Pracharak Jaimasih Topno be given another charge preferably under Govindpur Ilaka as soon as possible.

The new Ilaka should see that all accounts under Rev.S.Hemrom be cleared immediately and a report to that effect be submitted to the Church Council through the Synod. In the mean time the Managing Committee and the Parish Committee should continue their work with the accounts further auditing them and making them up to date.

(2) In order to bring about peace, the position of Rev.S. Hemrom must be considered very carefully. The meeting was unanimous for retaining him at Marcha in both capacities as Headmaster and pastor. So any suggestion of his removal from Marcha will be opposed obstinately and tenaciously. Therefore the Commission decides that Rev.S.Hemrom should continue at Marcha. At the same time it should be remembered that to thrust two heavy responsibility on one man will be unwise. Moreover if the High School is started from January next year the Headmaster's burden will be doubled. Further it must also be noted that so long as the Headmaster will have responsibilities recognition of even classes VIII and IX will be impssible. As Rev.S.Hemrom is deeply interested in school matters and is engaged in making improvements in connection with school the Commission decides that Rev.S.Hemrom be in charge of the school, though for some time (at least till December 31,1949) he should be in charge of both school and congregation. But the Church Council at its January meeting should find a suitalbe person to be the pastor at Marcha. This solution will strengthen the new Ilaka as well as the school.

(3) The present criminal case at Khunti Court is another factor to be considered when we think of the peace in the parish. The meeting was vehement against the Church Council for bringing the case. Therefore settlement will have to be arrived at regarding this matter in order to bring peace in the parish. The case has been brought in connection with "Tetar don" which was settled with some brethren of Marcha by a Kabuliyat for three years i.e. for 1947-49. Rev.S.Hemrom on behalf of the school forcibly transplanted paddy although the field was made ready by the Kabuliyat brethren whose Bira was wasted because of this forcible transplantation. Here the Kabuliyat brethren had to lose by way of labour and Bira whereas Rev.S.Hemrom on behalf of the school has actually transplanted the paddy. Therefore both parties should get its own half share. In other words the produce should be divided up first in two parts, the one half should go to the Board and the other half should be divided between the Kabiliyat brethren and the school by halves, and on these terms the case at Khunti should be withdrawn immediately.

With regard to the lenaded property thelands now in possession of the Board are definitely supported by documents and the Board legally holds them. They are Mahua Sokra, Tetar don and Deobandh don and these three Khatas do not come under the Zarpesgi, and so these properties are legal possession of the Church as any other property in the field. Therefore, there is no speciality about these lands and the Board should remain free to settle these lands with anybody including the Ilaka and the school.

Report of the Marcha Commission.

The Marcha Commission consisting of President Rev. J. Lakra, Rev. L. E. Kujur, Rev. C. K. Bhengra, Rev. H. Topno, Rev. S. Surin and Mr. B. Dangwar assembled at the school on the 17th Nov. morning. Mr. P. D. Kandulna was unable to accompany the Commission as he could not secure leave. The six members made a plan of procedure at the meeting of the brethren to be held at the church after midday meal. By about half past twelve the congregation arrived and the meeting was started with prayer and address by President J. Lakra after the congregation had given a small reception to the Commission members. Attendance was taken and the following were present:—

(a) Pastors:— (i) Rev. C. C. Guria of Kolbo.
(ii) " S. Hemrom of Marcha.

(b) Chatechists — 5 (One from Churdag parish)
(c) Synod members — 5
(d) From Marcha parish:— (i) Males — 245
(ii) Females — 99

Total:— 357

~~(e)~~ 12 persons were present from Churdag parish and 2 from Kolbo parish although they were not invited by the Commission.

According to the plan the President put before the meeting the first question "Are you prepared to co-operate with Govindpur as parish and Ilaka?" To this question the meeting unanimously answered "No". They stated that there has been much misunderstanding and unpleasant happenings because of which any co-operation will be impossible, and the Commission will be wise not to force them to work with Govindpur as Parish and Ilaka.

Then the President put the next question as planned beforehand "What should be done to bring about ~~at~~ peace and co-operation within your parish?" To this question there were three answers —

(a) Marcha and Churdag parishes be formed into an Ilaka to be within Govindpur Synod.

(b) Rev. S. Hemrom should continue in charge of both school and congregation.

(c) That the Commission should bring about compromise between the Board of Management and the brethren of Marcha regarding the criminal case now pending in the Khunti Court.

The whole meeting was unanimous about the above three points including the twelve persons of Churdag parish.

The Commission arrived at the following conclusions to bring about peace and co-operation in Marcha parish: —

(1) It is impossible to unite Marcha and Govindpur when there is so much bitterness in Marcha against some of the matters which happened at Govindpur. No compulsory co-operation can be insisted upon. Therefore it is wise to separate them to a certain extent. But to separate them altogether will also be unwise, for then the unpleasantness will never be cured. Therefore the Commission decides that Marcha parish be formed into a separate Ilaka under Govindpur Synod. Further, Churdag parish cannot remain joined to Govindpur Ilaka with Marcha being a separate Ilaka owing to geographical positions. Therefore Churdag parish be attached to Marcha to form one Ilaka with Marcha as Ilaka headquarters under Govindpur Synod with effect from January 1, 1950. In the interim period the parishes will remain as they are today, but Marcha should pay to the Church Council its allotment through Govindpur Synod for 1948 and 1949 as determined by the Govindpur Synod.

The new Ilaka will begin to function from January 1, 1950, and a report of the same be submitted to the Mahasabha by the Church Council for final approval. Also the Pracharakpans which now are outside Marcha parish should immediately join the parish and centralise their income at the parish.; But Churdag should centralise at Govindpur its income till December 31, 1949. It means that the monthly meeting of Churdag parish which sits early in January 1950 should do so at Govindpur.

This is also decided that Marcha congregation should have only one service with Pracharak Jaimasih Topno from next Sunday. After this happy re-union Pracharak Jaimasih Topno and other Pracharaks who are now with Govindpur should be paid by Marcha parish, and that Pracharak Jaimasih Topno be given another charge preferably under Govindpur Ilaka as soon as possible.

The new Ilaka should see that all accounts under Rev. S. Hemrom be cleared immediately and a report to that effect be submitted to the Church Council through the Synod. In the mean time the Managing Committee and the Parish Committee should continue their work with the accounts further auditing them and ~~bringing~~ making them up to date.

(2) In order to bring about peace ~~a~~ the position of Rev. S. Hemrom must be considered very carefully. The meeting was unanimously for retaining him at Marcha in both capacities as Headmaster and pastor. So any suggestion of his removal from Marcha will be opposed obstinately and tenaciously. therefore the Commission decides that Rev. S. Hemrom should continue at Marcha. At the same time it should be remembered that to thrust two heavy responsibilities on one man will be unwise. Moreover if the High school is started from January next year the Headmaster's ~~respon~~ burden

will be doubled. Further it must also be noted
that so long as the Headmaster will have two respon-
sibilities recognition of even classes VIII and IX
will be impossible. As Rev. S. Hemrom is deeply interested
in school matters and is engaged in making improve-
ments in connection with school the Commission decides
that Rev. S. Hemrom be in charge of the school, though for
some time (at least till December 31, 1949) he should be in
charge of both school and congregation. But the Church
Council at its January meeting should find a suitable
person to be the pastor at Marcha. This solution will
strengthen the new Ilaka ~~and~~ as well as the school.

(3) The present criminal case at Khunti court
is another factor to be considered when we think of the
peace in the parish. The meeting was vehement against
the Church Council for bringing the case. Therefore settle-
ment will have to be arrived at regarding this matter
in order to bring peace in the parish. The case has
been brought in connection with "Tetar don" which
was settled with some brethren of Marcha by a 'Kabiliyat'
for three years i.e. for 1947 to 1949. Rev. S. Hemrom on
behalf of the school forcibly transplanted paddy although
the field was made ready by the Kabiliyat brethren whose
'Bira' was wasted because of this forcible transplantation.
Here the Kabiliyat brethren had to lose by way of labour
and 'Bira' whereas Rev. S. Hemrom on behalf of the school
has actually transplanted the paddy. therefore both parties
must get a share of the produce, whereas the Board
should get its own half share. In other words the produce
should be divided up first in two parts, the one half
should go to the Board and the other half should be
divided ~~equal~~ between the Kabiliyat brethren and the
school by halves, and on these terms the case at Khunti
should be withdrawn immediately.

With regard to the landed property the lands now in
possession of the Board are definitely supported by documents
and the Board legally holds them. They are Mahua Sokra,
Tetar don and Deobandh don, and these three khatas do
not come under the Zarpesgi, and so these properties
are legal possessions of the Church as any other property in
the field. Therefore, there is no speciality about these lands
and the Board should remain free to settle these lands
with anybody including the Ilaka and the school.

श्रीमान सिनोद प्रेसिडेन्ट तथा सिनोद सदस्यों के

निकट निवेदन।

2-V

महाशयो,

खेररवाई प्रचारकपन के न्युनांश भाइयों से आप लोगों को सूचित किया जाता है कि, खेररवाई प्रचारक और प्रचारकपन के अधिकांश भाईगण आम्मा स्कूल के शिक्षकों के ऊपर वेतन बावत भारी अन्धेर किये। इन के इस अन्धेरी को न्युनांश भाईगण नहीं सह सकते हैं। आगे को इन अन्धेरियो के साथ न्युनांश भाईगण शामिल गिर्जा नहीं कर सकते हैं।

सो हम लोगों का सविनय अरज है कि अब आगे हम लोगों को गोविन्दपुर इलाका अन्दर में ग्रहन कर कोटवो पेरिस में मिल जाने का अनुमति दिई जाए।

ता० ८-४-५८

आप लोगों का विश्वस्त गण
मरसलन तोपनो गांव पकना

एक कोपी C. C. सेक्रेटरी
एक कोपी सिनोद प्रेसिडेन्ट गोविन्दपुर
एक कोपी मरचा इलाका
एक कोपी खेररवाई प्रचारकपन के पास
भेजा गया।

निवेदक:—

P. L. Topno
8. 4-58
Daud Kongari 8-4-58
Elias Topno 8-4-58
सामुएल तोपनो ८-४-५८
Samuel Topno. 8.4.58
बरना बास तोपनो ८-४-५८
पौलुस सुरिन ८-४-५८
मनसिद्ध तोपनो ८-४-५८
टेपा सही
जुनास तोपनो
कुकन

8/C

No 751/58-CC-2-V

Rev. Samuel Herrom
G.E.L. Church Marcha,
P.O. Marcha
Dt. Ranchi

महाशय,

रिपोर्ट मिला है कि आप व्यक्तिगत हैसियत सरकारी विभाग से कर्ज ले कर नयी जी.ई.एल. चर्च कम्पौंड में कलीसिया अधिकारियों के बिना परामर्श व इजाजत के मनमुताबिक निर्मित कर बना रहे हैं। यद्यपि कार्य जनहित के लिए है किन्तु भी कलीसिया के [illegible] ऐसे प्रोजेक्ट बनाने के लिए इजाजत आप को ले लेनी थी। आप समझदार व्यक्ति हैं - आप आपसे क्या आवश्यक अनुशासन करते।

कृपया आप आप के सिनड और पैरिश से आप के प्रोजेक्ट की स्वीकृति ले लें अन्यथा आप को यह कार्य बन्द करना होगा। इसका उचित explanation 12 अगस्त [illegible] तक दें अन्यथा हमें आप के इस कार्य को बन्द करने के लिए सरकारी विभाग के अधिकारियों को लिखना पड़ेगा।

आपका [illegible]
मह. [illegible]

No 752-53/58

cc. Rev. H. Toppo Synod President Govindpur
एवं Rev. C.K. Guria, Parish Chairman Marcha
सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए।

पोस्ट कार्ड

केवल पता

POSTAGE

5 N.P. INDIA ५ नये पै

DELY
19 3 58
1 30 PM
RANCHI

To

The Secretary

G. E. L. Church

Ranchi

From Rev. C.K. Guria
Marcha

157
16.3.58.

Marcha
16-3-58.

F/2-V

To
The Secretary G.E.L. Church
Ranchi.

महाशय, आपको रिपोर्ट दिया जाता है कि सामुएल हेमरोम सरकार से पांचसौ रुपैया लोन लेके मर्चा गिरजा काम्पौन्ड में प्रभु जातन घर बना रहा है। मना करने से कहता है कि मैं बनावे करेगा।

इस लिये C.C. से अर्जी है कि उसको इस काम से शीघ्र ही रोक दिया जाय।

आपका विश्वस्त
C.K. Guria
Marcha
16-3-58.

Dear [illegible]

Agricultural [illegible]

N. 18

N.E. Horo B.A.

Secy

Church Council Ranchi

Govindpur

4.11.57

महाशय,

आप को यीशु सलाम ——

श्रीमान एल बागे और एच, मुरि ना टे[illegible]
को जरमनी का खबर यहां आकर सुनाने के लिये लिखे हैं।
उनको आप से, मिलने के लिये मैं लिखता हूं। कृपा-
करके आप भी साथ में आवें। अगर किसी प्रकार का
ऐक आप को हो तो कौंसिल officers मे से एक

2-IV

साथ में लावें

आडीटर धन्यवाद

० आय का विवरण

243
8/11/57

H. Tupono
President

पोस्ट कार्ड

EXPTL. P.O.
4 NOV 5[illegible]

रांची
6 11 57
RANCHI

Mr. N. E. Horo.
Secretary
Luthran Church Cal
Luth Church Compound
Ranchi

Church Council
Received ... 15
Register No. ...
Date 13/10/54

Govindpur Synod. 2-V

Extract from the minutes of the Govindpur Synod meeting d/ 14-10-54 held at the G.E.L. Church, Govindpur.

Item No. 5:-

संकल्प (क) संकल्प किया जाता है कि — चूंकि पाद्री सामुएल हेमरोम, मरचा, C.C. सेक्रेटेरी की चिट्ठी नं० 947/54 d/ 7-4-54 के अनुसार सेवकाई के सब कामों से अलग कर दिए गए हैं, वे किसी किस्म की सेवकाई का काम नहीं कर सकते हैं। इसलिए सामुएल हेमरोम के सेवकाई के सब काम जिनको वे कर रहे हैं, जैसे- छोटी सजा में रखना, गिरजा करना, स्नान देना इत्यादि बिलकुल नजायज हैं और एलान किया जाता है कि सामुएल हेमरोम की हुकूमत को कोई न माने।

(ख) कि मान्यवर कुशलमय तोपनो जो मरचा के नियमित पाद्री और इलाका चेयरमैन हैं, इसलिए समूचे इलाके को एलान किया जाता है कि पाद्री कुशल मय तोपनो की हुकूमत पर चले।

(ग) मरचा इलाके के अनेक लोग सामुएल हेमरोम के द्वारा भरमाये गए हैं और कलीशा के विरुद्ध दलबन्दी किए हैं उनको एलान किया जाता है कि वे अपना दलबन्दी तोड़ देवें और कलीशा के आईन-कानून के अनुसार चलें। अगरचे वे अपनी खुशी राजी से अभी ऐसा न करें तो पीछे कलीशा के आईन अनुसार उनके ऊपर कार्रवाई करना पड़ेगा।

[illegible signature]
President, G.E.L. Church
Ch. Nagpur & Assam, Ranchi.
19/10/54

C.K. Bhengra
President,
Govindpur Synod.
15.10.54

[illegible signature] 15/10/54
Secretary,
Govindpur Synod

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.
Registered Under Indian Societies Act 1860
Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B. A.

Ranchi, (Bihar) India.

2-V

The 11th August, 1955.

No. 3004/55
3206/55

To

Rev. Suleman Soy,
G.E.L.Church Churdah,
Churdag,
P.O.-~~Karra.~~ Barda.
Dist.-Ranchi.

It should be Barda

Dear Pastor Soy,

Will you please let me know whether you have been paid up your bill by the Board Manager which you had submitted to him and whether you have repaired the Church building.

Yours sincerely,

11/8/55

Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

B.L.11/8/55.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.
Registered Under Indian Societies Act 1860
Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B. A.

Ranchi, (Bihar) India.

The 25th August, 1955.

No. 3175/55

2-V

To

Rev.S.Surin,
Synod President,
Govindpur Synod.

Dear Rev.Surin,

Your letter dt.20.8.55. Your query regarding two delegates from Govindpur Synod (1)Sj.Habil Barla and (2) Sj.Mansidh Topno of Marcha Illaka who did not attend the last April Mahasabha for some reason. If they are not disqualified they should attend the Special Mahasabha on 19.10.55 and if disqualified you can elect new ones in their places.

Yours sincerely,

25/8/55

Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

B.L.25/8/55.

GOVINDPUR SYNOD

Rev. ~~C. K. Bhengra~~ S. Surin, President.

G.E.L. CHURCH GOVINDPUR
JARIAGARH P. O.
RANCHI DISTRICT.

Ref No ....

Date 20th August 1955

To,
The Secretary,
C.C. Ranchi.

Sir,
Ref. to your memo No. 1712-1830/dated 1-6-55 I beg to submit the names of the C.C. members who have been elected by the Synod Sabha for the remaining period —

I Rev. S. Surin
II Mr. P.C. Horo,

Further I beg to inform you that two members of the delegates from Govindpur Synod did not attend the last Mahasabha. They are — 1 Shri Dhubil Bara, 2 Shri Mansidh Minz. They both are of Marcha Ilaka. May I request your opinion, that in such case the Synod will be permitted to select another member or not, for the coming Extraordinary M-Sabha. Kindly inform me.

Yours faithfully
S. Surin
President

If these are not disqualified they should attend the Mahasabha. If disqualified you may elect new ones in their places.
HV. 25/8

RANCHI
DELY.
30 AUG 55
A.M.

पोस्ट कार्ड

केवल पता

29 AUG

To
नाम The Secretary
पता G. E. L. Church
डाकखाना Compound
ज़िला Ranchi

Judag
27/24/8/53

2-V

आप के चिट्ठी नं० 3 जून के उत्तर,

महाशय,

मैं इस स्थान के विषय कुछ नहीं जानता हूं और भाइयों से पूछा परन्तु कुछ पता नहीं हो[illegible]ता बल्कि गिरजा घर का द्वार भाइयों ने मालूम किया गया।

What is this about?

Wr 3/8/53

Yours Sincerely
Rev. I. S. Day

2-V

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

NO. 3326/54

G.E.L. Church Compound,
RANCHI.
The 17th August, 1954.

From:- Secretary Mr. N. E. Horo, B. A.,

To

Rev. K. M. Topono,
Illaka Chairman, G. E. L. Church
Marcha.

Dear Rev. Topono,

Thank you for your report of August 11, 1954. The report is though addressed through the Synod President, it bears no forwarding Memo from him. I do not know the reason.

It is very unfortunate that Rev. S. Hemrom should go on taking more aggresive attitude. The President and I shall certainly come to Marcha in the near future but in the mean time it is desirable that Synod authorities should take active interest in Marcha matters. It is not possible always for C. C. Officers to be present at every place. Even if the Council takes any action it will be through the Synod, because the Ilaka is within the Synod's management.

I shall let you know when we shall come.

Yours sincerely,

17/8/54

Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

No 3327/54

B. L. 17/8/54.

Copy to Rev. C. K. Bhengra, Synod President for information & needful.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : Mr. N. E. Horo, B.A.

Ranchi, (Bihar) India.

No. 2833/54. 2-V

The 17 th July, 1954.

Mr. C.M.Horo,
Govindpur.

Dear Mr. Horo,

This is to inform you that we have ~~xxx~~ very carefully considered your forms, Registers and other things sent to me re: the Mandli Paisa. We have found them very useful The Executive officers have, however, decided to discuss certain points about it personally with you. It was therefore decided to call you here at Ranchi for the purpose. I am reproducing the relevant portion of the minute of the Executive Officers' meeting held yesterday :-

" It was decided to intr oduce in the field for keeping proper accounts in respect of Mandli Paisa after re-considering it with Mr. C.M.Horo personally. It is suggested that he be requested to come to Ranchi for consultations at Council's expences".

Please, therefore, come for consultations next week any day suitable to you preferably between 19 th and 24 th July, 1954.

This invitation may be treated very urgent.

Yours sincerely,

[signature] 17/7/54

Secretary.

74

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

No 4015/54 Registered with A.D.

Secretary :- Mr. N.E. Horo, B.A.

G.E.L. COMPOUND,
RANCHI.

2-V

The 8th Nov. 1954.

To,

Shri Samuel Hemrom,
G.E.L.Church, Marcha,
P.O. Torpa, Ranchi.

Please return the following licenses you are in possession of, for submitting them to the Deputy Commissioner, Ranchi immediately.

(1) License granted under Sections 6 and 9 of the Indian Christian Marriage Act 1872 (XV of 1872)

(2) License granted under Section 12 of the Birth, Deaths and Marriages Registration Act (VI of 1886)

Treat it extremely urgent.

N.E. Horo, 8.11.54

Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A.,

Ranchi, (Bihar) India

2-V

No. 116-17/54

The 15th January, 1954.

To

Mr.P.D.Bara,Head Master,Takarma High School,Takarma.
Mr.P.S.Barjo,Head Master,Govindpur Jubilee High School.

Dear Mr.

In continuation of this office communication No.1636-41/53 dated the 12th November,1953,ordering his transfer to Govindpur Jubilee High School/Takarma Sidnes High School,he is being directed to join his new post by 1st February,1954 at the latest and report.

N E Horo 16/1/54

Secretary,
G.E.L.Church,Ranchi.

B.L.15/1/54.

118/54 Copy to Rev S Surin Takarma
119/54 — Rev C K Bhengra Govindpur

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A.,

Ranchi, (Bihar) India

No.

The 15th January, 1954.

To

Mr.P.D.Bara,Head Master,Takarma High School,Takarma.
Mr.P.S.Barjo,Head Master,Govindpur Jubilee High School.

Dear Mr.

In continuation of this office communication No.1636-41/53 dated the 12th November,1953,ordering his transfer to Govindpur Jubilee High School/Takarma Sidnes High School,he is being directed to join his new post by 1st February,1954 at the latest and report.

NEHoro 16/1/54

Secretary,
G.E.L.Church,Ranchi.

B.L.15/1/54.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A.

Ranchi, (Bihar) India

No. 2573/53

2-V

The 28th June, 1954.

To

Mr.C.M.Horo,
G.E.L.Church Govindpur,
P.O.Jariagarh,
Dist-Ranchi.

Dear Mr.Horo,

Thank you for your letter dated 19/23inst. We shall be sending more Receipt books if necessary. You have raised some vilat questions with regards to the procedure which we are adopting in the matter of collecting Mandli paisa. I must clarify those points.

Firstly without taking any help from Synods, Mandli paisa cannot be collected. Parishes are asked to remit it direct to the C.C.Treasurer only with a view to expedite the work. You must remember, it takes much time to reach any chanda from the congregation to the synod. Synods and Ilakas cannot remain ~~inx~~ unconcerned. Their supervision is necessary. They will be supplied with necessary records of collections through challans.

You will please refer to my circular letter No.2390-2421/54 dated 17.6.54.item 2. I have mentioned there that one of the copies of the challan to be submitted by the Parish Chairman will be sent to the Synod. Synod will accordingly keep records. These things will pass through the Ilakas. If it is not clear I shall try to get it clarified in detail.

Secondly, for the time being, till any definute arrangement is made, I have requested the Parishes to spend for pencils, carbons, papers etc. out of their own contingencies.

Thirdly necessary registers and forms etc. will have to be maintained. That is important and I quite agree to what you say and propose in this regard.

There is no reason why Synods and Ilakas should be neglected. Necessary records will go to Synods and Ilakas. It is for purely expediting ~~thework~~ the work, that Parishes are requested to remit the amounts direct. Personally I do not see why Synods and Ilakas should feel like cold-shouldered?

Everything you have suggested supported by sample forms is welcome. You must know that I am alive to the slow progress, but that does not mean that I take it lightly. I am still ~~optimist:~~ optimistic amidst evident odds. I am already finding it here.

P.T.O.

Page-2-.

With best regards.

Yours sincerely,

2816

Secretary,
G.E.L.Church,Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.
Registered Under Indian Societies Act 1860
Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary: MR. N. E. HORO B. A.

Ranchi, (Bihar) India.

No. 200-53/54 2-V *The* 14 th January, 1955.

Rev. Kushalmay Topono,
~~Shri~~ Rev Samuel Hemrom,

Marcha G.E.L. Church.

Mahasay,

Ap ko janaya jata hai ki Church Council ne apni 13.1.1955 ki baithki men yah phaisla kiya hai ki ek "Peace Commission" Jald Marcha bheja jay jo Marcha ki mandliyong men santi sthapit kare.

Is liye yah Council ki "PEACE COMMISSION" 15-1-1955 din Saniwar ko Marcha a rahi hai.

Ap logong se nibedan hai kih kal 10 baje din ko Marcha men apne logong ke sath upasthith aeye.

Iswar mel-milap ke liye ap logong ki aguwai kare.

Ap logong ka biswast,

[signature] 14/1/55

Secretary.

Extract CC minute d/-13.1.55.
"That a peace commission consisting of the following persons be sent to Marcha to bring about peace at Marcha as early as possible 1.Rev. Habil Topono(Convener)2.Rev. J.J.P. Tiga, 3.Mr.P.D.Kanduina, 4.Rev.Mansidh Hemrom,5.Mr. Premchand Horo,6.Rev.S.Kula,7.Rev.S. Surin."

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.
Registered Under Indian Societies Act 1860
Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary: MR. N. E. HORO B. A.

Ranchi, (Bihar) India.

2-V

No. 148/55.

The 7th January 1955.

Rev.C.K.Bhengra,
Synod President,
Govindpur Synod.

Dear President,

I mentioned to you~~r~~ last Christmas about a representation from some of the brethren of Jurdag about Rev. Y.Dang's transfer. I suggested that for the time being it would be advisable to bring Rev.Dang to Govindpur in place of Rev.Mundu,for in that ~~occasion~~ event he will be directly under your supervision and guidance and he will have more opportunity to work smoothly.This was the Council's decision too.

The Church Council in its last sitting was not in a ~~word~~ mood to transfer him elsewhere for less advising him to retire. The Church is in ~~dartex~~ dearth of Pastors for the moment and consequently the Council has advised you to bring him to Govindpur.I personally strongly believe that situation at Jurdag will ease by this arrangement.

Some report will have to be given before the ensuing Church Council meeting . Would you please look into the matter dispassionately. and report of action taken by you

Yours sincerely,

[signature] 7/1/55

Secretary,
G.E.L.Church,Ranchi.

B.L.7/1/55.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Registered Under Indian Societies Act 1860

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B. A.

Ranchi, (Bihar) India.

2V

No. 2919/55

The 22nd. July, 1955

To,

The President,
G. E. L. Church,
Govindpur,

Sir,

Please inform all the heads of the Institution at Govindpur that the Acting President, Secretary and Head Supervisor will visit the respective institutions on the 29th July, 1955.

Yours faithfully,

[signature] 22/7/55

Secretary,

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : Mr. N. E. Horo, B.A. Ranchi, (Bihar) India.

2-V

No. 2844/54 The 22 nd July, 1954.

Rev. C.K.Bhengra,
Govindpur.

Dear Rev. Bhengra,

Thank you for your letter of 21 st July. I understand from your letter that you want me to be at Govindpur tomorrow i.e., 23 rd July. I do not think you are calling a meeting of the Managing Committee.

I am sorry, I cannot come tomorrow as I am preoccupied in despatching the labourers to Andamans. Medical examination of these labourers will be complete this afternoon, and if we receive any message in an hour or two, I shall have to leave for Calcutta to-night. If not, tomorrow. Besides, there are many other important matters to be attended to. It is not possible to come always by jeep; that is too expensive. I would, therefore, suggestb that you come over to Ranchi personally for consultaions if school situation is so grave and cannot be tackled by you. You can come before giving me some information through the Bus.

I have seen the proceedings of the Managinging Committee . I find some drastic proposals for change. Mostly these are related to Pt. Pathak and Shri K.K.Mishra. Now, Pt. J.K.Pathak is simply dismissed. I would have suggested some alternatives so that he does not find any trouble. I do not exactly know what was the incentive in dismissing him. Some kind of reason is given in the minute but that does not appear quite clear. My point is this : let Pt. Pathak be given ample opportunity to save his face, he should not suffer. If it is extremly necessary to remove him from the High school, let him be given priority in the middle school. If all these alternatives are not manageable, then of course, you can recommend his case to the council for accomodation somewhere. It is also not late to reconsider his case. I have just received a letter from Mr. Tutti saying that Pt. Pathak was proposed to be sent to the middle school but a new appointment has taken place. I do not know how all these happen specially when you are there and know all the situation more than what I know. I understand you are alos the Chairman of the Middle school Managing Committee. Pt. Pathak's case should have been first consideration in view of the fact that he has been given notice to vacate the school. I am pained to know all these. Some times I feel what's the use of advising any or even helping if people do not care to take advice ? I have been finding that at Govindpur some people who helped to stregthen the school are persecuted. Persecuted, I say. I request you to please consider all these so no body is immediately put in trouble.

Regarding Shri K.K.Mishra, I have already written to the Hd. Master. There should be fair deal with regard to his salary. He has recently been trained I understand. Please see that nothing happens towards aggravating the situation. I propose that if there is any misunderstanding between Mishra and Tutti, please call them both at your place and get things clarified in the interset of the school and themselves. This much I can advise you for the time being.

However, if you find it still difficult to manage affairs, please come down to Ranchi for consultations preferably with Tutti.

Hope this will be of some help to you.

Yours sincerely,

[signature] 22/7

Secretary.

Rev. C. K. Bhengra,

Ref No. 39

2-V

G.E.L. CHURCH GOVINDPUR
JARIAGARH P. O.
RANCHI DISTRICT.

Date 8-7-1954

Manyawar N. E. Horo C. C. Secy
ko yishusahay!

Ap se arj ki jati hai ki jab ap anewale somar 12.7.54 ko Govindpur ate hain M.C. meeting ke liye 4 seers newar Palang ke liye apne paise se kharid ke lete laiye. Yahan ap ko paisa diya jayga. H.D. Master ke Palang men newar nahin hai. Yah bahut darkar hai.

Shubh

C. K. Bhengra

Personal

2-V

Govindpur
1.7.54

The Secretary,
G.E.L. Church in Chotanagpur & Assam,
Ranchi.

Dear Mr. Horo,

Your letter No. 2573/54 D/ 28-6-54.

I find from what you say that you are quite alert about the Mandli Paisa. I know nothing about your ~~letts~~ circular letter No. 2390-2421/54 D/ 17.6.54. You must have given detailed instructions in it. If I knew it, I would not have written my last letter. Only a bundle of receipts books was given to me by Rev. C.R. Bhengra without any instruction from you. The only direction from him was that one receipt book was to be supplied to each prachakakpan.

I am sorry that I am both optimistic and pessimistic at ~~one~~ the one and the same time as regards the Mandli Paisa. The simple reason is that I am ~~x~~ not looking the one side only but I am looking all

the sides as far as possible.

If you have instructed the Parish Chairmen fully all the matters that you have written ~~under~~ in your letter under reference then it is alright to a great extent. But if you have written them to me only then the Parish Chairmen, the Ileka Chairmen, (~~the~~ and the Synod Presidents) will not be affected by them. I am satisfied only partially ~~of~~ with what you have said in your letter. But it does not mean that I am demanding satisfaction from you. To do this thing is beyond my jurisdiction.

I have much to say had my position permitted me. But my pen does not want to stop in spite of my trying the hardest to do so, without saying that if I were to start so vast a new project like the Mandli Paisa I would ~~have~~ not have started it first without making the complete arrangements for it. I may be mistaken in saying these words as

You have effected some sort of arrangements, which is not yet fully known to me. I will know it by and by.

Now I stop for the present.

Wishing you all success,

Yours Sincerely

[signature]

PS

Please let me know one thing more. In 1953 the C.C. received Rs. 5000/- a/c Study help, out of which Rs. 1467/- was given out. The balance remained at Rs. 3533/-. There must have been some (cr) balance of previous years also. Please let me know when the balance amount will be given out. If it has been given out then please let me know ~~that~~ whether it has ~~not~~ been given to those who ~~ha~~ received the Govt. scholarship in 1953-54.

[signature]

Pr + Tr. ✓
for perusal

Wz. 8/7/54
Seen

2 – V

To

The C. C. Secy.

G. E. L. Church Ranchi.

महाशय,

मैं आप को मरचा इलाका की रिपोर्ट इस प्रकार देता हूं। मरचा इलाका की वर्त्तमान स्थिती दिन बा दिन बिगड़ती जाती है। १९. ६. ५६. को सफुएल हेमरोम के दल बिशुनपुर प्रचार कपन में मिटिंग किये, मिटिंग में सफुएल हेमरोम भी उपस्थित थे। अनेक बातों को फैसला किये, जैसा अलग गिरजा करना, पादरी को तलब नहीं देंगे, पादरी को सेवकाई काम से बन्द करेंगे इत्यादि।

इस फैसला को २९-६.५४ में कार्य रूप में लाये, मरचा प्रचार कपन में विहान को अलग गिरजा किये। हेमरोम भी गिरजा का कुछ हिस्सा लिये। दूसरे रोज प्रभाकर मतसुरव के बालक को भी स्तान दिये।

मरचा पेरिश मिटिंग को इलाका मिटिंग नहीं होती है चुरदाग पेरिश से पादरी और इलाका मेम्बर मिटिंग में नहीं आते हैं, वे महिने का आमद खर्च का हिसाब भी नहीं देते हैं न सेन्ट्रलोज करते हैं।

मैं अर्जी करता हूं कि सी० सी० इस गड़बड़ को दूर करने के लिये शिघ्र अपनी फैसला को कार्य राय में लाने की कृपा करेंगे।

आप के आज्ञाकारी सेवक,

Ilaka chairman
K.M. Topno
Marcha Ilaka.
30-6-54

Seen
[signature]
8/7/54

Seen
[signature]
Tr.
2/8/54

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये

2-V

BARDA B.O. 5

POSTAGE 1½ As INDIA 1½ आना

To

The Nesal Hoxo J.E.L. chawsch

Secsatasy

C/O. Rev. Sulimon Kula

J.E.L. Church

Ranchi (Bihas

← दूसरा मोड़ →

भेजने वाले का नाम और पता :-

Matias Munki

Vi Tatari

P.O. Barda

Ranchi (Bihar)

यहाँ काट कर खोलिये →

(१) श्रीमान सेक्रेटरी साहब जी. ई. एल. चर्च रांची File 2-V
आप लोगों को हमारी ओर से प्रेमयुक्त
यीशु सहाय।

आगे समाचार ऐसी है, हमारी चुरदाग मंडली में
जोहन तोपनो मास्टर के कारण कई बरसों से
गड़बड़ी चली आ रही है। जिसका सारा
विवरण रेभरेन एस. कुजूर को सब चर्च के
अधिकारियों से ज्यादा उन्हें मालूम है। वैसा
चुरदाग मंडली के लिये जितना रास्ता
हम लोगों को बताये हैं उतना कोई दूसरा
नहीं मेहनत किया है। इसके लिये उनको
हार्दिक २ धन्यवाद सदा होवे, फिर आप लोगों
ने बहुत दिन में एक योग्य पादरी रोयन
तोपनो को भेज दिये थे पर, मरवा के दुष्ट
लोगों के भारी आन्दोलन के कारण तुरन्त
तोपनो पादरी को बड़ीगिरिंगा बदली कर दिये
हमों ने सारे मंडली समेत इस बदली को रोक
थाम करने का उजूर पेश किया पर आप
लोग हमारी एक भी न सुने। पर महोदय
रेभ तोपनो को बड़ी परेशानी उठाते हुए

(२) बड़ीबिरिंगा जाना पड़ा। आप लोग प्रभु के चरवाहे को सेवक बनते हैं, और मंराड़ली को तो आप लोग कुछ समझते भी नहीं हैं। मानो वे तो सिर्फ के बे आत्मा वाले हैं, जो मुसीबत और बिना रोजगारी आदमी हों। आप लोगों ने उचित ही विचार से तोपनों बाबू को चुरदाग भेजते साथ गड़बड़ बंद हो गयी और मंराड़ली आनन्द हो हराभरा सा मालूम पड़ती थी। पर आप लोगों के जैसे बे अकेली लोगों के बिना विचार से इनको बदली कर का कर मंराड़ली का भारी नुकशान के मार्ग पर दिया है और आज दूसरा पादरी जैसे कोई पेट के लिये मजदूरी करे। सालो जगर को भार कर बाबू जोहन तोपनो मास्टर के ऐसे बुधिमान आदमियों के बातों को गौर से सोच कर मंराड़ली का चरवाहा बना है। सारा मंराड़ली के सेवट परसेन्ट लोग इस पादरी को अयोग्य समझ कर इस चुरदाग मंराड़ली में हरगिज प्रभु का सेवा कोई नहीं कर सकता है। जिसका सारा ब्यान आप लोगों को आगे चल कर मालूम हो जायेगी।
मान्यवर सेक्रेटरी साहब इसी लिये आप

(३) यह सिफारिश रहा कि, वह बहुत लायक और
नेक आदमी है। आज आपके विचार और ज्ञान
का सारा अनुभव मेरे जैसे के समझदार को ठीक
मालूम पड़ा, जिसके विषय में आपने मुझे बड़ी
तरकीब से उसके समझाया। कहने का सारा विचार
यही ठहरा कि, जिस पादरी व आदमी से मंडली व
एक दूसरे को नुकसान हो वही शासन आप लोगों
को है और एक दूसरे के साथ प्रेम से, विशेष
हो वही आप लोगों का मेट पावर से बड़ा है
लिये अनुशासन हो। यदि हो सके, तो फिर से
पादरी न सुधरे, तो अधिक से अधिक ध माह
तक उनको चुरदाग खाली करना पड़ेगा।
इस बात को आप लिख लीजिये।
आप लोगों के शासन से सारी दुनियां चकित
सी हो जाती है क्योंकि, आप लोग मुजुर्ग और
विद्वान हो गये हैं और प्रभु के ज्ञान को आप
लोगों के टोपी और नेकचाई पर रख दिये हैं
मैं कहता हूं, ख्रिष्ट के क्रूस को छोड़ किसी दूसरे को
तारा नहीं है। जो हमें जीवन को पहुंचाते हैं
ईश्वर का आत्मा आप सभों को मिले, जो अन्तलक अर्थात
ख्रीष्ट के आने तक इस पवित्र कलीशिया को स्थिर रखे
(रहें जो, कि परमेश्वर की महीमा को देखने सके
ऐंआमीन)

From, L. Khalkho, School Secretary
Nimdih Mission School P.O. Talsara
Dist. SUNDARGARH.

20/2/52.

To Z. Horo, Treasurer of G.E.L.
Church Ranchi

Sub:- Account of Money paid to Nimdih Mission School.

Sir,

Respectfully I beg to State that, - From July' 1949 G.E.L. Council has pleased to Sectione Rs 20/- per Month for the Nimdih U.P. School. This amount comes through Rev. Nimdih, the incharge of the Parish, he pays this amount to the teachers.

According to the Sectioned amount, School have to get Rs 240/- per year, but every year at the end, when we calculate the C.C. Grant, there we get defficiate of Money. To this incharge of the Parish Says Council has

POST CARD

THE ANNEXED ... FOR THE ADDRESS ...

INDIA POSTAGE ½ A

INDIA POSTAGE 3 PS

Mr. Z. L. Hoxo, Treasurer
C. E. L. Church Ranchi
P.O. Ranchi
Dist. RANCHI
B.N.R.

not send the money so there is so much shortage. As an example in 1950 C.C. Grant given to this School was Rs 175/- (one hundred seventy five) and in 1951 it was only Rs 140/- (one hundred fourty only)

So I want to know the actual amount paid to this School. Please try to send a clear account of this. Please treat this as very urgent, as the School members are anxious to know the account.

Yours sincerely.

[illegible signature]

L No 2/55. From Rev. S. Toy G.E.L. Church
Churdag.
the 3rd may 55

To the Secretary G.E.L. Church Ranchi:

Sir, The condition of the Churdag girja Bunglow is going down. ~~in~~ Applications and Bills are Submitted to the managers of the property Board. I remind you by this letter please Send a man in order to have a look, and immediately

money should be
Sanctioned for
repairing.

yours faithfully.
Stoy
3.5.55
Parish Chairman.
Churdag.

पोस्टकार्ड
केवल पता

RANCHI
5 MAY 55

INDIA
TRIMURTI

To
नाम The Secretary.
पता G.E.L.
डाकखाना Church
ज़िला Ranchi.

L. No 1/55. From Rev. S. Toy, G.E.L Church
Chundag.
The 3rd May 55

To
The Secretary G.E.L. Church Ranchi.

Sir,
I have taken charge of the G.E.L.C. Chundag from the 1st of April 55.

Further, I have no marriage License So you kindly remind the Registrar and arrange at an early date.

A marriage ~~cerem~~ will take place immediately by the order of the G.E.L. President. Can I Solemnise? you Shall be kind enough to reply soon.

Yours faithfully

Stoy
3.5.55

पोस्ट कार्ड

केवल पता

RANCHI

To

नाम The Secretary

पता G.E.L.

डाकखाना Church,

जिला Ranchi.

Church Council
Received ... DT.
Register No. 76
Date: 21/3/55.
File: 2/V
Reply No. ______
Dat. ______

Note:-

Rev. C.K. Bhengra is drawing his salary from Govindpur Ilaka not as Synod President's salary but as Pastor's salary. He drew @ Rs. 70/- p.m. upto Dec/54. From Jan. 55 his salary comes to Rs. 80/- p.m. On which he is to contribute @ -/1/- per rupee for P.F. His argument is that as the C/C has fixed Rs. 100/- his salary, he is entitled to contribute on P.F. on Rs. 100/-. But as Rev. C.K. Bhengra is drawing his salary from the Ilaka and not from the Synod, I do not consider it legal to take his P.F. contribution on Rs 100/-.

[signature]
16/3

Put up the President and the Secretary for necessary advice on the matter.

[signature]
16/3/55

Put it up for the matter before the C.C. ~~meeting~~

[signature]
16/3/55

REV. C. K. BHENGRA

G. E. L. Church,
Govindpur,
Jariagarh P.O.,
Ranchi Dist.

Church Office
Received ... 23/55
Register No. 2 ...
... 21/3/55

23/55

11. 3. 1955

Manyawar C. M. Horo Asstt. Treasurer

Mashay,

January 1955 ke full C.C. men phaisla huwa hai ki mera pay 100/- hai jab tak mera Synod Presidentship ka miyad hai. yah miyad 1957 ke June tak hai.

uske pichhe mera pay 80/- hoga aur allowance 20/- hoga. Isse yah sabut hai ki 100/- per mera P. F. Contr. hai. Arji hai ki Jan. 1955 ke liye jo P. F. Contr. gaya hai usko adjust kijiye. Phir February ke liye bhi usi dar se lekeya jata hai.

Shubh
C. K. Bhengra

16/3/55

REV. C. K. BHENGRA

G. E. L. Church,
Govindpur,
Jariagarh P.O.,
Ranchi Dist.

Church Council
Board O.T.
Register No. S.O.C.C.
Date 21/3/55
R. 2V
Reply ......

No 26/55

18. 3. 1955

To
The Secretary C. C.
G. E. L. Church Ranchi

Mahashay,
Main ne 8.3.55 ko Prach. Jr. School ka estimate ap ke pas bheja aur arji bhi ki ki kripaya jaldi rupaiya bhejiye. Jab tak rupaiya nahin bhejenge kam nahin hoga.
(2) Hamon ke phaisla ka nakal janch ke liye Hd Master Jubilee School aur Hd Master M. E. School ke pas jaldi bhejiye jisse Hostel ke 2 rooms aur Kitchen ke liye room Susamay men khali ho jawe. Kam 15th May 55 tak samapt ho jawe

REV. C. K. BHENGRA

G. E. L. Church,
Govindpur,
Jariagarh P.O.,
Ranchi Dist.

..................195 .

aur 1 June 1955 se parhai
aramBh ho jawe. Shri
Sosan Topno jab tak
kothri khali nahin
karenge chulha, ityadi
banana nahin banega.
1 May 1955 se Rev. S. Surin
yahan kam suru karenge
to mujh ko quarter khali
karna hoga. Rupaiya ke
bina ar kosia lagana bhi
nahin banta hai! 1 Jund
gachh giraya gaya hai
jisko sukhte. Phir arji
hai ki rupaiye jaldi
bhejiye. Jyade dhanyabad

ap ka agyakari
C. K. Bhengra

2 – V

I hereby authorise ~~to~~ Shree Martin Hemrom and Prem Prakash Dungdung to ~~collect~~ raise contribution for ~~the~~ The Jubillee High school Govindpur. in Raigangpur area.

S. Surin,
Secretary J.H.E. school,

[signature] Horo
5/11/55
Secretary
G.E.L. Church Ranchi

Rev. S. Susin,
Synod President.

2-√

G. E. L. CHURCH. GOVINDPUR
P. O. JARIAGARH
DIST. RANCHI

29/11/55

To, The Secretary,
G. E. L. C. C. Ranchi.

Sir,

I am sending herewith the minute of the Tabita Committee held on the 19th Nov. 1955. for the approval of the C.C. and necessary action.

Further, according to the Notice of the Executive meeting I wish to send this agenda - if you agree then please put it in the agenda -

Ranchi being the Headquarter Congregation has every body's interest in it. Now the Compound wall is totally fallen down, Hence I wish that the working Camp of the synod be arranged and the wall be built.

Yours truthfully
S. Susin

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Registered Under Indian Societies Act 1860

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B. A.

Ranchi, (Bihar) India.

2-V

The 2nd. Sept. 1955

No. 3213/55

Rev. S. Surin,
Govindpur,

Dear Pastor Surin,

Thanks you for your letter of 1/7/55 and the Bulletins . I shall hand over the packet of Bulletins to Mr. P. Topno when he comes here. We shall raise ~~arise~~ some contributions here for the school.

Dr. Schiotz's coming here is not known to me . If at all any distinguished visitor comes he will be taken to Govindpur.

Yours sincerely,

[signature] 2/9/55

Secretary.
G. E. L. Church, Ranchi.

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

No. 4383/55.

Ranchi (Bihar) India.
The 15th December, 1955.

From Rev. S. Kula and
Mr. N. E. Horo, ~~Chairman~~, Ranchi.

2-V

To

Rev. Santosh Surin,
Synod President,
Govindpur Synod,
G O V I N D P U R.
P.O.-Jariagarh.
Dist.-Ranchi.

Subj:- 2nd & 3rd Banns of marriage of Cand. C. Hardugan Horo.

Dear Pastor,

With reference to your letter dated 13.12.55 requesting for permission of 2nd and 3rd banns of the Cand. Ch. Hardugan Horo, you are permitted to proclaim the said banns on the 25th December, 1955. The President has left for Assam yesterdaythe 14th inst. and your letter reached us to-day.

Yours sincerely,

[signature] 15/12/55

B.L. 15/12/55.

[signature] 15/12

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Govindpur Synod.

Rev. S. Surin, *President*
Mr. J. Topno, *Secretary*
Mr. C. B. Horo, *Treas.*

G. E. L. CHURCH GOVINDPUR
P. O. JARIAGARH
DIST RANCHI.

Ref. No. ____________

Dated 13/12/55

To, The President
G. E. L. church.

Dear Sir,

On account of the ordination of Candidate Christ Hardugan Horo on the 18th of January, 56. His marriage has been fixed on the 28th of Dec 55. hence the proclamation of the III Banns is not suitable on the 18th of January 56 the third Sunday since his bachandnt.

Hence on behalf of Christ Hardugan Horo, I request you to kindly approve the II + III Banns on the 25th of Dec 55. and inform me the same.

Yours faithfully
S. Surin
Pastor.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
Govindpur Synod.

Rev. S. Surin, *President*
Mr. J. Topno, *Secretary*
Mr. C. B. Horo, *Treas.*

2-V

G. E. L. CHURCH GOVINDPUR
P. O. JARIAGARH
DIST RANCHI.

Ref. No. ____ Dated 23. 6. 56.

To, The Secretary
Church Council, Ranchi.

Dear Sir.

This is to inform you that the Headmaster has come and working in the school. But he is saying that he will leave the school from the 18th of July. I have sent Mr. M.P. Tirn pandit to Gumla to talk with Mr. P.D. Lakra. He has not yet returned. ~~H~~ If he gives ~~favo~~ favourable word than we will release Mr. Tuti. But what shall we do if Mr. Tuti is away from here. and if Mr. Lakra will not come. I have not yet heard the final decision of Miss Jyoti Mundu ~~E~~ and Mr Madan Singh from you. I shall send any body to Mr. Madan ~~to~~ talk with him. Please try to get Hd master even from outside chhotanagpur, Ask some Madrasi or Bengali Trained graduate. for this school. Since Mr. Tuti seems to leave this school from July 18th.

This time the B.D.O. is not here and hence ~~I could not~~ we ~~could~~ have not yet been able to discuss the matters with him. We have get the Petition signed by the public.

2-7

Regarding Jurday Pastor, I should suggest that there are Pastors in Burju Synod. If one of the Pastors is transfer ~~Bu~~ from Burju Synod to Govindpur Synod. then both the Synod will not suffer. Such as if Asaph. is transfered from Sarnatoli to Jurday then there are two pastors in Burju. Rev M. Aind may be transfered to Sarnatoli. Let there be Rev Hitopano at Burju till the new ordination and like that Let I shall be here alone till the new ordination of any Candidate. If this is possible please talk with the Rev. Topno Burju.

It seems to me that Rev Munda will not better off within three months of leave since his descease seems to be very serious. It is possible that the help in ministerial work may be taken from Rev. P.D. Soreng if the C.C. permits him to do so. Then I shall arrange his turing to the Congregations near about ~~going~~ Govindpur

Please Consider these matters very seriously and if possible please arrange accordingly

Yours faithfully

S. Surin

2-V

wr 17

महा मान्यवर जी. ई. एल चर्च कौंसिल के निकट

निवेदन,

महाशय,

आप को मालूम होवे कि मैं ने प्रेसिडेन्ट को पत्र जिस को डाक्टर ने मेरे हाथ भेजा, उस को प्रेसिडेन्ट साहब को दिखाया जिसने आज्ञा दी कि आप को दिखाने पर नहीं दिख सका। सो मेरी दवा खर्चा है कृपया इसे गहरा कर विचार के लिये पेश करेंगे।

फिर भी बताया गया कि आप को दवा और इलाज आदि के लिये पचहत्तर रुपया अंके (७५) रु. देना है मैं ने खून जांच के लिये आठ अंके ८) रु. तो दे दिये हैं सो सब लगभग है ८३) रु।

सो कौंसिल से मेरी तो दवा का खर्चा है मैं एक गरीब पादरी हूं इसलिये आप अपने अस्पताली सहायता से मेरी सहायता करेंगे।

आप के इस उपकार पर मैं आप का धन्यवादी बना रहूंगा। –

28-6-56

आप का विश्वासी सेवक

N. Kandre Pastor

Jurdag

S. N. PAL, M. B.
RADIOLOGIST

Phone 267.
RANCHI X-RAY CLINIC
CLUB ROAD.

RANCHI 24. 6 1956

Dear Rev. Toga,

Thank you for your letter.

I have examined Rev. N. Munda

He should rest for two months and have for the treatment as advised. The treatment will not cost him more than seventy five rupees for two months after which he should again be examined.

Yours sincerely
[signature]

S. N. PAL M. B.

Phone 267
RANCHI.

23/6/56

Received with thanks from Rev. Nathaniel Munda a sum of Rupees Eight only for professional attendance and exam of blood etc.

[signature]

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Govindpur Synod.

Rev. S. Surin, *President*
~~Mr. J. Topno, *Secretary*~~
Mr. C. B. Horo, ~~*Treas.*~~ Secy.

G. E. L. CHURCH GOVINDPUR
P. O. JARIAGARH
DIST RANCHI.

2 – V

Wr. 4/12/56

Ref. No. 39/56

Dated 29.11.56

The undermentioned document is forwarded to the Secretary, G.E.L. Church Council, Chotanagpur & Assam, Ranchi for information, guidance and necessary action.

[signature] 29/11/56
Secy. Govindpur Synod.

Extract from the minutes of the Govindpur Synod full meeting held on 15-11-56 at Govindpur: —

" Item No. 5 - इलाकाओं का रिपोर्ट :- (ख) मर्चा इलाका — Sri S. Topno, Headmaster, Marcha Middle School ने मर्चा इलाके का यह संक्षिप्त रिपोर्ट दिया कि मर्चा इलाके के सभी काम, जैसे – बैठकी, सेन्ट्रलिजेशन, Managing-Committee आदि अनियमित ही हैं। इससे वहाँ की अशाँति ज्यों की त्यों है। इस विषय पर सभा ने काफी तर्क-वितर्क किया और अन्त में सर्व-सम्मति से यह प्रस्ताव मंजूर किया कि C.C. से अर्जी की जाय कि C.C. और गोविन्दपुर सिनोड मिल कर मर्चा में मर्चा इलाके के सब भाई-बहनों की एक आम सभा बुलावें और वहाँ शाँति स्थापित की जाय।

6 – Jubilee High School Govindpur :— Rev. S. Surin ने रिपोर्ट दिया कि Jubilee High School में Sri J. Kispotta (Asst. Teacher) और Sri P.D. Bara (Hd. master) की नियुक्ति C.C. से हो गई है। सिनोड सभा उनकी नियुक्ति को सर्व-सम्मति से स्वीकार (approve) करती है।

7. Emergency Medical Fund :- Rev. S. Surin, President ने सभा को जनाया कि Emergency Medical Fund खोलने के संबन्ध में C.C.

P. T. O.

सिनोड्स से राय चाहती है। सभा ने इस विषय पर तर्क-वितर्क कर सर्व-सम्मति से यह प्रस्ताव मंजूर किया कि Emergency Medical Fund खोला जाए और C.C. इसको खोलने का प्रबन्ध करे।

8. नियमावली सुधार:- (नियमावली ७, दफा २ के नोट में संशोधन) — C.C. की चिट्ठी नं० 730-836/15-2-56 सभा में पढ़ी गई और तर्क-वितर्क के बाद सर्व-सम्मति से यह प्रस्ताव स्वीकृत हुआ कि कथित नियमावली का संशोधन किया जाय।

10. पादरियों की आवश्यकता:- सिनोड सभा ने यह महसूस किया कि गोविन्दपुर सिनोड में दो पादरियों की तत्काल आवश्यकता है। तर्क-वितर्क के पश्चात् सभा ने सर्व-सम्मति से यह प्रस्ताव स्वीकार किया कि C.C. से अर्जी की जाय कि वह गोविन्दपुर सिनोड के लिए दो पादरियों को भेजे और यदि पादरियों की कमी है और कंडिडेट भी नहीं हैं तो योग्य प्रचारकों को पदाभिषिक्त करके भेजने का प्रबन्ध करे।"

S. Surin 29/11/56.
PRESIDENT,
Govindpur Synod.

[signature] 29/11/56
SECRETARY,
Govindpur Synod.

ofe 2-V

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

Ref: NO. 2702 /56. G.E.L.Church Ranchi, the 12th Dec:56.

From Secretary-Mr.N.E.Horo, B.A.,

The undermentioned document is forwarded to Rev.S.Surin, Synod President and Secretary M.C.Jubilee H.S. Govindpur for information and needful.

N.E.Horo 12/12

Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

Extract from the minutes of the meeting of the C.C.Executive Officers held on the 9th November, 1956.

x x x x x

14. Govindpur Synod: (a)Rev.Nathaniel Mundu ka darkhast-

"Sankalp-Ki Govindpur Synod ko salah di jay ki Rev.Nathaniel Mundu ko 3 mahine ki jo chhutti mili hai us period men unko kam se kam adha betan de chunki unhon ne Synod ki sewakai bishwastta ke sath ki hai."

(b)Marcha matters.-

"Sankalp- Ki yah darkhast Govindpur Synod ko wapas kar yah adesh diya jay ki Rev.Samuel Hemrom ko bakaede notice de kar unse rupaiya wasulne ka prabandh kare."

(c)Jubilee H.S.Govindpur-appointment of Hdmaster.

"Resolved that the appointment of Mr.P.D.Bara as Head Master of the Jubilee High School, Govindpur be approved."

x x x x x

CC Exec Marcha Matters (4) (5) K

728

2-V

ब-जरिए मरचा इलाका चेयरमैन तथा गोविन्दपुर सिनोद प्रेसिडेन्ट के
श्रीमान छोटानागपुर और आसामस्थ गोस्सनर कलीशा प्रेसिडेन्ट, सेक्रेटरी
और चार्च कौंसिल के अन्य सदस्यगणों के निकट दीन विनय।

महाशयगण,

आप लोगों को अच्छी तरह मालूम है कि मरचा इलाका गड़-बड़ को शांत करने को Peace commission ता० १७ वीं जनवरी १९५५ ई. को मरचा में उपस्थित होने का कष्ट उठाये और अति कठिन परिश्रम कर चार्च कौंसिल के फैसलानुसार अदली-बदली का समाचार देते हुए सभा में अपना मनोरथ कायम किये। जिस में Peace commission यह भी आदेश कर गये हैं; कि गड़-बड़ का मुख्य कारण अर्थात रुपैये-पैसे का ठीक-ठीक हिसाब Peace commission conviner Rev. H. Topno और Mr. B. Dangwar को जनाइयेगा। तब हम लोग गड़-बड़ को साफ करने का उचित न्याय कर जबाब देही होंगे।

महाशयगण, मरचा स्कूल के रुपैये-पैसे का ठीक-ठीक हिसाब हमों को जल्दी नहीं मिल सका; क्योंकि मुकद्दमा के चलते Case Book कचहरी में जप्त है और चन्द दिन गुजर गया Mr. S. Hemrom मिड्ल स्कूल का वह रकम जो सरकार (डिप्युटी इन्सपेक्टर के ओफिस) से निकाले; पर उसका जामती हिसाब औ रुपैया न स्कूल हेड मास्टर को न मेनेजिंग कमिटि को बताये। अब हमों को पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश के फैसला से साफ मालूम हो गया है। अब हम लोग रुपैये-पैसे का ठीक हिसाब देते हुए रुपैया पाने का आशापूर्ण हैं; कि चार्च कौंसिल या Peace commission मरचा मिड्ल स्कूल को वह रुपैया Mr. S. Hemrom से ले कर या स्वंय ही देंगी या कोई तरह से मिलने का प्रबन्ध करेंगी। चार्च कौंसिल को अधिकार है Mr. S. Hemrom को मरचा ही में या कहीं रखें। हमों को रुपैया पाने का दावी है; क्योंकि इसके बगैर स्कूल सहित शिक्षकगण दुष्कालों का शिकार बन तड़प रहे हैं।

रुपैया-पैसा का हिसाब निम्न लिखित है:—

(क) सरकार की ओर से स्कूल को:—

Contingency; Building grant
Teachers Provident Fund
Loss of fee income } ६३४६ रु० १४ आने

(ख) फिर स्कूल का वह रकम जिसका साबूती और फैसला चार्च कौंसिल Commission स्वंय किई है:—

Teachers Provident Fund; Repairs;
Furnitur; Contingency; Library
Industry आदि } 3310 रु० ११ आने ६ पाई

कुल मिजान .... ९६५७ रु० ९ आने ६ पाई

निवेदक:— आम जनताओं की ओर से—

प्रभुदयाल तोपनो
ता० 3-६-५६

Forwarded to the Synod President Govindpur
C.K. Gurria Chairman
Marcha Ilaka
16-6-56

Harun Topono Paje

सही दुलियस तोपनो मरवा

नेहेमियाह तोपनो करां

सही – बेन्यामीन तोपनो करां –

J. Topno satal

Prem Chand Topno. Pakna.

Marshalan Topono Pakna

Manohar Topno

Joseph Topno Karra

Petras Topno Raekera

सही मसीसद्द कोनगड़ी

सही एतम कोनगाड़ी उड़िकेल

सही – जुसान कोनगड़ी उड़िकेल

सही – नौरिनतियस कोनगाड़ी उड़ीकेल

सही – नेहेमियां कोनगाड़ी उड़ीकेल

सही – पौलुस कोन गड़ी उड़ीकेल

J. B. Topno Oisui

M. Topno Marcha

Yusaph Topono

इग्नासियुस तोपनो

Samuel Topono Kherkhai maudhi

Hallan. Topno. Pakna.

Mahanand Topno pakna

[illegible]

सामुएल तोपनो बनुम टोली

The Petition against ~~Rev.~~ Mr. S. Hemrom Case as it is in the hand
hand of the church Council prior to my Coming to this
synod, (Govinpur synod). Several times the C.C. tried to
decide this Case, but it is still as it was. Hence I
forward this petition to the C.C. for Consideration, and further
action,

S. Surin
Synod President, 12/7/56.

2 — V (5) 9

महा मान्यवर छोटानागपुर और आसामस्त कलिसियाओं के चर्च कौंसिल
को यीशुसहाय।

महाशय,

मैं दीनता पूर्वक आपना आर्जी पत्र आप के सामने पेश कर आशा रखता हूं, कि आप मेरी कठिन समस्याओं को हल करने की कोशिश कृपाया करेंगे जैसे पहिले से करते आये हैं। कि आप की मेहरबानी से मुझ को तीन महीने को आराम्भ करने को इलाज करने की छुट्टी मिली और गोविन्दपुर इलाके ने भी अपनी मेहरबानी से वेतन साथ मेरी छुट्टी मंजूर की। कि जिसके सहारे और आप की सहायता के सहारे मैंने अपने बिमारी का इलाज कर सका जिस में १०५) रु. खर्च हुए, जिससे दुःख तो घट गया पर चंगा नहीं हुआ हूं इस लिये और थोड़े दिन इलाज की आवश्यकता है।

गोविन्दपुर इलाके ने और तीन महीने की छुट्टी इलाज के लिये दिई है बिना वेतन का, क्योंकि उसको बिना काम का छः महीनेका वेतन देना भी पालना कठिन जान पड़ता है और मुझ को भी बिना काम वेतन लेना कठिन जान पड़ता है। इसलिये मेरी दीन आर्जी है कृपाया अपनी मंडली में काम कर की आशा को इजाजत देंगे जिससे काम करते २ इलाज भी कर सकूं, क्योंकि बिना पैसे से इलाज करना कठिन है और बिना काम पैसे पाना भी कठिन है इसलिये मंडली का कोई काम मुझे देने की कृपा करेंगे। मैं बिना इलाज के छः वर्ष गोविन्दपुर बड़ी मंडली की सेवा की प्रभु की दया से और प्रभु की दया से इलाज करते २ जुरदाग छोटी मंडली को थोड़े दिन अवश्य कर सकूंगा। क्योंकि यहां चार महीने काम करते मंडली को उन्नत के रास्ते में ला रहा हूं आभी इस समय मंडली में काम है सो जबलों दूसरे पादरी को न भेजें यहां काम करने की आशा देंगे। अगर नहीं देते हैं तो मुझ को पेंशन देके छुट्टी देने की कृपा करेंगे और घर पहुंचने की बदली खर्च अगोतर ५०) रु. देने की भी कृपा करेंगे।

आप के उपकार कार्यों के लिये मैं आपका धन्यवादी बना रहूंगा।

आप का विश्वस्त सेवक

पादरी N. Munda
Jurdag

25-10-56

CC Exec Rev. N. Munda
~~Govindpur~~ Kadma Reymod
1-9-56

महा मान्यवर चर्च प्रेसिडेन्ट और एकटिंग सेक्रटरी को
यीशुसहाय,

महाशय आप को मालूम होवे कि मैं ता० २३ जुलाई से ता० ३१ अगस्त तक कदमा में हूं, और इन दिनों में पाल डाक्टर की सलाह अनुसार खूंटी अस्पताल के अनुमति से हमारे मिशन के वहिन लीला एकडनरि से १६ सूई लिया और साथही साथ दवा जो रोज २ खाते और पीते गये अब दवा नहीं खवाय हो गये। अब बिमार तो छूट की दब गया खोरखी नहीं है हां साधारण है स्वांस यथेष्ठ से लेता हूं हंफा हफी अभी नहीं है, खाना को आहार अधिक होते जाता है परखाना खुलासा हो गया है। अब अर्ज है कि मैं जुरबाग हो मैं अपनी आराम की छुट्टी बिताऊं और कुछ दिन तक खाने पीने की दवा का व्यवहार करूं क्योंकि यहां खर्च ज्यादा है कृपया मंजूर करेंगे। हां इन दिनों मेरा तंग हालत तो है अपने और अपने परिवार को सम्भालने में हूं पर आपके और प्रभु के सहारे साहस करता हूं कि आप गिरने न देंगे। और जैसे किए हैं सो मैं आपलोगों अवश्य सहायता करें जैसे किए हैं सो मैं आपलोगों को हार्दिक धन्यवाद देता हूं फिर उन महाशय को जिन्होंने मेरी सहायता निमित्त चन्दा मुझे खोला (अर्थात Rev Barnitta और C. C. खलखो) को भी हार्दिक धन्यवाद देता हूं। P. O.

जिन्होंने आप को मेरी सहायता के लिये ३०) रु
देने की वाचा दिई है।-

मोटा मोटी खर्च का Bill

एक्सरे के लिये १८) रु. जो C.C. से मिला-
लोहू जांच " १०) रु अपनी ओर से दिया-
दवा के लिये २५) रु. C.C. से मिला-
और - - - ६) रु आपकी ओर से दिया-
फिर सूई देने का वगैरह १४) रु - - -

जमा ७३) रुपैया-

आप के उपकार निमित्त मेरा धन्यवाद
ग्रहण करेंगे।-

आप का विश्वास्त सेवक

Rev N. Munda Pastor
Jurdeg
1-9-56

To
The acting Secretary
Rev J. J. P. Tiga
G. E. L. Church
Ranchi

Rev. 15/6/56

President & Treasurer

Rev. N. Munda has been granted 3 months' leave with full pay. He applies for medical aid. Last time we have given him aid by paying his medical examination fees. In my opinion [illegible] solicited up we put this application for any consideration in ensuing Executive meeting. Rev. 23/6/56

2 – D

Yes, please put up before the Ex. Cee. [illegible] 23/6

महा मान्यवर [illegible] ई. सर्ल चर्च कौंसिल [illegible]

निवेदन,

बजरिये गोविन्दपुर सिनोड सभा का प्रेसिडेन्ट।

महाशय,

मैं आप के आदेश पर और डाक्टर के सलहा मोताबिक गोविन्दपुर सिनोड से तीन महीने को आराम को इलाज को छुट्टी वेतन साथ बन्दोबस्त की है। पर आप को मालूम है कि मैं एक गरीब पादरी हूं मेरेपास आपने इलाज को दवा आदि खरीद ने के लिये मेरे पास कुछ भी पैसा नहीं है। इस लिये मैं आप से दीनता पूर्वक अर्जी करता हूं कृपाया आप अपनी अस्पताल की सहायता से मेरी सहायता करेंगे. जैसे दूसरों को सहायता आप करते हैं वैसे ही मेरी सहायता कृपाया करेंगे।

आप के इन उपकारों पर मैं आपका धन्यवाद दे [illegible] रहूंगा।-

आप का विश्वासी सेवक,

ता. २५-६-५६

N. Mundu Pastor
Jurdag

Rev. N. Mundu has been granted three months leave i.e from July – Sept, with full pay. His application for medical help is recommended and forwarded to the Secretary. C. L. C.

E. Surin
President Synod
15/6/56.

N.E.HORO
Secretary.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CH.
COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH
RANCHI BIHAR.

No.2070/56. The 16th June, 1956.

2V

To

The Chairman,
Eidnaes High School Takarma.
P.O. Lassia,
Dist. Ranchi.

Subject:- Transfer of Stiphen Dang.

Dear Sir,

Please refer to the Managing Committee minutes Item 4 dated 10-3-56, on the above subject. The M.C. has requested the C.C. to transfer Shri Dang to any other H.E. School of the G.E.L. Church accordingly a proposal was made to transfer him to the Rajgangpur Proposed Lutheran H.E. School but Mr. Dang verbally represented his case to the Church Council officers and wants to remain at Takarma. Since then his case has been considered by the Head Supervisor and it is therefore proposed that he be transferred to Churdag Proposed M.E. School in place of the Head Mistress who has resigned for personal reasons.

I would like to know your opinion on this matter and the reactions of Mr. Dang. Please let me have a report from you at an early date so that the matter can be settled up as soon.

Yours faithfully,

Sd/- N.E. Horo
16/6/56.
Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

2071–75/56

(i) Copy to Secretary Managing Committee.
He will please let me know the reaction of the teacher after ascertaining from him.
(ii) Secretary Managing Committe Proposed M.E. School Churdag/ Chairman Churdag Parish / Chairman Marcha Ilaka and President Govindpur Synod for their opinion whether they agree to the proposal or transferring Mr. Dang Matric C.T. from Takarma H.E. School to Churdag Proposed M.E. School as its Head Master. This teacher is an experienced hand whose present salary is Rs.54/P.M. This matter may be treated as extremely urgent.

Rev. S. Surin,
Synod President.

No. 5/6/56
2-V

G. E. L. CHURCH. GOVINDPUR
P. O. JARIAGARH
DIST. RANCHI

To, The Secretary, G. E. L. Church.

Ref. to your Memo 1743/56 dt. 30.5.56. regarding Medical Leave to Rev. N. Munda. for three months. that I shall place this letter to the Ilaka. Sabha and hope the Ilaka sabha. will grant him. But before that I want to be diffinitely clear for myself of the following points—

1 That there is a shortage of Pastors in govindpur. Ilaka. and hence if we grant leave to Rev. Munda, will the C.C. send any pastor to Jurdag for three months? If it is possible kindly inform me. i.e.

We can not send in this
time any pastor to
Judag and the worker will
suffer unless the C.C.
does help us.

2. In granting him
leave for three months
what basis shall we
grant him, what is
the principle of the
C.C.? Shall we grant
him leave with pay
or half pay or
without pay. Kindly
enlighten me
Yours faithfully
[illegible]

पोस्ट कार्ड

साथ का कार्ड जवाब के लिए

केवल पता

नाम The Secretary,

पता G.E.L. Church.

Church Council,

डाकखाना Ranchi.

ज़िला

2-V

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

NO. 883-86/56.

Ranchi (Bihar) India.
The 3rd March, 1956.

From Secretary Mr. N. E. Horo, B. A.,

The undermentioned document is forwarded to (1) The Synod President, Govindpur Synod, (2) The Illaka Chairman, Marcha Illaka, (3) Secretary, Managing Committee of Marcha Lutheran Prop: High School and (4) The Head Master, Marcha Lutheran Propo: High School, for information and necessary action.

D. Toppo.
for Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

B.L. 3/3/56.

Extract from the minutes of the meeting of full C.C. meeting held from 24-29th February, 1956.

x x x x x

8. Govindpur Synod:- Report men Marcha Illaka ki giri dasha ka jikir kiya gaya. Rev. Samuel Hemrom ab tak High school men kam kar rahe hain aur ashanti banaye rakhe hain.

SANKALP:- Marcha prastawit High School Managing Committee ka sangathan naye niyam ke anusar is prakar ho-

I. Govindpur Synod do garjianon ke pratinidhiyon ka chunaw karen.

II. High School ek apna pratinidhi den.

III. D.P.I. dwara manonit hone ke liye Synod tin byaktiyon ka nam de jis men adibasi, Harijan aur Hindu kaum ke log samilit hon.

IV. Padri Santosh Surin Ukt Managing Committee ke Secretary ho.

V. Ukt Committee men do donors aur do subscribers ki jagah do Council pratinidhi arthat G.E.L. Church President pad ke hetu Chairman aur Sri N.E. Horo sadasya honge aur Padri Santosh Surin ewang Christ Kalyan Guria Council se manonit sadasya honge.

SANKALP:- Marcha Middle School Managing Committee ka sangathan jis tarah sthaniya logon ke sahayta se Head Supervisor ne banaya hai wah swikrit hota hai.

2-V

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

NO. 876-79/56.

Ranchi(Bihar)India.
The 3rd March,1956.

From Secretary Mr.N.E.Horo,B.A.,

The undermentioned document is forwarded to
(1) Synod President,Govindpur Synod,
(2) Rev.Christ Kalyan Guria,Illaka Chairman,Marcha Illaka,
(3) Rev.Samuel Hemrom.
(4) Secretary & Manager,Board of Properties,G.E.L.Church Properties.
for information and necessary action.

D.Toppo.
for Secretary,
G.E.L.Church,Ranchi.

B.L.3/3/56.

Extract from the minutes of the meeting of the full C.C.meeting held from 24-29th February,1956.

x x x x x x

8.Govindpur Synod- Report men Marcha Illaka ki giri dasha ka jikir kiya gaya. Rev.Samuel Hemrom ab tak High School men kam kar rahe hain. aur ashanti banaye rakhe hain.

SANKALP:-Marcha sthit Kalisha ke jaydad se Padri Samuel Hemrom aur anya bhaiyon ko hataya jay aur Board bhaiyon ki sahayta se khas kheti kare.

x x x x x x

Office Copy

N. E. HORO
SECRETARY.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH
COUNCIL OF THE G. E L. CHURCH
RANCHI, BIHAR.

2-V

NO. 1742/56

The 30th May, 1956.

Rev. Nathaniel Mundu,
G.E.L. Church Jurdag.
P.O.- Karra.

Manyawar Padri Babu ,

Dr.S.N.Pal dwara 22/5/56 ko ap ke chest ka XRay huwa aur janch ke dwara yah pata laga hai ki dahine phephre ke upri aur madhya hisse men infiltration ho gaya hai. ~~Maxex~~ Doctor ki salah ap ko di gayi hai ki tin mahinon tak kam se kam ap aram karen aur khun ewang peshab ki janch kara len aur uske mutabik apna ilaj karawen. Is liye ap se niwedan hai ki turant hi tin mahinon ki chhutti ka ~~ikx~~ intijam Synod ke marphat karawen. Khun aur peshab ki janch kara kar ilaj karawen.

Is sambandh ap ko suchit kiya jata hai ki ainde peshab aur khun ki janch ewang chikista ke liye kharch Church Council se nahin milega atah iska ap hi khud prabandh karen. Dr.Pal ke report ki pratilipi sanlagit hai.

Kripaya ap turant report den ki chhutti ka aur chikista ka intijam ap kar rahe hain athwa nahin.

Encl:-1.

Ap ka bishwast,
sd/- N.E.Horo.

Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

Bh. Lakra.

Memo No. 1743 /56, dt. 30.5.56.

Copy to Rev.S.Surin, Synod President, Govindpur Synod. He is requested to recommend Rev.N.Mundu to the C.C. for 3 months Medical leave and send up his proposals for filling in the leave vacancy in Jurdag Parish, Rev.Mundu underwent medical examination in obedience to C.C. resolution No.56/50 communicate to him under this office Memo No.1401-2/56 dt.24.4.56.

[signature] 31/5/56
Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

1744/56
cc to President G.E.L.Church, Ranchi for information.

S. N. PAL, M. B.

HONY. RADIOLOGIST

RAMKRISHNA MISSION TUBERCULOSIS SANATORIUM

Phone 267

RANCHI X-RAY CLINIC

CLUB ROAD, RANCHI.

NAME Rev. Nathaniel Munda.

REFERRED BY DR

DATE 22/5/56 PART EXAMINED Chest POSITION Post Ant.

Right lung shows predominantly productive type of infiltration in the upper and midzone. Both the hilum shows heavy.

Other abnormality nil.

[signature]

(TRUE COPY.)

S.N.PAL M.B.
HON.RADIOLOGIST,
RANCHI X-RAY CLINIC.
CLUB ROAD,RANCHI.

Name Rev.Nathaniel Mundu.

Referred by Dr.

Date 22/5/56 Part Examined Chest position Post Ant.

Right lung show predominantly productive type of infiltration the upper and midzone. Both the ~~xx~~ hilum show heavy.

Other abnormally nil.

sd/-S.N.Pal.

L Evans 30/5/56

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

NO. 15-10-13/56 o/c

Ranchi (Bihar)India.
The 1st May,1956. 2-V

From Secretary,Mr.N.E.Horo,B.A.,

The undermentioned document is forwarded to (1)Mr.P.D. Kandulna,Secretary and Manager,Board of Management,G.E.L.Church Properties (2)Rev.S.Surin,Synod President,Govindpur Synod,Govindpur ~~(3)Rev.Samuel Hemrom,Marcha and~~ (3)Rev.C.K.Guria,Chairman,Marcha Illaka,for information and needful.

Bh.Lakra.

Secretary,
G.E.L.Church,Ranchi.

Extract from the minutes of the meeting of the full C.C.held on 25th February,1956.

x x x x x x

56/25.SANKALP-Marcha sthit Kalisha ke jaydad se Padri Samuel Hemrom aur anya bhaiyon ko hataya jay aur Board bhaiyon ki sahayta se khas kheti kare.

x x x x x x

Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam.

Ranchi (Bihar) India.
The 24th April, 1956.

NO. 1401-2/56

From Secretary Mr. N. E. Horo, B.A.,

The undermentioned document is forwarded to (1) Synod President, Govindpur Synod, Govindpur and (2) Rev. Nathaniel Mundu Jurdag for information and needful.

N.E. Horo 25/4

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Bh. Lakra.

Extract from the resolution of the meeting of the full C.C. held on 27th February, 1956.

x x x x x

V. Padri Nathaniel Mundu ka bishay. - Govindpur Synod President ne yah likhit report diya hai ki janta men yah shikayat chal rahi hai ki Padri Nathaniel Mundu ko hriday ki bimari hai is

SANKALP- 56/50. liye yah ~~xxxkipx~~ sankalp hota hai ki Padri Nathaniel Mundu (Jurdag) ka medical examination ho jay jiska kharch Church Council bahan karegi par yatra kharch nahin degi.

x x x x x

पोस्ट कार्ड

जवाबी

केवल पता

नाम To The Secretary

पता G.E.L. Church

Ranchi

डाकखाना

ज़िला Bihar India

12-V

परम मान्यवर जी. इ. एल. चर्च सेक्रेटरी को

यीशु सहाय।

महाशय, मैंने आप का भेजा हुआ पत्र जिस में कौंसिल का जो फैसला मेरे बिमारी के विषय में है सो मैं पाया। पर काम की भीड़ के कारण जा नहीं सकता हूं क्योंकि — १० या १२ दिन वृन्दावन लड़के लड़कियों सिखानेवालों और पोलिस कोष में उनको दृष्टान्त देना है। इस के बाद जाने को कोशिश करूंगा कृपाया तारिख जनायेंगे।। आप का सेवक N. Nandu Sastri

Jurdaq

१२-५-५६

Rcv. 27/2/56

2-V

From, The Rev. S. Surin, Camp Ranchi
Synod President The. 27th Feb. 1956.

To,

The Secretary
Church Council,
Ranchi.

Sir,

This is to inform you that there is a public ~~rumour~~ Complain that the Rev Nathaniel Munda has been caught by serious desease. I therefore request you ~~to~~ Kindly to see to it.

Yours faithfully
S Surin
Synod President

RANCHI
DELY
27 JAN 56

पोस्ट कार्ड

केवल पता

To The Secretary

नाम

G.E.L. Church

पता

Ranchi

डाकखाना

ज़िला

Behar

6/56

Wr. 27/1

The Secretary
G. E. L. Church
Ranchi.
Khuntoli
24-1-56.

Notice sent

Dear Sir,

Would you kindly inform me a bit earlier the date of full C.C. meeting, and expense of Pastors' Conference.

Sent Programme on 28/1/56.
D.T.

Yours faithfully
M. Saup
Synod Prdt.
Khuntoli.

2-V Govindpur
25/3

My dear N.E. Hon. Secty.

As you know we are in great need of Cement, and without it our work is not progressing.

I request you kindly send it through Bihar National Service or send Mr Bage to bring them.

Yours sincerely
S. Singh

Mr. L. Bage
This is the third letter of Rev. S. Singh. Can it be possible for you to send them cement today? (5 bags?)
[illegible]

Secty. [illegible]
24/3/56

गोबिन्दपुर सिनोद की चिट्ठी

(गोविन्दपुर सिनोद की मंडलियों के नाम)

१ ली सेतेम्बर १९५७। नं० ५

✻ प्रेसिडेन्ट का संवाद ✻

" तुम जगत का उजाला हो।" मत्ती ५:१४

१ मसीही जीवन चमकने वाला है। फिलिपी २:१६, ईश्वर ने सारी सृष्टी को पवित्र बनाया ! मनुष्य को अपने स्वारूप में पवित्र और अपर बनाया, यह अवस्था मनुष्य और सृष्टि के लिये पवित्र अवस्था थी। मनुष्य जब पाप में गिर गया तब वह अपनी पवित्रता और अमरता को खोदिया अर्थात ईश्वर रहित बचन रहित आशा रहित हो गया और वह अमर से मरन हार हो गया। यह उसकी भ्राष्ट अवस्था है। मनुष्य को इस अवस्था में रहने देना ईश्वर को अच्छा नहीं लगा, इसलिये अपना एकलौटा पुत्र हमारे प्रभु यीशु खृष्ट को इस संसार में भेजा। जब प्रभु आया तब उसने जगत को अन्धकार से भरा हुआ पाया, इसलिये अपने को जगत का प्रकाश कहा। ईश्वर ने अपनी अपार दया से हम मेसे बहुतों को पाप रूपी अन्धकार से निकाल कर ज्योति में पहुंचा दिया है। हम पहले अन्धकार में रहने हारे थे अब ज्योति के पुत्र बन गए हैं। प्रभु यीशु ने कहा मैं जगत की ज्योति हूं जो मेरे पीछे हो लेगा वह अन्धकार में न चलेगा पर जीवन की ज्योति पावेगा। यूहन्ना बपतिस्मा देने हारे के विषय में कहा गया कि वह चमकने हारी ज्योति था। इसलिये मसीही को चमकना और चमकाना कर्तव्य ठहरता है।

२ मसीही जन के लिये चमकना और अन्धकार को दूर करना उसका कर्तव्य ठहराया गया है। संसार में जितने जीव जनवार, पेड़ पौधे हैं ज्योति के बिना न जी सकते और न बढ़ती हो सकती है। इसलिये ज्योति का होना बहुत ही जरुरी है। सृष्टि की बढ़ती के लिये ईश्वर ने ज्योति देने के लिये सूरज, चांद, और तारों को बनया कि ये संसार को ज्योति देवें। प्रभु यीशु हर एक मसीही से से कहता है तुम जगत का उजाला हो और तुम्हारा उजाला मनुष्यों के सामने चमके; संसार पाप के अन्धकार में है। मार्ग कठिन और विकट है। पग पग में ठोकरें खिलाने हारी चट्टानें छिपी हुई है। सहस्त्रों पुरुष और स्त्रियों ने इस मार्ग पर चलते हुए अपना प्राण खोदिया है। बिना प्रकाश प्राप्त किये और लोग भी इसी पाप मार्ग पर चलते हुए नाश हो जाएंगे। परमेश्वर ने मसीही लोगों को प्रकाश बनाया है कि लोग हम से उजाला पाकर अन्धकार से निकलें और ज्योति के सन्तान बन जाएं कि उन का प्राण नष्ट होने से बचाया जाय।

३ मसीही जीवन दिखाई देनेवाला जीवन है। "जो नगर पहाड़ पर बसा है वह छिप नहीं सकता" मत्ती ५:१५ फिर लोग दिया बार के पैमाने के नीचे नहीं पर दीवट पर रखते हैं और वह घर के सब लोगों को उजाला देता है। वैसाही तुम्हारा उजाला मनुष्यों के सामने चमके कि वे तुम्हारे भले कामों को देख कर तुम्हारे स्वर्गीय पिता की बड़ाई करें। मसीही जीवन की तुलना उस नगर से की गई है जो पहाड़ पर बसा है, जो छिप नहीं सकता। पहाड़ पर बसे हुए नगर को हम जिस ओर से भों देखें यह दूर से दिखाई देता है। मसीही जन न केवल एक दीपक बनाया गया है कि उसके द्वारा उसके घर के लोगों को प्रकाश मिले अथवा उसके नगर के किसी मार्ग पर वह अपना हल्का धीमा प्रकाश चमकाए बल्कि उसको ऐसा प्रकाश बनाया है जो दूर से दिखाई दे। मसीही प्रभु यीशु का ज्योति घर है जो दूर से दिखाई देता है।

१ पतरस २:९;—तुम चुना हुआ बंश और राज्य पदधारी याजकों का समाज और पवित्र लोग और परमेश्वर की निज पुजा हो इसलिये कि जिसने तुम्हें अंधकार में से अपनी अदभुत ज्योति में बुलाया है उसके गुण प्रगट करो। आमीन।

पाद्री हबिल तोपनो,
प्रेसिडेंट

प्रचारकपन — (लगातार)

हम देख लिये कि प्रचारकपन बिश्वासियों का समूह हो कर ईश्वरोपासना के लिये, बिश्रामवार को छोड़, दूसरे दिन भी आत्मिक उन्नति का समय बना सकता है। बिश्वास तथा आत्मिक दानों की बृद्धि के लिये प्रतिदिन की व्यक्ति गत उपासना के अलावे समूहिक अराधना का रचा जना कितना गौरव की बात है।

अब प्रश्न आता है कौन इन अराधना अर्थात बच्चों, युवकों और बयस्थ जनों के समाज की अगुवाई करेगा ? क्योंकि, खृस्तान मंडलियों में ऐसी संस्था न रहना खृष्टीय जीवन का होना, नहीं के बराबर है।

इन समाजों की अगुवाई करना प्रचारक का काम है। पर हमारे प्रचारकपनों में कहीं कहीं ७, ८ टोले हैं जहां सब जगहों पर उपस्ति होना, और प्रत्येक टोले के सुबिधा अनुसार अराधना का समय बनाना एक सोचनीय समस्य बन जाता है।

पर शास्त्र बिश्वासियों को पृथ्वी का "नमक", और "जगत" का प्रकाश कहता है। मसीह— "तुम" शब्द से और दृढ़ता से कहता है कि "तुम"- "नमक", "प्रकाश"- हो। नमक और प्रकाश बनने के लिये हम कहां जांय। शिक्षित व्यक्तियों को अपनी अपनी मंडली में अर्थात प्रचारकपन में, टोलें में; बड़े भाई को अपने छोटे भाई बहनों के बीच; और माता तथा बहनों को पड़ोस के माताओं और बहनों के बीच बनना पड़ेगा।

इस प्रकार कितने भी टोलियां हो अगर शिक्षित युवक और युवतियां इस ओर ध्यान दें और प्रचारक की सहायता से प्रार्थना समाजों को बनावे और समय निकाल कर समाज चलावें तो शास्त्र का बचन पूरा हो जाता है पर ऐसे काम के लिये स्वार्थ त्याग और बलिदान की जरूरत होती है। इस प्रकार के अगुवे अपने को तैयार करने के लिये शास्त्र अध्यायन करेंगे और दिलचस्पी हो जायेंगे; प्रचारक जो ऐसे युवक और युवतियों का अगुवा होना और भी आनन्द प्राप्त करेगा।

हमारे कलिसियों के प्रचारकपन, यदि इस धारा में चलें तो मंडली स्वशासित हो जायगी और ईश्वर का अनुग्रह हम पर अधिक होता रहेगा।

हम आशा रखें कि वह दिन आ जाय,———।

अबराहम होरो

सिनोद की बातें

गोविन्दपुर सिनोद सभा की पूर्ण बैठकी (२२-८-५७) के मंतव्य से :—

"४, सिनोद प्रेसिडेन्ट का चुनाव— [चर्च कौंसिल कार्य-कारिणी ताः १४-१६ मई १६५७ का मंतव्य]………सर्व-सम्मति से पाद्री हाबिल तोपनो आगामी चार वर्षों के लिए गोविन्दपुर सिनोद के प्रेसिडेन्ट चुने गए।

७, सिनोद स्कूल सुपरवाइर— [हेड सुपरवाइजर, लूथेरान स्कूल, रांची का पत्र नं० १८१— ८८ ५७ ताः २-७-५७]………अधिकाँश बोट के द्वारा प्राद्री हाबिल तोपनो गोविन्दपुर सिनोद के स्कूल सुपरवाइजर चुने गए।

८, कमिटियों का निर्माण— (क) आर्थिक जीवन विकास योजना कमिटी :— [चर्च कौंसिल सेक्रेटेरी का पत्र नं० १७३०—४६/५७—७७—६६ ताः १-७-५७] सर्व-सम्मति से निम्न-लिखित सदस्यों की एक कमिटी बनाई गई :—

(१) पाद्री हाबिल तोपनो, सिनोद प्रेसिडेन्ट (पद के हेतु सभापति), (२) श्री बेन्यामीन तिड़ू, जुरदाग पेरिश, (३) श्री प्रेमचन्द होरो, गोविन्दपुर पेरिश, (४) श्री पौल अल्फ्रेद आइन्द कोटबो पेरिश, (५) श्री इम्मानुएल तोपनो, मरचा पेरिश, (६) श्री मनसिद्ध तोपनो, जुरदाग पेरिश, (७) श्री सुलेमान

बर्डिंग, मरचा हाई स्कूल (८) श्री प्रभुदान बड़ा, गोविन्दपुर हाई स्कूल, (९) श्री खिस्तोरासमुरिन, गोविन्दपुर मिडल स्कूल, (१०) श्री सोसन तोपनो, मरचा मिडल स्कूल, (११) पाद्री प्रभुदयाल सोरेंग, प्रचारक ट्रेनिंग स्कूल (सेक्रेटेरी) और (१२) मिस्स एच० स्मिथ, तबीता ट्रेनिंग स्कूल।

(ख) सिनोद कार्य-कारिणी सभा – सर्व-सम्मति से निम्न लिखित सदस्यों की सिनोद कार्य-कारिणी सभा बनाई गई :—

(१) पाद्री हाबिल तोपनो, प्रेसिडेन्ट, (२) श्री खिस्त बिलकन होरो, सेक्रेटेरी, (३) श्री खिस्तोरास सुरिन, खजाँची, (४) पाद्री खिस्त कल्याण गुड़िया, (५) पाद्री योहन मुन्डू (६) पाद्री प्रभुदयाल सोरेंग (७) श्री अब्रहाम होरो और (८) श्री सोसन तोपनो।

(ग) एडुकेशन बोर्ड – सर्व सम्मति से निम्नलिखित सदस्यों का एक सिनोद एडुकेशन बोर्ड बनाया गया :—
(१) पाद्री हाबिल तोपनो, सिनोद प्रेसिडेन्ट [पद के हेतू सभापति] (२) श्री प्रभुदाय बड़ा, प्रधानाध्यापक, गोविन्दपुर हाई स्कूल (३) श्री खिस्तोरास सुरिन, प्रधानाध्यापक, गोविन्दपुर मिडल स्कूल, (४) श्री सोसन तोपनो, प्रधानाध्यापक, मरचा मिडल स्कूल (५) श्री अब्रहाम होरो, गोविन्दपुर (६) श्री जुएल कन्डुलना, यू० पी स्कूल, खटंगा (७) पाद्री प्रभुदयाल सोरेंग, गोविन्दपुर (८) श्री खिस्त रेजन बरला, यू० पी० स्कूल कोटबो, (९) पाद्री योहन मुन्डु, कोटवो (१०) श्री इम्मानुएल तोपनो, मरचा और (११) पाद्री जेठे सुलेमान सोय, चुरदाग।

११ अन्य बातें—सर्व सम्मति से निम्नलिखित प्रस्ताव स्वीकृत हुए :—.....................(ङ) पाद्री प्रचारकों को डायरी और उपदेश नोट बही रखनी चाहिए। (च) हर प्रचारकपन में प्रचारकपन की आमदनी बही रहनी चाहिए, जिसमें हर एतवार की आमदनी लिखी जाय।"

खिस्त बिलकन होरो,
सेक्रेटेरी,
गोविन्दपुर सिनोद।

गोविन्दपुर इलाका—आमद खर्च (जून १९५७)

क्रम सं०	बिबरण	आमदनी				खर्च				
		गोविन्दपुर पेरिश	कोटबो पेरिश	जुरदाग पेरिश	मिजान	गोविन्दपुर पेरिश	कोटबो पेरिश	जुरदाग पेरिश	इलाका	मिजान
१	एतवार सिरनी ...	१७८ १० ०	११३ ६ ३	६५ ९ ०	३५७ ९ ३					
२	घड़ा सिरनी ...	२७६ १५ ६	२०८ १५ ६	८८ १५ ०	५७४ १४ ०					
३	बपतिस्मा ...	८ १ ६	७ ६ ६	५ १ ६	२० ९ ६					
४	प्रभुभोज ...	७९ ८ ६	२८ ८ ३	३२ १ ९	१४० २ ६	१७ ६ ०	८ ४ ०	५ ४ ०		३० १४ ०
५	धन्यबाद ...	५५ ० ६	४१ ६ ०	१३ ५ ९	१०९ १२ ३					
६	नयाखानी ...	५ ० ०			५ ० ०					
७	कटनी ...	४३ ० ०	२५ ० ०	१३ ० ०	८१ ० ०					
८	राज्यवृद्धि ...	६ ६ ६	७ १५ ०	२ ११ ६	१७ १ ०					
९	मंडली पैसा ...	२३ १४ ६	२ १५ ६	२ ५ ९	३४ ५ ०					
१०	शादी फीस ...	४५ ० ०	५ ० ०	७ ७ ०	५० ० ०					
११	माता समाज ...	१२ १ ६	५ ० ०		१७ १ ६					
१२	स्टेशन फन्ड ...	१३ ६ ०			१३ ६ ०	११ १३ ०				११ १३ ०
१३	पाद्रियों का तलब ...					१५० ० ०	६० ० ०	५० ० ०		२६० ० ०
१४	प्रचारकों तलब ...					२५४ ८ ०	१४७ ० ०	११६ ० ०		५१७ ८ ०
१५	नौकर ...					२२ ० ०				२२ ० ०
१६	सफर वा बदली ...								२३ ० ०	२३ ० ०
१७	पंच बैठकी ...								२२ ३ ६	२२ ३ ६
१८	स्कूलों को दिया गया ...					५३९ ९ ६		३६ ० ०		५७५ ९ ६
१९	ऑफिस खर्चा ...					१६ ३ ०	७ ४ ०	३ १० ०	१० १५ ६	३८ ० ६
२०	पाद्रियों का प्रो० फन्ड ...					३ २ ०	१ १४ ०			५ ० ०
२१	अन्य ...	१३८ १ ०	१५ १२ ०	८ ४ ६	१६२ १ ६	११ ६ ०			२२ १२ ०	३४ २ ०
	मिजान	८८५ १ ६	४६१ ५ ०	२३६ ८ ०	१५८२ १४ ६	१०२५ १५ ६	२२४ ६ ०	२१० १४ ०	७८ १५ ०	१५४० २ ६
	साबिक बाकी				५७६ १४ ७½					
	बाकी तहबील									६१९ १० ७½
				कुल मिजान	२१५९ १३ १½				कुल मिजान	२१५९ १३ १½

खृष्ट बिलकन होरो
खजांची
गोविन्दपूर इलाका

55
ग्र 2|8|57

प्र. 21|8|57 2-ए

Govindpur.
19/8/57.

महामान्यवर, जी. ई. एल. कलीशा सेक्रेटरी
को भीशु सहाय।

महाशय,
मुझे Memo No. 1432/57 से
ज्ञात हुआ है कि मैं referred विषयों
पर पास हुआ हूँ।
इसलिये मेरी दीन अर्जी है कि आप
officially declaration certificate

भेजने की कृपा करेंगे
ताकि मैं आप के
सवे मंडली के हृदय
सदा बना रहूँ।

आप का विश्वासी

A. Kandulna

To,
N. E. Horo
G. E. L. Church secretary
P. O. Ranchi
Dist Ranchi

RANCHI
21 8 57
2-V
2-V
Ack...
1-10

C/c 2-V

The 20th August, 1957.

REF: NO 2003 /57-CC-2-V.

To

Mr.P.D.Kandulna, B.A.,
Secretary-Manager,
Board of Management
G.E.L.Church Properties,
27, Hume Pipe Road,
J A M S H E D P U R.

Dear Mr.Kandulna,

Kindly verify if you have received statement of Receipt and expenditure of the landed properties at Govindpur proper for the period from 1951-55, when Rev.C.K.Bhengra was the Synod President, I understand that Rev.C.K.Bhengra has spent some money for Marcha case out of the income. Please verify if that was done with the approval of the Board. He be asked to clear up his accounts if he has not done so.

Yours sincerely,

[signature] 20/8

Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

No 2004/57

cc to Rev.H.Topno, Synod President Govindpur Synod.

2-V

❀ गोबिन्दपुर सिनोद की चिट्ठी ❀

(गोविन्दपुर सिनोद की मंडलियों के नाम)

१ ली अगस्त १९५७ । ४

❋ प्रेसिडेन्ट का संवाद ❋

मत्ती ५ : १३

" तुम पृथ्वी के नमक हो । "

"अपने में नमक रखो" मरकुस ९ : ५०; लूक १४ :३४—३५

"मसीही समूह में नमक पाया जाए ।"

नमक एक बहुमूल्य वस्तु है और सब देशों में बहुतायत से पाया जाता है। भारत में नमक की घटी नहीं है। नमक भिन्न २ प्रकार से काम में आता है। हम उसे अपने भोजन में मिलाते हैं और उस के द्वारा भिन्न २ प्रकार की औषधियां तैयार करते हैं उचित है कि जब हमारे प्रभु ने हम मसीहियों को नमक से उपमा दी और अपने ने नमक रखने का उपदेश दिया तो हम नमक के गुणों पर ध्यान दें।

१ नमक हमारे भोजन को स्वादिष्ट बनाता है।

बिना नमक के भोजन में कुछ भी स्वाद नहीं पाया जाता है। हम जब भोजन की सामग्री इकट्ठा करते हैं तो यदि नमक को भूल जाएं तो हमारा सारा परिश्रम व्यर्थ ठहरेगा। जहां कोई मसीही नहीं पाया जाता है वहां पर लोगों का धार्मिक जीवन फीका होगा। उसमें कुछ स्वाद न पाया जाएगा अर्थात प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, कृपा, भलाई, बिश्वास, नम्रता और संयम की घटी होगी। मसीही जन में यदि ये नमक पाये जांएगे तो वह अपने जीवन से दूसरों के जीवन को नमकीन बनादेगा।

२ नमक नाश होने से बचाता है।

नमक में ऐसा गुण पाया जाता है कि चीजों को सड़ने और गलने से बचाता है। जब हम चाहते हैं कि चीजों को सड़ने और गलने से बचाएं तो हम उन पर नमक मल देते हैं। नमक लगने से कुछ काल तक सड़ने गलने से बच जाता है। मनुष्य में पाप है पाप में इतनी शक्ति है कि मनुष्य के शारीरिक और आत्मिक जीवन को बिगाड़ता है और उन से अपगुणों के दुर्गन्ध आने लगती है। अर्थात शरीर के काम प्रगट हो जाते हैं सो ये हैं व्यभिचार, गन्दे काम लुचपन, मुर्ति पूजा टोना बैर झगड़ा ईर्षा क्रोध बिरोध फूट विधर्म्म डाह मतवालपन लीला क्रीड़ा इत्यादि। हमारे प्रभु ने इस दुर्गन्ध को दूर करने के लिये मसीही लोगों को नमक बनाकर रखा है। वहां वह नमक का काम करेगा और जिस जन को छूएगा अथवा उसके और अपने बीच नमक रख देगा तुरन्त ही उसे सड़ने और गलने से बचाएगा। और उनके बीच से अच्छे गुणों के सुगन्ध निकलने लगते हैं अर्थात आत्मा को फल प्रगट हो जाते हैं आत्मा के फल ये हैं प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, कृपा, भलाई, बिश्वास नम्रता और संयम।

३ नमक घुलने हारी बस्तु है।

नमक एक प्रकार का घुलने हारा पत्थर है और जब तक यह नहीं घुले तब तक दूसरे चीजों को नमकीन नहीं कर सकता है और स्वादिष्ट भी नहीं बना सकता है। इसलिये नमक को घुलना चाहिये। नमक घुल कर एक दूसरी चीज के साथ मिल जाता है अथवा नमक अदृश्य हो जाता है। प्रभु हर एक मसीही जन से कहता है "तुम जगत का नमक हो" इसलिये तुम्हें उचित है कि जगत के लिये आप अपने को दे देवें और सच्ची मसीही गुणों से लोगों को मसीह के लिये तैयार करें कि वे मसीह पर बिश्वास का त्राण पावें, क्योंकि प्रभु कहता है जो आप अपने को खोता है सो वह उसे पावेगा जैसा प्रभु जगत के लिये अपने को दे दिया, वह दुःख उठाया मर गया, गाड़ा गया और जी उठा अर्थात जगत को अपने साथ मिला लिया और हम खोये हुए स्रापित मनुष्यों का उद्धार किया है। इसी प्रकार जब की हम मसीह के सेवक कहलाते हैं जब त्याग के लिये तैयार न हो हम इस पाप भरे जगत को नमकीन न बना सकेंगे। हम जब तक अपने लिये जीते हैं तब तक दूसरों के लिये नहीं जी सकते, इसलिये जब हम नमक हैं तो हम को पिसाना और घुलना पड़ेगा जिस्तें दूसरे लोग नमकीन किये जावें।

पाः हबिल तोपनो

मंडली बिषयक बातें।

गत ता: १२ जुलाई १६५७ को इलाका सभा की बैठकी हुई। इलाका ने आनन्द पूर्व्वक चर्च कौंसिल से भेजे हुए, और पुराने चेयरमेन पाद्री सन्तोष सुरिन के बदले आये हुए, पाद्री हाबिल तोपनो को स्वागत दिया। पाद्री बाबू आसन ग्रहण किये और अपने भाषण में इलाके के काम को सहर्ष बढ़ाने की इच्छा प्रगट किये। इलाका आशा रखती है कि पाद्री बाबू बड़े प्रेम, मिलत से मंडली की सेवकाई करेंगे, क्योंकि वे प्रचारकपन से लेकर, पेरिश, इलाका तथा कौंसिल की कठिनाईयों से परिचित हैं।

ता: १४ जुलाई १६५७ को गोबिन्दपूर पेरिश के चम्पी प्रचारकपन के गिरजा घर का संस्कार किया गया। चम्पी एक पुरानी मंडली है जहां कलीशा की जयदाद है। वहां पुराना गिरजा घर मौजूद था; पर छोटा होने के कारण ईश्वरोपासना के समय लोगों का समाव नहीं होता था। अत: वहां के खृस्तान भाई-बहन नया घर निर्माण करने की इच्छा प्रकट किये। घर अच्छी रीति से बन गया है और उक्त तिथि में उसका संस्कार किया गया। इलाका चेयरमेन पाद्री हाबिल तोपनों, कायर पार्टी के साथ वहां पहूँचे। पाद्री बाबू मत्ती ७, ७ से मंडली की मांग, उनका उद्योग और सफलता का उपदेश दिये। मंडली की आत्मिक मांग, उद्योग और सफलता का भी संकेत दिये और इस प्रकार सरगर्म होकर आगे बढ़ने के लिये उत्साह दिये। संस्कार कार्य के बाद सक्रामेन्ट बांटा गया।

ईश्वरोपासना के बाद सारी मंडली एक साथ, स्तुति और धन्यबाद के गीतों को हरमोनियम और करतल-ध्वनि के साथ गायी। तद्-पश्चात मंडली के लोगों को चाय पिलाया गया। रात को फिर स्थानीय पंच, और पड़ोस के प्रचारकपन के प्रतिनिधियों तथा आगन्तुक महिमानों की पहुनाई की गई। ईश्वर से प्रार्थना है कि हमारे बिश्वासियों में ऐसी ज्वलनता की बढ़ती देवे, कि मंडली के कामों में और धर्म्मिक बिचारों में अग्रसर होते जावें।

अबराहम होरो।

प्रचारकपन

(लगातार)

प्रचारकपन मंडली के लोगों की आत्मिक उन्नति का शुरू स्थान है। हमारी कलीशा एक आत्म-पालित और आत्म-शासित कलीशा है। अपने लोगों की आत्मिक उन्नति का भार हम पर ही है। प्रचारकपन अपने लोगों की आत्मिक उन्नति का उपाय आप करें।

हमारे प्रचारकपन के सब ही लोग खेतीहार हैं। हम प्रचारकपन में ऐसे उपायों को ढूंढ़ के निकालें, जिनको हम आप कर सकते हैं और वे उपाय अपने दर्जे के हों।

यदि घर के सामने आँगन में फूल के बगान हों और अपने जानवरों को ऐसे घरों में रख सके जहां से आंगन के फूल की हानि न हो तो घर बहुत ही शोभ्यमान मालूम पड़ेगा। सब कोई फूलों का प्यारा होगा।

यदि इसी प्रकार हमारे प्रचारकपन में एक स्कूल हो जहां प्रचारकपन के लड़के-लड़कियां बचे लिखना, पढ़ना और धर्म्म के गीत बचनों को सीखें, तो यह स्कूल प्रचारकपन का एक बागान होगा। इस बागान में प्रचारकपन के छोटे २ फूल (अर्थात लड़के-लड़कियों) खिलते रहेंगी, उनको देख कर मन प्रसन्न होगा, उनको देखकर उनके भविष्य का बिचार और ही उज्वल मालूम पड़ेगा। प्रचारकपन उसके लिये आपही उपाय कर सकता है। यदि एक शिक्षित ट्रेन्ड बहन हो या माता हो तो यह काम सुगमता से हल हो जायगा। उसके बेतन का भी प्रचारकपन हल कर सकेगा।

यदि इन बचों की आत्मिक उन्नति के लिये हप्ते में एक शाम को ईश्वर-बचन पढ़ाया जाय, और कुछ गीत सिखाये जांय तो बचे ईश्वर के भय और प्रेम में बढ़ेंगे। ईश्वर की आशीष उनसे कभी अलग नहीं होगी। वे ईश्वर के अनुग्रह में बढ़ेंगे।

हमारे आम, कटहल अमरूद आदि के पेड़ कुछ ऊंचाई में होने पर मनुष्यों और दूसरे जानवरों से बचने के लिये रक्षा चाहते हैं। हम लोगों को उन्हें घेरना पड़ता है। इसी प्रकार हमारे १२—१७ वर्ष के लड़के लड़कियों के लिये पौधों के सदृश रक्षा का घेरा दरकार है। इस किशोर उमर में हमारे बचें तुरन्त बहक जाते हैं। यह ऐसा उमर है जिसमें हमारे बचे दूसरों के बचन, बोली, रीत दस्तूर को देख कर तुरन्त उस ओर अकर्षित हो जाते हैं। बचे बहकने का ख्याल ही नहीं कर सकते, क्योंकि यह उनकी उमर है। हमारे माता पिता और प्रचारकपन के लोगों का कर्त्तव्य है कि उनको ऐसे उमर में रक्षा करें। अगर हमारे प्रचारकपन में एक शिक्षित युवक या पंच हो, यह सहज ही में हटाया जा सकता है। ऐसे

जनों का एक समाज बना कर उनको धर्म्म के बचनों से शिक्षा देना, धर्म्म पुस्तक के जवानों, युवतियों से आदर्श जीवन बताना, और गीतों को सिखाने से वे बच जायेंगे। उनके लिये एक समाज दिन निश्चित कर उनकी हप्ते में एक रोज सिखाना चाहिये। ऐसे लड़के लड़कियों को हरमोनियम और एकतारा की सहायता से गीत सिखाना चाहिये। ऐसे करने से वे अच्छे ढांचे में ढाले जायेंगे। उन्हीं के द्वारा मण्डली के छोटे मोटे सेवकाई के काम भी करवाना चाहिये। गिरजा घर का साफ रखना, बेदी शोभित बनाना पर इनका चलाने वाला को योग्य और दूरदर्शी होना चाहिए।

ये हमारे बालक होनहार निकलेंगे, मंडली की इन पर आशा रहेगी और वे अच्छे शासक और घर के चालाक निकलेंगे। उनकी आत्मिक उन्नति होगी। वयस्क जनों के लिये भी ऐसे समाजों की आवश्यकता है। माताओं के लिये एक, और पिताओं के लिये एक। शिक्षित माता और पिता इन दोनों की अगुवाई करें। यदि माता पिता आत्मिक बरदानों के लिये चिन्तित रहेंगे, तो उन पर और उनके सन्तानों पर ईश्वर की आशीष बनी रहेगी।

ये प्रार्थना समाज अलग २ दिनों अलग २ बर्गों के लिये होने से किसी को किसी प्रकार की तकलीफ अधिक उठाना नहीं पड़ेगा। हम बिश्वासियों को यह याद रखना जरुरी है कि पहले ईश्वर के राज्य और धर्म्म का खोज करें तब हमें सब बस्तुएं दी जायेंगी। ईश्वर का राज्य हममें और धर्म्म भी हम में होवे तब हमारे लिये सब बस्तुएं दी जायेंगी।

प्रचारकपन की आत्मिक उन्नति इस प्रकार हो सकती है प्रचारकपन के सब बर्ग के लोग उन्नति के लिये कदम बढ़ावेंगे। क्या ही अच्छा होता जब सब स्थानों में ऐसी संस्थाएं होती।

(अब्रहाम होरो)

धन्यबादी जोवन

ईश्वर ने हमारी सृष्टि की। इतना ही नहीं, वह हमारे पालन-पोषण के लिए चिन्ता और उपाय भी करता है। वह हमको प्रतिदिन का भोजन देता है। हमारे शरीर और आत्मा के लिए जो कुछ दरकार है, हमको बहुतायत से देता है। शारीरिक जीवन के लिए बल-सामर्थ्य, खाना-पीना, ओढ़ना-बिछौना आदि और आत्मिक जीवन के लिए अपना बचन और सक्रामेन्ट देता है। धर्म के मार्ग में हमारी अगुवाई करता है। हम, जो मृत्यु की छाया में थे, उसने अपने प्रिय पुत्र यीशु मसीह के द्वारा हमारा उद्धार किया।

ऐसे महान और दयालु परमेश्वर पिता के प्रति अब हमारा कर्त्तव्य है? इस प्रश्न का उत्तर क्या यह नहीं है कि हम उनका धन्यबाद करें? हां, इस प्रश्न का यही ठीक उत्तर है। तो हमारा कर्त्तव्य है कि हम मन, बचन और कर्म से उसका धन्यबाद करें। हमारे मन, बचन और कर्म एक दूसरे से घनिष्ट सम्बन्ध रखते हैं। जब हम किसी बात को मन में सोचते हैं तो उसको बात और काम से प्रकट करते हैं। वैसे ही जब हम ईश्वर पिता को धन्यवाद देने की बात मन में सोचते हैं तो उसको बचन और कर्म से प्रकट किये बिना नहीं रह सकते हैं अर्थात जब हम ईश्वर को धन्यवाद देने की बात सोचते हैं तो हम धन्यवाद के स्वरूप कुछ दान दिये बिना नहीं रह सकते हैं। ऐसा करना उत्तम, बरन अति उत्तम है; क्योंकि हम जो कुछ भी ईश्वर के नाम से दान चढ़ाते हैं उससे हमारा धन्यबादी मन प्रकट होता है। जब हम सच्चे मन और आनन्द से देते हैं तो वह ईश्वर के सामने ग्रहण योग्य होता है और उसके द्वारा हम अधिक आशीष के भागी होते हैं। पर यदि हम दिखाने के लिए या कुढ़-कुढ़ कर या नियम पूरा करने के लिए देते हैं तो वह ईश्वर के सामने ग्रहण-योग्य नहीं होता है, बरन, उसके द्वारा हम आशीष पाने के बदले दण्ड के भागी होते हैं।

इसलिए, हमारा जीवन धन्यबादी जीवन होवे और से देवें।

हमारी कलीशा में एतवार सिरनी, धन्यबाद दान, घड़ा सिरनी, मंडली पैसा, स्नान दान, शादी फीस आदि देन का नियम है। हम इन दानों को खुशी से देवें कि हम ईश्वर से अधिकाधिक आशीष पाने के योग्य ठहरें और हमारे उन दानों के द्वारा हमारी कलीशा के बड़े-बड़े काम सम्भाले जावें और हम दिन-दिन उन्नति की ओर बढ़ चलें।

(खृस्त बिलकन होरो)

गोविन्दपुर इलाका—आमद खर्च (अप्रील १९५७)

क्रम सं०	बिवरण	आमदनी: गोविन्दपुर पेरिश	आमदनी: कोटबो पेरिश	आमदनी: जुरदाग पेरिश	आमदनी: मिजान	खर्च: गोविन्दपुर पेरिश	खर्च: कोटबो पेरिश	खर्च: जुरदाग पेरिश	खर्च: इलाका	खर्च: मिजान
१	एतवार सिरनी ...	१४६ ९ ०	८९ २ ०	६८ ३ ०	३०३ १४ ०					
२	घड़ा सिरनी ...	२०९ १२ ३	१५० ११ ०	९५ २ ९	४५५ १० ०					
३	बपतिस्मा ...	१६ ४ ६	५ ५ ६	९ २ ६	३० १२ ६					
४	प्रभु भोज ...	३५ २ ६	९ ४ ९	१० १३ ६	५५ ४ ९		६ १० ०	३ ४ ०		९ १४ ०
५	धन्यबाद ...	५० १३ ६	५५ ९ ३	१४ १५ ०	१२१ ५ ९					
६	नयाखानी ...	१ ११ ३	३ १२ ६		५ ७ ९					
७	कटनी ...	६४ ० ०	२१ ११ ३	१५ ० ०	१०० ११ ३					
८	प्रभुप्रीत ...	७ ० ०			७ ० ०					
९	राज्यवृद्धि ...	८ १३ ९	९ ३ ३	२ ५ ९	२० ६ ९					
१०	मंडली पैसा ...	२५ ३ ६	७ ० ६	५ ११ ०	३७ १५ ०					
११	शादी फीस ...	४० ० ०	१० ० ०		५० ० ०					
१२	माता समाज ...	१० १३ ६	६ ७ ०	० ४ ०	१७ ८ ६					
१३	स्टेशन फन्ड ...	१८५ ० ०			१८५ ० ०	२६१ २ ०				२६१ २ ०
१४	पाद्रियों का तलब ...					१५० ० ०	६० ० ०	५० ० ०		२६० ० ०
१५	प्रचारकों तलब ...					२९६ १० ०	१३१ ० ०	१०३ ० ०		५३० १० ०
१६	नौकर ..					२२ ० ०				२२ ० ०
१७	सफर वा बदली ...					१ १ ०				१ १ ०
१८	पंच बैठकी ...								२६ ६ ९	२६ ६ ९
१९	स्कूलों को दिया गया ...					४८ ० ०	१०५ ० ०		१८ ० ०	१७१ ० ०
२०	ऑफिस खर्चा ...					३१ ७ ०	२ ८ ०	६ ६ ६		४० ५ ६
२१	पाद्रियों का प्रो० फन्ड ...					३ २ ०	१ १४ ०			५ ० ०
२२	अन्य ...	४ ४ ०	८ ० ०		१२ ४ ०				२८ ४ ०	२८ ४ ०
	मिजान	८०५ ७ ९	३७६ ३ ०	२२१ ९ ६	१४०३ ४ ३	८१३ ६ ०	३०७ ० ०	१६२ १० ६	७२ १० ९	१३५५ ११ ३
	साबिक बाकी				५२९ ५ ७½					
	बाकी तहबील									५७६ १४ ७½
				कुळ मिजान	१९३२ ९ १०½				कुल मिजान	१९३२ ९ १०½

खृष्ट बिलकन होरो
खजांची
गोविन्दपूर इलाका

गोबिन्दपुर सिनोद की चिट्ठी

(गोबिन्दपुर सिनोद की मंडलियों के नाम)

१ ली जुलाई १९५७ ।

❋ प्रेसिडेन्ट का संवाद ❋

गिनती ६, २४-२६

यहोवा तुझे आशीष दे और तेरी रक्षा करे ॥
यहोवा अपने मुख का प्रकाश चमकाए
और तुझ पर अनुग्रह करे ।।
यहोवा अपना मुख तेरी ओर करे और तुझे शांति दे ॥

यह आर्शीवाद वचन पुराने नियम का है पर नया भी है जो हमेशा के लिये इसराएलियों को केवल नहीं पर हमारे लिये भी दिया गया है। हारून और उसके पुत्र इसी बचन से ईश्वर आराधना में लोगों को आशीष देते थे। हम लुथेरान लोग भी इसी बचन से गिर्जा में आर्शीवाद देते हैं। यहोवा ने मूसा से कहा, हारून और उसके पुत्रों से कह कि तुम इसराएलियों को इन बचनों से आर्शीवाद दिया करना। यह ईश्वर की ओर से दिया हुआ आर्शीवाद बचन है। हम इस आर्शीवाद बचन को ठीक से समझ लेंवे। इसी बचन में त्रिएक परमेश्वर का एक गुप्त भेद है जो हमारी मण्डली में ठहरता है, वही है त्रिएक परमेश्वर के तीन आशीष। त्रिएक परमेश्वर का आर्शीवाद बिश्वासी और दीन मन से ग्रहण कर।

१, यहोवा की रक्षा।
२, यहोवा का अनुग्रह।
३, यहोवा की शांति ।।

१, यहोवा की रक्षा :—मनुष्य अंधकार और मृत्यु की छाया में बैठा हुआ है लूक १, इसलिये भय के साथ अपना जीवन बिताता। ईश्वर मनुष्य की रक्षा करता है। उसने हमों को अपना जीवन दिया है और दिन दिन देता है। वह हमें सम्भालता है। वह हमारे जीवन का रक्षक होकर हमारी देह और प्राण की रक्षा करता है यह हमारे जीवन के लिये एक विशेष बात है। भजन संहिता १२१, ३-७ में कहा है " कि तेरा रक्षक कभी न ऊंघे। सुन इसराएल का रक्षक न ऊंघेगा और न सोएगा। यहोवा तेरा रक्षक है। यहोवा तेरी दहिनी ओर तेरी आड़ है। न तो दिन को धूप से और न रात को चाँदनी से तेरी कुछ हानि होगी। यहोवा सारी विपत्ति से तेरी रक्षा करेगा।"

देह का दुःख हमारे प्राण की भलाई के लिये है। संसार के दुःख को अभी हम नहीं समझते हैं पर समय की पूर्णता में हम समझ सकेंगे। यहां का हमारा जीवन परलोक का जीवन है इस लिये इस संसार के जिस दुःख को हम समझ नहीं पाते हैं, परलोक में समझने सकेंगे। जिसको अधिक दुःख मिलता है उसको ईश्वर पिता अधिक प्यार भी करता है। संसार के दुःख के द्वारा हमारे विश्वास को और अधिक उज्वल बनाता है। दुःख, संकट, और विपत्ति से हमारी देह की रक्षा करता है। मृत्यु भी आवे तो सनातन जीवन के लिये। वह हमारे प्राण की रक्षा करता है।

२ यहोवा का अनुग्रह :—यही है ईश्वर की आशीष जो हम सबों से प्रसन्न है। यहोवा हम से प्रसन्न है इसलिये यहोवा अपने मुख का प्रकाशन हम सभों पर चमकाता है तब हमारा मुख भी चमकता है। जब हम किसी से प्रेम रखते हैं तब मुख प्रसन्न रहता है। चमकना आनन्द का प्रकाशन है और लक्षण सहित प्रमाण है। यहोवा, हमारे त्राणदाता प्रभु यीशु ख्रिस्त के कारण से हम पर प्रसन्न है। आर्शीवाद है कि यहोवा का मुख हम पर चमके। त्रिएक परमेश्वर का यहां गुप्त भेद है। हम पापी हैं। ईश्वर न हम पर दृष्टि करता पर ख्रिस्त पर दृष्टि करता है। ख्रिस्त हमारे पापों को ले लेता है और हमों को अनुग्रह देता है। ईश्वर ख्रिस्त के कारण से हमों से प्रसन्न है। यही बात हमारे जीवन के लिये सब से अच्छी बात है कि ईश्वर हमों से प्रसन्न रहे। हमे बिवाह का वस्त्र पहिनाया सो वह प्रसन्न है। जब हम विश्वास करते हैं कि यीशु ख्रिस्त हमारे बदले क्रूश पर मर गया और हमे पाप, शैतान और नरक के दण्ड से छुड़ाया तब हमारे पाप छुट जाते हैं। ईश्वर की क्षमा सच है कि वह यीशु ख्रिस्त के कारण हमारे पापों को स्मरण नहीं करता है, यह ईश्वर का अनुग्रह है।

३, यहोवा की शांति :— यहोवा की आशीष है शांति देना। कौन अपने सिर को उठाये हुए चलता है? वही जो दूर २ देखने चाहता है। जैसे चरवाहा दूर २ देखने चाहता है कि भेड़ों के लिये चराई और पीने का पानी कहा है वा भेड़ों के पास कोई हिंसक जानवर आता है। फिर लड़ाई में सेना पति ऊंचे स्थान से देखता है कि कैसे सेना को चलावे। जो सिर को उठाता है वह अगुवा है। हम किस को अगुवा कहते हैं? पवित्रात्मा को। यीशु ने कहा है कि "शांतिदाता जब आवेगा तब तुम्हें सारी सच्चाई लों मार्ग दिखावेगा। यहां त्रिएक परमेश्वर के बड़े भेद को, जो गुप्त है, हम पाते हैं। पवित्रात्मा अगुवा है। "यीशु आगे जा" कहने से क्या लाभ है जब कोई पीछे से न जावे? एक जो आगे जाता है दूसरा उसके पीछे चले। वहां तो कुशल, शांति, आनन्द और कल्याण है जहां ईश्वर की अगुवाई है। ईश्वर की अगुवाई के पीछे चलने ही में हमारी शांति है।

यह त्रिएक परमेश्वर का आशीर्वाद है जो पुरोहित के द्वारा ईश्वर हर एतवार मण्डली को देता है। सो हम निश्चिन्ता से न सुने पर मालुम करें कि इतनी बड़ी आशीष ईश्वर हमको देता है। हम बिश्वासी और दीन मन से ग्रहण कर लेवे। आशीष देते समय क्रूश का आकार खींचा जाता है इसका अर्थ है कि सारी आराधना क्रूश से छाप दिया जाता है। क्रूश दो लकड़ी से बना है आड़ी लकड़ी और खाड़ी लकड़ी। खाड़ी लकड़ी मनुष्य की इच्छा है जिसमें उद्धार नहीं है। आड़ी लकड़ी—जिसमें प्रभु के दोनों हाथ ठोंके गये—उद्धार की लकड़ी है जो मनुष्य की इच्छा को काटती है। अर्थात शारीरिक इच्छा हमों को नरक की ओर ले जाता है इस लिये अपनी इच्छा को मारें और अपना क्रूश उठा के प्रभु के पीछे चलें। क्रूश उठाने से ही जगत का जीवन हुआ है। क्रूश से हमारे लिये आशीष है। यह आशीष बचन क्रूश में पूरा होता है। क्रूश की आशीष हम सभों पर होवे—कि यहोवा रक्षा करे, अनुग्रह करे और शांति देवे। आमीन।

पाद्री सन्तोष सुरिन
सिनोड प्रेसिडेन्ट।

मंडली बिषयक बातें—

श्री अबरहाम होरो

——जून महिने में फिर प्रचारकों में हेर फेर हो गई। श्री असफ होरो जो प्रचारक ट्रेनिंग स्कूल में शिक्षक के लिये भेजा गया था अपनी आंख की कमजोरी के कारण उजूर किये। इलाका ने उसकी अर्जी ग्रहण कर उनको फिर अपने स्थान कोटलो में जगह दी है। कोटलो के निकट सरलो में उनके परिश्रम से अनेक घर धर्म्म खोजक बनने जा रहे हैं। श्री जीवन मसीह होरो जो हाल ही में उसी जगह बहाल किये गये थे, खाली जगह बुढ़नी में बदल दिये गये।

श्री प्रचारक असफ होरो के बदले, कुरमुल के इलाका पंच और बोनस प्रचारक श्री इसराएल तोपनो ने सहर्ष ट्रेनिंग लेने के लिये अपने को अर्पण किया है।

उयुर प्रचारकपन एक बोनस प्रचारक से चलाया जा रहा था। प्रचारकपन एक पूरा प्रचारक कोमांग की। पेरिस सभा ने श्री निर्मल होरो सुलुंगी को इस स्थान के लिये सिफारिश किया। इलाका इसे समर्थन कर उक्त स्थान पर उसे पूरा प्रचारक बहाल की।

कनारोंवा प्रचारकपन—इलाके के द्वारा एक राज्य बृद्धि प्रचारकपन चूना गया है। उस स्थान में प्रचारक के काम पर जदी पेरिस का श्री कारेन खलखो दरखास दिये जो एक एम, ई; ई, टी हैं। इलाका ने उनको योग्य समझ कर उस स्थान में प्रचारक मास्टर के काम में बहाल किया है।

——सहर्ष बताना पड़ता है कि पाद्री सन्तोष सुरिन, प्रेसिडेन्ट गोबिन्दपूर को चर्च कौंसिल ने एक नये काम के लिये चून लिया है। वे १ली जुलाई से राज्यबृद्धि काम के डैरेक्टर हो गये। उनका हेडक्वाटर रांची रहेगा। उनके स्थान पर बूर्जू सिनोड का पाद्री हबिल तोपनो, चर्च कौंसिल के द्वारा बदली में भेज दिये गये हैं।

प्रचारकपन—

कलीशा खृस्त बिश्वासियों का समूह है। इसी के अन्दर प्रचारकपन खृस्त बिश्वासियों के समूह की एक छोटी ईकाई है। इसी ईकाई में बालक बालिका, युवक युवातियां और बृद्ध नर नारी बिश्वासी जन हैं। वे सामूहिक रूप में ईश्वरोपासना करते हैं। इस उपासना में किसी प्रकार का बिषमता, भेद-भाव नहीं है। ऊंच नीच, ज्ञानी अज्ञानी, तथा जाति भेद का बिचार ही नहीं हैं। यह ईश्वर पिता का एक महत्वपूर्ण देन है। हमारे इर्दगिर्द के अखृस्तान इस देन को समझ नहीं सकते हैं। वे मिलत को पहिचान नहीं सकते हैं। कितना बड़ा दान!

इसी ईकाई में ईश्वरोपासना के लिये एक गिरजा घर है। विश्वासी जन इस घर को हर प्रकार से सुन्दर बना सकते हैं! वेदी पर चढ़ाये हुए देन से नहीं पर नीजी चंदा से। चंदा देना विश्वास का फल है। विश्वासी जन घर के चारों ओर चहरदिवारी बना कर सुन्दर फूल रोप कर गिरजा घर की शोभा बढ़ा सकते हैं। वे घर में अच्छे कांच लगे हुए खिड़कियां कीमती पत्थल की वेदी और स्नान-पात्र और छोटा सिंहासन बना सकते हैं। घर का गच सिमेन्ट फर्श बन सकता है। अपनी सेवा, और ईश्वराधना के लिये सब अच्छी बातें और रचनाएं सोच सकते हैं।

पर गिरजा घर पाहुनशाला और आनन्द मनाने के घर के रुप नहीं रखा जा सकता है।

ईश्वर पिता की महिमा सब वर्ग के लोगों के द्वारा किया जा सकता है। बच्चे बालक और बालिकायें, एक प्रार्थना समाज बनाकर ईश्वर की स्तुति कर सकते हैं। इसी प्रकार युवक और युवतियां अलग प्रार्थना समाज बनाकर और वयस्क जन भी। बात रह जाती है कौन इनके अगुवों की तैयारी कर सकता है। प्रचारकपन में ऐसे पंचों का होना आवश्यक हैं जो प्रत्येक वर्ग के प्रार्थना समाज को चला सके। अब सेवकाई के अगुवों की जरूरत है। यदि प्रचारकपन में ऐसे जन हो हमारा विश्वास जोवित बना रहेगा।

शिक्षा संबंधी बातें।

——प्राईमरी और मिडिल स्कूल के शिक्षकों की बहाली बदली काम से खारिज करने तथा छुट्टी देने का अधिकार सरकारी अफसरों अर्थात डिस्ट्रिक्ट सुपरिनटेन्डेन्ट के हाथ चला गया है। परन्तु लूथेरान कलीशा के स्कूलों के शिक्षकों के सबंध ये सरकारी अफसर हेडसुपरवइजर ऑफ लूथेरान स्कूल्स की सलाह और जानकारी के साथ उपरोक्त कररवाई करेंगे। अतः यह आवश्यक है कि प्राईमरी और मिडिल स्कूल के मैनेजिंग कमिटि, प्रधानाध्यपक, और इलाका या सिनद के अधिकारी हेडसुपरवइजर से उपरोक्त विषयों पर संबंध रखा करे। जब किसी शिक्षक की बहाली या बदली आदि की आवश्यकता है तो हेडसुपरवइजर को इसकी सूचना दें। इसी तरह अन्य आवश्यक काम के लिए भी जो सरकार से संबंध रखता है हेडसुपरवइजर से मदद लेना चाहिये।

——पूर्ण चर्च कौंसिल ने २१-२-५६ को यह फैसला किया है कि (क) मिडिल स्कूलों में ऐसे शिल्प या व्यवसाय की शिक्षा दी जाए जिससे भविष्य में विद्यार्थियों को लाभ हो। सरकार इस संबंध में सहायता देती है।

(ख) हर स्कूल में ट्रेनिंग प्राप्त शिक्षक रखे जांए।

(ग) स्कूलों के लिए जो भाई बहनों से चन्दा या दान दिया जाता है वह सिनदों के जरीये स्कूलों को दिया जाय। इसका मतलब यह है कि ऐसे चंदे पेरिस, इलाका और सिनद के हिसाब के अंदर आवें। वास्तव में यही चंदे कलीशा के द्वारा स्कूलों को दिया जाता है।

(घ) पेरिस के पाद्री अपने पेरिस के स्कूलों की देखभाल करें। वे पाष्टर सुपरवईजर कहे जाते हैं इस लिए उनका कर्त्तव्य है कि अपने सिमाने की स्कूलों का उचित निगरानी करें।

(ङ) दिहातों में जहां बन पड़ता है वहां स्कूल के बच्चों के स्टडी के लिए सम्मिलित अध्ययन कोठरियों का इंतजाम हो जो किसी जबाबदेह व्यक्ति के जिम्मे हो। स्कूल के बाहर बच्चों की पढ़ाई और चाल-चलन की ठीक देखभाल नहीं कर सकते हैं। इसलिए Common study Rooms जगह जगह मंडलियों में हों।

(च) हर स्कूल के हिसाब दुरूस्त किये जा कर ओडिट हों।

(ज) शिक्षकों का सर्विस बुक खोला जाय।

(ज) शिक्षकों का प्रोविडेन्ट फंड चालू किया जाय।

——हेडसुपरवाइजर ऑफ लूथेरान स्कूल्स ने सूचना दी है कि जो स्कूल अभी तक प्रस्तावित हैं वे मंजूरी प्राप्त करने के निमित अपने को तैयार कर रखें। सरकारी शिक्षा विभाग के अफसर इन ही दिनों में ऐसे स्कूलों का निरिक्षण करेंगे। जिला इन्सपेक्टर ने आश्वासन दिया है कि तुरन्त ही ऐसे स्कूल जो प्रस्तावित हैं योग्य पाए जाने पर स्वीकृत (Recognised) किये जांएगे।

——बिहार के डाईरेक्टर ऑफ पबलिक इन्सट्रक्सन ने सूचना दी है कि बिहार राज्य के सभी स्कूल और कॉलेज १५ जुलाई १९५७ तक इन्फ्लुएन्जा (शीत ज्वर) बिमारी के कारण बन्द रहेंगे।

गोविन्दपुर इलाका—आमद खर्च (अप्रील १९५७)

आमदनी

क्रम सं०	बिबरण	गोविन्दपुर पेरिश			कोटबो पेरिश			जुरदाग पेरिश			मिजान		
१	एतवार सिरनी ...	१६५	१२	०	११०	१०	३	६८	०	३	३७४	६	६
२	घड़ा सिरनी ...	२२७	५	६	१६५	८	६	८२	८	३	४७५	६	३
३	बपतिस्मा ...	१०	१३	६	७	३	६	९	८	०	२७	९	०
४	प्रभु भोज ...	१२१	१५	३	३९	३	९	२८	१०	९	१७९	१३	९
५	धन्यबाद ...	२७	१०	०	१४	५	६	७	१३	९	४९	१३	३
६	नयाखानी ...	२	५	६							२	५	६
७	कटनी ...	५१	१२	३	३४	०	०	१३	०	०	९८	१२	३
८	प्रभुप्रीत ...	२२३	८	०				६८	८	०	२९२	०	०
९	राज्यवृद्धि ...	५	८	३	७	१२	९	३	१	०	१६	६	०
१०	मंडली पैसा ...	३९	१३	०	११	१३	०	१०	१४	०	६२	८	०
११	शादी फीस ...												
१२	माता समाज ...	१०	८	३	५	८	०	०	१२	०	१६	१२	९
१३	स्टेशन फन्ड ...	१५१	६	०							१५१	६	०
१४	पाद्रियों का तलब ...												
१५	प्रचारकों तलब ...												
१६	नौकर ..												
१७	सफर वा बदली ...												
१८	पंच बैठकी ...												
१९	स्कूलों को दिया गया ...												
२०	ऑफिस खर्चा ...												
२१	पाद्रियों का प्रो० फन्ड ...												
२२	अन्य ...												
	मिजान	१०६८	५	६	३८६	१	३	२९२	१२	६	१७४७	३	३
	साबिक बाकी										४२९	०	१½
	बाकी तहबील												
								कुल मिजान			२१७६	३	४½

खर्च

क्रम सं०	बिबरण	गोविन्दपुर पेरिश			कोटबो पेरिश			जुरदाग पेरिश			इलाका			मिजान		
१	एतवार सिरनी															
२	घड़ा सिरनी															
३	बपतिस्मा															
४	प्रभु भोज	१३	१२	९	५	०	०	२	८	०				२१	४	९
५	धन्यबाद															
६	नयाखानी															
७	कटनी															
८	प्रभुप्रीत															
९	राज्यवृद्धि															
१०	मंडली पैसा										१००	०	०	१००	०	०
११	शादी फीस															
१२	माता समाज															
१३	स्टेशन फन्ड	१४१	६	०										१४१	६	०
१४	पाद्रियों का तलब	१५०	०	०	६०	०	०	५०	०	०				२६०	०	०
१५	प्रचारकों तलब	२५५	८	०	१५७	८	०	७४	०	०				४८७	०	०
१६	नौकर	२२	०	०										२२	०	०
१७	सफर वा बदली	७३	९	०										७३	९	०
१८	पंच बैठकी										५	५	६	५	५	६
१९	स्कूलों को दिया गया	२५६	१२	०	१०५	०	०	६१	०	०	१५	०	०	४३७	१२	०
२०	ऑफिस खर्चा	१८	१५	६	४	६	०	१	१२	०	२५	०	०	५०	१	६
२१	पाद्रियों का प्रो० फन्ड	३	२	०	१	१४	०							५	०	०
२२	अन्य	१	१४	०							४१	९	०	४३	७	०
	मिजान	९३६	१५	३	३३३	१२	०	१८९	४	०	१८६	१४	६	१६४६	१३	९
	साबिक बाकी															
	बाकी तहबील													५२९	५	७½
											कुल मिजान			२१७६	३	४½

खृष्ट बिलकन होरो
खजांची
गोविन्दपूर इलाका

of e 2-V

Gossner Evangelical Lutheran church in Chotanagpur and Assam

Ref: NO 99/57 / 100/57 -C.C.-10.

G.E.L.Church Compound
Ranchi, the 15th Jan: 1957.

From Secretary-Mr.N.E.Horo, B.A.,
To

Rev.Santosh Surin, Sy:Presient, Govindpur
Rev.H.Topono, Sy: President, Burju.

Dear Sir,

Rev.Nathaniel Mundu(Jurdag) was on medical leave till 31st December 1956. He came to us enquiring whether he would be allowed to re-join his duties at Jurdag. We have advised him to produce a certificate of fitness. If he produces the same, the question of re-joining his service would be considered and the matter then would rest with the GovindpurmSynod.

Considering his physical capacity to work in future and keeping in view his general health so that he does not overstrain himself ~~andxthe~~ again, I would suggest the following for your consideration:

That he be transferred to Burju Synod with Head quarters at Burju in place of Rev.Martin Aind and the latter be transferred to Jurdag. This will enable Rev.Nathaniel Mundu to maintain his general health or he would be able to take help from his home which is near Burju.

Kindly let me know if this would be agreeable to you both so that this is brought into effect through the Church Council.

At present he be allowed to join at Jurdag after he produces a certificate of fitness.

Yours sincerely,
sd/-N.E.Horo.
Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

Memo No. 156/57, dated Ranchi, the 31st January, 1957.

Copy forwarded to Rev.Nathaniel Mundu for information and needful, requesting him to produce a Medical certificate of fitness from the Doctor concern as early as possible.

No 157-58/57

Horo 31/1/57
Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

ccto Rev.S.Surin, Sy.President Gobindpur. & Rev.H.Topno Sy.President, Burju Synod for information.

2-V

REV. C. K. BHENGRA

No 57

G. E. L. Church,
Govindpur,
Jariagarh P.O.,
Ranchi Dist.

16. 11. 1954

Manyawar C.C. Secy ko
Yishusahay!

(1) Ap ko janaya jata hai ki mandali paisa jama karne ka kam suru huwa hai.

(2) Miss Dibora Kujur ko main ne janch ki. Koi bisesh rog nahin hai. Rog tha par Jariagarh ke Doctor se dawa di gai aur abhi achhi hai.

(3) Govindpur Synod Ministerium ne 11. 11. 54. ko phaisla kiya hai ki Shri Samuel Hemrom chhoti seja mey rakha jay.

Ap ka bishwast
C. K. Bhengra

गोबिन्दपुर सिनोद की चिट्ठी

(गोबिन्दपुर सिनोद की मंडलियों के नाम)

१ ला जून १९५७

— प्रेसिडेंट का संवाद —

वे सब पवित्रात्मा से भर गये। प्रेरित २; ४

"वे सब पवित्रात्मा से भर गये"—यह बात पेन्तिकोष्ट के इतिहास में लिखी गई है। पेन्तिकोष्ट का बिशेष यही है दान कि ईश्वर ने अपना आत्मा उन सभों को दिया जो बिन्ती प्रार्थना करते हुए एक जगह एकट्ठ थे। उसने एक को भी बिना आत्मा का न होने दिया।

पुराने नियम के समय में हम बहुधा पाते हैं कि ईश्वर ने किसी एक को चूना और पवित्र आत्मा दिया। नये नियम में यही नई बात है कि सभों को पवित्रात्मा मिला। सभों को पवित्रात्मा देने से ईश्वर ने अपनी पवित्र कलीशा का स्थापन किया। पेन्तिकोष्ट का दिन पवित्र कलीशा का स्थापन दिन है।

पवित्रात्मा और पवित्र कलीशा के बीच में घनिष्ट सम्बन्ध है। कलीशा आत्मा के बिना नहीं जी सकती है। जैसे आत्मा के बिना शरीर मृतक है वैसा ही आत्मा के बिना कलीशा मृतक है। पवित्रात्मा कलीशा के जीवन को सम्भालता है। यह बात सच है कि कलीशा के बाहर ईश्वर अपना आत्मा किसी को नहीं देता है। लिखा गया है कि जो उस दिन एकट्ठे थे, उन सभों को पवित्रात्मा मिला। जो मण्डली से अलग होके एकान्त में रहते थे उनको पवित्रात्मा नहीं मिला।

हमारे विश्वास दर्पण के तीसरे निर्णय में हम पवित्र कलीशा और पवित्रात्मा को एक संग पाते हैं। हम एतवार २ मान लेते हैं कि "मैं बिश्वास करता हूँ पवित्रात्मा पर और एक ही पवित्र खीष्टियानी कलीशा पर" इसी कलीशा में ईश्वर अपना आत्मा उंडेलता है। कलीशा के बाहर नहीं। पेन्तिकोष्ट के दिन में हम लोगों को सीखना चाहिए कि जो ईश्वर के आत्मा का लालयित है वह इस आत्मा को कलीशा में ढूंढे, बाहर नहीं। कलीशा में ईश्वर का बचन सुनाया जाता है। बचन के सुनने हारों को ईश्वर जब २ और जहां २ वह चाहता है अपना आत्मा देता है। जिस समय उपदेशक बचन को प्रचारता है उस समय ईश्वर का आत्मा कार्य्यकारी होके सुनने हारों के मन में बिश्वास उत्पन्न करता है और उनको नया जीवन देता है।

पवित्र आत्मा—हमको पवित्र करता है। खिस्त के द्वारा सिद्ध किया हुआ उद्धार का सम्भागी वह बनाता है। यीशु खिस्त ने त्राण सिद्ध किया है और पवित्रात्मा उस त्राण को हमारे आत्मा में डालता है। जैसा खिस्त का काम हमारे लिये आवश्यक है वैसा पवित्र आत्मा का काम भी त्राण पाने के लिये हम में आवश्यक है। १ को० २: १४। यदि हम त्राण पाना चाहते है तो हम खिस्त में बिश्वास करें। मार्क १६: १६ और वह पवित्र आत्मा है जो हम में बिश्वास उत्पन्न करता है १ को० १२: ३।

पवित्र आत्मा सच्चा ईश्वर है—वह साधारणतः ईश्वर की शक्ति और बल नहीं पर एक व्यक्ति है। वह त्रिएकता का तीसरा व्यक्ति है जो पिता और पुत्र से सनातन से निकलता है और पिता और पुत्र के साथ उसकी सेवा और महिमा किई जाती है। योहन १५; २६। धर्म्म पुस्तक में उसके स्वर्गीय गुण, शक्ति बड़ाई और कामों को पाते हैं। खिस्त ने अपने शिष्यों को हुक्म दिया कि पिता पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो। मत्ती २८: १९।

पुराने नियम में पवित्र आत्मा ने नबियों और शिक्षकों को सिखाया १ पितर १:२०। और वही आत्मा पेन्तिकोष्ट के दिन चेलों पर उंडेला गया। प्रेरित २। पवित्र शास्त्र उसी की प्रेरणा से रचा गया। २ तिमो० ३:१६, ईश्वर के बचन और पवित्र सक्रामेन्ट में पवित्रात्मा हमारे हृदय में आता है।

पवित्र आत्मा का काम है—पवित्र करना। वह बुलाता, बटोरता प्रकाशमय करता और सच बिश्वास में दृढ़ करते रहता है।

इसकी आवश्यकता इतनी अधिक है कि यदि पवित्र आत्मा हम में काम नहीं करता तो हम नहीं बचाये जाते—इसलिये बिश्वास वाक्य में हम कहते हैं कि "मैं बिश्वास करता हूँ कि मैं अपनी शक्ति और इन्द्रियों से अपने प्रभु यीशु पर न तो बिश्वास कर सकता न उसके पास पहुँच सकता हूं।" स्वभाव ही से हमारा बिचार, शोच, पाप के कारण ऐसा अन्धकार मय है कि हम अपने त्राणकर्त्ता की आवश्यकता को नहीं देख सकते और हम में आत्मिक शक्ति की घटी है।

इसलिये पवित्रात्मा हरएक को अति आवश्यक है। हम ईश्वर का बचन सुनें। योहन १४ : २३, बचन के सुनने हारों में पिता पुत्र पवित्रात्मा बास करता है। आमीन॥

पा० सन्तोष पुरिन
प्रेसिडेन्ट।

सिनोद समाचार

——दुःख के साथ बतलाना पड़ता है कि (गोविन्दपुर इलाका के कोटबो पेरिस) कुरमुल का प्रचारक श्री तिमोथिउस तोपनो ता: २५-५-४७ को प्रभु में सो गया। वह लगभग ५० वर्ष का था। वह निज गांव में प्रचारक का काम बड़ी ज्वलन्ता से करता था। मंडली की सेवाकाई करने में कभी नहीं रुका। उसकी मृत्यु से सिनोद को धका पहुँचा है। सिनोद उसके दुखित परिवार के साथ समदुखी है।

——इस महिने में, इलाके के ६ प्रचारकपनों में प्रचारक के काम खाली पड़ गये, अर्थात कोटबो, कुरमूल, उयूर, बमहनडीह और बुढ़नी। तीन जगहों के प्रचारक शोर्ट कोर्स ट्रेनिंग ले कर पाद्री अभिषिक्त किये गये। दो जगहों के प्रचारक श्री असफ होरो कोटबो और श्री बिजय चन्द आइन्द, इलाके को ओर से ट्रेनिंग के लिये मनोनित हुए और एक जगह मृत्यु के द्वारा खाली पड़ी।

——तीन नये दरखास्तकारी आये। अर्थात श्री कुशलमय आईन्द चम्पी, श्री हबिल केरकेटा बमहनडीह और श्री जीवन मसीह होरो चलूंगी। इलाका जांच कर और योग्यता पा कर श्री असफ होरो को इचा की मंडली में, श्री हाबिल केरकेटा को बमहनडीह की मंडली में और श्री जीवन मसीह होरो को कोटलो की मंडली में प्रचारक के काम पर बहाल कर दिया। बाकी जगहों को बोनस प्रचारक से भर दिया—श्री इसमाईल तोपनो को कुरमूल मंडली में, तथा श्री सुगनदास भेंगरा को उयूर मंडली का बोनस प्रचारक बहाल किया।

दो प्रचारक अपने २ प्रचारकपन में रह कर बोनस से आधा तलब भोगी प्रचारक बनने का दरखास्त किये। इलाका इस बात को अच्छी रीति से जांच कर फैसला की—

प्रचारक जो अपने २ घरों में रहते हैं आधा तलब तब पा सकते हैं जब वे अपने को सम्पूर्ण रुप से मंडली के कर्म्मचारी के लिये लिखित समपर्ण करें अन्यथा वे बोनस प्रचारक गिने जाएंगे। समर्पण के लिये दो बातें जरूरत हैं (१) अधीन रहना (२) विना उजूर बदली जाना।

——इलाका स्कूल विद्यार्थियों के अनुशासन के लिये यह फैसला की—विद्यार्थिगण जो होस्टेल के बाहर इधर उधर अपने रिशतेदारों के घरों में रहते हैं नये (session) सेसन से (July) होस्टेल में रहें वा उन रिशतेदारों के घरों में रहें जो (guardian) अभिभावक होने का जिम्मेवारी लेते हों।

मसीही जन

मसीहीजन होना मसीह के समान होना है। इसलिये मसीहीजन क दिन-प्रति दिन मसीह के समान बनते जाना है। मसीह कैसा है? जब तक कोई उसके विषय नहीं जानता है तो वह उसके समान क्योंकर बन सकता है? सुसमाचार पुस्तकों में प्रभु यीशु का जो चरित्र लिखा गया है उसी को आदर्श जीवन कहा जाएगा। मसीही जन के जीवन की परताल उसी के द्वारा की जायगी। तब यह बात आती है कि मसीह के चरित्र को जानने के लिये सुसमाचार का अध्ययन करना उचित है। नये नियम की पुस्तक में मसीह के समान बनते जाने के कई उदाहरण पाये जाते है। १ कुर: ११ : १ में सन्त पावल ने लिखा "तुम मेरी सी चाल चलो जैसा मैं मसीह की सी चाल चलता हूँ।" कुल: ३ : ६-१० के अनुसार "तुम ने पुराने मनुष्यत्व को उसके कामों समेत उतार डाला है और नये मनुष्यत्व को पहिन लिया है जो अपने सृजनहार के स्वरूप के अनुसार ज्ञान प्राप्त करने के लिये नया बनता जाता है।" रोमी १२ : २ "तुम्हारा चाल-चलन बदलता जाय ……।" इस लिये अब हम जानते हैं कि मसीही जन को मसीह के जीवन में बदल जाना है। पर यह बदलाव अपनी शक्ति और ज्ञान और परिश्रम से नहीं हो सकता है। यह काम केवल पवित्रात्मा के द्वारा हो सकता है। पवित्रात्मा हमारे मन में काम

करता है। उसको काम करने देना चाहिये और उसका विरोध नहीं करना चाहिये। तो वह हमको मसीह के जीवन में बदल देगा और हम असल मसीही जन बन जाएंगे।

राज्यबृद्धि का काम

गोबिन्दपुर पेरिस में जनवरी—मई १९५७ तक में २५ धर्म्म खोजकों का बपतिस्मा हुआ है ११ धर्म्म खोजकों को बपतिस्मा देना बाकी है। कोटलो एक छोटी मण्डली है जिसके आस पास अनेक अख्रिस्तान हैं। बीते जनवरी में वहां १५ धर्म्म खोजकों का बपतिस्मा हुआ है। वे सरलो नाम-गांव के रहने वाले हैं। गत फरवरी में फिर भी कोटलो मण्डली के डेहकेला गांव में ६ धर्म्म खोजक हो गये हैं। गोबिन्दपुर मण्डली के रेहेड़ गड़ा गांव में २ धर्म्म खोजक हो गये हैं।

जतालोया भी एक छोटी मण्डली है। इस समय में बढ़ती अवस्था में हैं। वहां ४ धर्म्म खोजकों का बपतिस्मा हो गया है। चिटी भी छोटी मण्डली है बढ़ती अवस्था में है भाई बहिनों में एक धर्म्म खोजक का बपतिस्मा हो गया है। इचाः उकड़ीमंडी में २ धर्मखोजक का बपतिस्का हो गया है।

अब तक गोबिन्दपुर पेरिस में (जनवरी—मई ५७) ७८ ख्रिस्तान बालकों का बपतिस्म हुआ है।

मण्डली भाई बहिनों से अर्जी है कि ईश्वर के राज्य की बृद्धि के निमित प्रार्थना करें।

नया गिर्जा घर।

चम्पी छोटी मण्डली है। पुराना गिरजा घर बहुत छोटा होने के कारण एतवार आराधना में समाय नहीं होता था। इस कारण उसे गिरा कर बीते दो महीने से वे एक गाछ के नीचे गिरजा करते हैं। वहां के भाई बहिन बड़े ज्वलनता के साथ नया गिरजा घर बना रहे हैं। दिवाल पुराने गिरजा घर के चारों ओर दिया गया है दिवाल तैयार हो गया है। कांड़ धरना वगैरह चढ़ाया गया है बहुत उम्मीद है कि जून महीने के अन्दर नया गिरजा घर तैयार हो जायगा।

गोबिन्दपुर हाता का गिरजा मरामत—

बहुत हर्ष का विषय है कि गोबिन्दपुर हाता के लड़का बोर्डिङ्ग घर से पश्चिम का लाईन घर जो बहुत दिनों से बेमरम्मत पड़ा हुआ था इस साल फिर मराम्मत हो गया है। अब तक कुछ काम बाकी ही है। उसमें तीन शिक्षकों के रहने के लिये जगह हो जायगी।

मण्डली की आत्मिक जागृति की नाप

मण्डली की आत्मिक जागृति निम्न बातों से देखी जाती है।

१ गिर्जा की यथेष्ट उपस्थिति।
२ मण्डली में भिन्न समाजों का होना।
३ मण्डली के भाई बहिनों का प्रभुभोज में, अधिकांश दृढ़िकृत अंगों का भागी होना।
४ मण्डली में बैबल का अध्ययन करना।
५ मण्डली में धर्म्मखोजकों का होना।
६ मण्डली में एक मेल और प्रेम को बनाये रखना।
७ कर्म्मचारियों का ज्वलनतता से काम करना।
८ मण्डली के दानों को उचित रीति से देना।
९ पचों की बैठकों का बराबर होते रहना और फैसलाओं के अनुसार काम करना।

मण्डली के कर्म्मचारी और पंचगण अपनी २ मण्डली को जांच करें कि उपरोक्त बातों में से कौन २ बातें आप की मण्डली में पायी जाती हैं। जो बातें नहीं पायी जाती हैं—चालू करने की कोशिष करें। ताकि हमारी सब मण्डलियां आत्मिक जागृति में बढ़ती पावें।

आर्जी :—(अपील)

ईश्वर की बड़ी दया से गोबिन्दपुर सिनोड में, जुबिली हाई स्कूल और मर्चा प्रस्तावित हाई स्कूल है तथा गोबिन्दपुर, मर्चा गोप्रालपुर कोटबा और चुरदाग मिड्ल स्कूल हैं वो १८ प्राईमारी स्कूल हैं। हमारा फर्ज है कि अपने स्कूलों को मजबूत बनावें। स्कूल की मजबूती इसमें देखी जाती है कि १ रोल अच्छा है २ स्टाफ पूरा है ३ रेजल्ट अच्छा है। ४ अनुशासन ठीक है। अब तक स्कूलों का स्टाफ और रेजल्ट अच्छा ही पाया गया है। परन्तु इस सिनोड के अन्दर अनेक गैर लुथरान स्कूलें हैं जहां हमारे लुथरान विद्यार्थी भी काफी संख्या में पढ़ने जाते हैं।

हम लोगों को अपना संस्था को देखना है। इसलिये अर्जी है लुथेरान भाई बहिन अपने लड़के लड़कियों को हमारे लुथेरान स्कूल ही में भेजें। फिर भी यह जना देना चाहता हूं कि हमारे बच्चों को बैबल और अंग्रेजी पढ़ाने का प्रबन्ध है। स्कूल १७ जून से खुलेगा और नया सेसन १ लीजुलाई से है।

निवेदक—पाद्री सन्तोष सुरिन
सिनोद प्रेसिडेन्ट।

गोविन्दपुर इलाका आमद खर्च (जनवरी—मार्च १९५७)

क्रम सं०	विवरण	आमदनी										खर्च
		गोविन्दपुर पेरिश			कोटबो पेरिश			जुरदाग पेरिश			मिजान	
		जनवरी	फरवरी	मार्च	जनवरी	फरवरी	मार्च	जनवरी	फरवरी	मार्च	रु० आ० पा०	रु० आ० पा०
१	एतबार सिरनी ...	१२० ७ ९	१४९ ७ ९	१७३ ३ ३	८१ ४ ९	५१ ३ ३	१२१ ० ०	६० ५ ०	४३ ९ ०	५२ ५ ६	८५८ १४ ३	
२	घड़ा सिरनी ...	१६० १२ ३	२६१ ८ ९	३१६ २ ९	१४८ ७ ०	११७ ९ ०	२७७ १ ९	८८ १२ ०	७७ ५ ०	९३ ३ ३	१५७० १३ ९	
३	बपतिस्मा ...	६ ९ ३	४ २ ६	१२ ५ ९	४ १० ०	४ ०	५ २ ०	८ ४ ०	० १३ ०	० १४ ०	४६ १३ ६	
४	प्रभुभोज ..	३० ३ ३	४४ ११ ०	४४ ६ ३	१५ ३ ६	११ ६ ३	८ १२ ०	२७ ० ९			१८१ ११ ०	६४ ११ ६
५	धन्यवाद ...	१३ १४ ९	३७ १५ ०	१४ १२ ३	६ ५ ०	९ ९ ६	२५ ४ ६	९ ११ ६	७ १ ०	२ ११ ६	१३७ ५ ०	
६	नयाखानी ...	४ १० ०	१२ १ ०	० १४ ०		१ ० ०	२ ८ ०		० ८ ०		२१ ९ ०	
७	कटनी ...	५७ ८ ३	४२ ० ०	१७४ ११ ६	१४ ० ०	१६ ० ०	५१ ० ०	२४ ० ०	१९ ० ०	१८ ० ०	४१६ ४ ९	
८	प्रभुप्रीत ..			१०१ ० ०			२३८ ८ ०			११५ ० ०	४५४ ८ ०	
९	राज्यबृद्धि ...	० ८ ९	१ ८ ३	१० ४ ६	२ ० ६	१ ११ ६	९ ५ ९	१ ० ३	१ १२ ०	२ ११ ०	३० १४ ६	
१०	मंडली पैसा ..	१२३ २ ०	५१ ५ ०	६५ ६ ०	३० ० ०	३१ ११ ०	१६ ७ ०	७ ५ ०	१७ ० ०	७ ९ ०	३४९ १३ ०	१६० ७ ०
११	शादी फीस ..	२५ ० ०	१२५ ० ०	३३ ५ ०	१० ० ०	८५ ० ०			१५ ० ०		२९३ ५ ०	
१२	माता समाज ..	१२ ४ ०	८ १ ६	२४ ७ ६		४ १५ ०	१ १५ ०			१ ३ ०	५२ १४ ०	
१३	स्टेशन फन्ड ..	४८ ४ ०	५ ४ ०	३४ ७ ०							८७ १५ ०	९४ १२ ०
१४	पादियों का तलब ...											५२० ० ०
१५	प्रचारकों का तलब ...											१६०१ ० ०
१६	नौकर ...											६६ ० ०
१७	पंच बैठकी वा महासभा											१९२ ४ ६
१८	स्कूलों को दिया गया ..											१४६३ ८ ०
१९	आफिस खर्चा											५० १ ०
२०	पादियों का प्रो० फन्ड ..											१५ ० ०
२१	अन्य ...	२ ० ०	२८ ८ ०	१ ९ ०							३२ १ ०	३३४ ९ ६
	मिजान ...	६३५ ४ ३	७७१ ८ ९	१००६ १५ ९	३२७ १४ ९	३३४ २ ६	७५७ ० ०	२२६ ६ ६	१८२ ० ०	२९३ ९ ३	४५३४ १३ ९	४५२२ ५ ६
										सांबिक बाकी...	४१६ ७ १०½	
										बाकी तहबील...		४२९ ० १½
										कुल मिजान ..	४९५१ ५ ७½	४९५१ ५ ७½

खृष्ट बिलकन होरो
खजांची
गोविन्दपुर इलाका।

2-V

गोबिन्दपुर सिनोद की चिट्ठी

गोबिन्दपुर सिनोद की मंडलियों के नाम।

१ मई १९५७

प्रेसिडेंट का संवाद

—पुनरुत्थान पर्व्व—

तुम जीवते को मरे हुओं में क्यों ढूंढती हो ? वह यहां नहीं परन्तु जो उठा है। लूक २४, ६।

पुनरुत्थान के दिन ईश्वर ने यीशु को मृतकों में से जिला उठाया यह बड़ी और गम्भीर बात है। यीशु ख्रिस्त मर गया, गाड़ा गया पाताल में उतरा और तीसरे दिन मृतकों में से जी उठा। यीशु साधारण मनुष्य नहीं था। राजा था और राजा है। जैसा राजा वैसी प्रजा राजा की हार प्रजा की हार। राजा की जीत, प्रजा की जीत। पुनरुत्थान का दिन हमारे प्रभु और राजा का बड़ा दिन, जय का दिन। मृत्यु पर हमारे राजा की जय, हमारी जय। हम ख्रस्तानों का पुनरुत्थान भी है। हम जी उठगें।

फिर ख्रिस्त दूसरा आदम है। पहला आदम मनुष्य जाति का आरम्भ है, दूसरा आदम, मुक्त किई हुई मण्डली का स्थापक।

कैसा आनन्द और शांति की बात है।

दुनियां में मृत्यु सब से बड़ी भयंकर घटना है। यह प्रबलतम सचाई, अनिश्चित, भय दिलाने वाली है। मनुष्य जीवन का कर्त्ता धरता, पीड़ाओं की गठरी ढोलाने वाली।

पर मृत्यु के उस पार से तसल्ली और दिलासा की आवाज आती है। देखो मैं जीता हूँ तुम भी जीते रहोगे, योहन १४, १६। फिर पुनरुत्थान और जीवन मैं हूं योहन ११, २५। इस आवाज के सुर से मृत्यु का भय लोप हो जाता है। जितनी बार मृत्यु हमारे निकट मडलाती है विजय की अद्भुत आवाज सुनाई देती है और मृत्यु अपना डंक खो बैठती है।

इसलिये ख्रिस्तानों का जीवन विचित्र जीवन—जीने योग्य जीवन—जयवन्त जीवन—शांति का जीवन और सनातन जीवन है। मृत्यु का भय, धमकी, और शक्ति मिट जाती है। ख्रिस्त पराक्रमी है उसका जीवन भी पराक्रमी है। खृष्टीय जीवन पराक्रमी जीवन है।

हे मृत्यु तेरा डंक कहां ? मृत्यु का डंक पाप है पाप का बल व्यवस्था। परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो जो हमारे प्रभु यीशु के द्वारा हमें जयवन्त करता है। आमीन।

पाद्री सन्तोष सुरिन
प्रेसिडेंट

सिनोद की बातें :—

इस बर्ष सिनोडों की तीसरी चुनाव थी। इस प्रकार प्रचारकपन, पेरिश और इलाकाओं ने अपने प्रतिनिधियों के नाम क्रमानुसार भेजे। निम्न ब्यक्ति गोबिन्दपूर इलाके के लिये निर्वाचित हुए, जो इलाका सभा और सिनोद सभा में बैठेंगे।

गोबिन्दपूर पेरिश से (१) श्री अबराहम होरो, (२) श्री खृस्त बिलकन होरो (३) श्री खृस्तोदास सुरिन, (४) श्री नेमचन्द होरो (लापा) (५) श्री फिलिप बरला (बुढ़नी) (६) प्रचारक श्री मसीहदास कोनगड़ी (हुलसू)

जूरदाग पेरिश से—(१) श्री बेन्यामीन तिड़ू (असलमंडी) (२) श्री तुआस भेंगरा (कसमार)

कोटबो पेरिश से—(१) श्री एनेम केरकेटा (बमहनडीह) (२) श्री ईसभाई तोपनो (कुरमूल) इस प्रकार इलाका सभा और सिनाद सभा के लिये गोबिन्दपुर इलाका से ११ मेम्बर चुने गये। इनमें से श्री अबराहम होरो सेक्रटेरी और खृस्त विलकन होरो खजान्ची चुने गये।

गत वर्ष दुःख और तकलीफों का वर्ष था। सेवकाई के काम में बहुत बाधा हुई। जुरदाग के पाद्री श्री नथानिएल मून्डू को बिमारी के कारण छुट्टी लेनी पड़ी। गोबिन्दपूर पारिश खाली पड़ गया। जो पाद्री इस जगह के लिये कौंसिल से चूने गये थे, व यहां नहीं आये। इस प्रकार सिनोद में गोबिन्दपुर पेरिश और जुरदाग परिश में पाद्रियों की घटी थी।

भाग्यवश, प्रचारक ट्रेनिंग स्कूल के शिक्षक हमारे इलाके की घटी को जानकर अथक योग दिये। इस प्रकार सेवकाई का काम जारी रहा। इन महाशयों को सिनोद की ओर से बहुत धन्यबाद होवे। पाद्री खृस्तकल्याण भेंगरा बुढ़े होने पर भी सहर्ष हाथ बटाये और पाद्री प्रभुदयाल सरंग मुंडारी भाषा न जानने पर भी सेवकाई काम करने से न रुके। कोटबो के पारिश चेयरमेन पाद्री जोन मून्डू को भी धन्यबाद होवे। वे अपने सरहद से बाहर मंडलियों का भार भी अपने सेवकाई मे लिये। इलाका का काम इस प्रकार यथाशक्ति किया गया।

गोबिन्दपुर और जुरदाग के लिये पाद्री

इस साल २२ फरवरी से २२ मार्च रांची में पाद्री पद उम्मेदवारों के लिये चर्च कौंसिल की ओर से एक महीने का क्लास खोला गया था। इस क्लास में योग्य और अनुभवी प्रचारकों की मांग हुई थी। हमारे सिनोद से प्र० मतियस भेंगरा (जुरदाग), प्र० फिलिप हेमराम (उदुर), और प्र० एनेम होरो (बमनडीह) भेजे गये थे। ये तीनों प्रचारक २४-३-५७ को पाद्री पद पर अभिषक्त किये गए। पा० मतियस भेंगरा अब गोबिन्दपुर में एसिस्टेंट पाष्टर हैं। पा० फिलिप हमरोम और पा० एनेम होरो को कौंसिल ने अन्य सिनादों में सेवकाई का काम के लिये भेज दिया है।

जुरदाग पेरिश के लिये चर्च कौंसिल ने नया पाद्री भेजा है अर्थात पाद्री सामुएल बरजो। इनके जुरदाग आने पर गोबिन्दपुर सिनाद का कोइ पेरीश पाद्री रहित नहीं है। सिनोद के भाई बहनों से वो मंडलियों से अनुरोध है कि वे इस नये पुरोहितों के लिये ईश्वर की आशीष के लिये प्रार्थना करें।

गोबिन्दपुर सिनोद की जनसंख्या

३१-१२-११५६

जाति अनुसार

परीश का नाम	मुन्डा	उरांव	खड़िया	अन्य	मिजान
गोबिन्दपुर	५०१५	६६	५	६०	५१३६
कोटबो	२३४४	१०७	३७	१	२४८९
जुरदाग	१८९२	१६	—	—	१९०८
मार्चा	४२२६	—	—	—	४२२६
चुरदाग	२००६	—	—	—	२००६
	१५४९९	२२२	४२	❀ ६१	१५७८५

लोहार १८, मिशनरी २, हो १।

प्रार्थना समाज----

सिरोद के कई प्रचारकपनों में प्रार्थना समाज चालू है। बहिनों के लिये माता समाज, बच्चों के लिये तारा सेना, किशोर-किशोरियों के लिये ज्योति सेना, और युवक संघ है। खास गोबिन्दपुर प्रचारकपन में ये सब समाज चल रहे हैं। टोलियों में टोला बाल-प्रार्थना-समिति भी है। ये सब कुछ लड़के लड़कियों द्वारा ही चलाये जाते है। इनके अलावे सन्डे स्कूल अलग है। यदि ये लगातार चालू रहें तो हमारे बालक और बालिकाओं का आत्मिक जीवन बना रहेगा। ये प्रार्थना समाज हमारे विश्वास के फल हैं। हम सब यत्न करें कि ऐसे प्रार्थना समाज सब खृस्तान गांवों में होवें। प्रचारक वो पंच लोग अपने प्रचारकपनों में ऐसे समाजों को खड़ा करें जो वहां चालू हो सकते हैं।

Govindpur Ilaka

खाजाना की बातें :—

साल तमामी हिसाब [१६५५ और १६५६ का तुलनात्मक विवरण]

क्रम सं	विवरण	१६५५						१६५६					
		आमदनी			खर्च			आमदनी			खर्च		
		रु.	आ.	पा	रु	आ.	पा.	रु.	आ.	पा	रु.	आ.	पा.
१	एतवार सिरनो ..	[illegible]६१७	८	७½				३३२३	६	३½			
२	घड़ा सिरनी ...	४१८६	१५	४½				४८८६	७	६½			
३	बपतिस्मा	१७१	५	३				१८४	३	३			
४	प्रभु भोज ...	७८५	६	६	८३	१०	०	७७१	३	६	१३१	१०	६
५	धन्यवाद ...	५५२	१४	६				७५४	५	६			
६	नयाखानी ..	६२५	८	६				७४२	१४	०			
७	कटनी ...	२६२	११	३				६८४	७	६			
८	प्रभुप्रीत ...	१००३	५	०				२७६	६	०			
९	राज्यवृद्धि ...	५२	४	६				११६	१५	½			
१०	मडली पैसा ...	०	८	०				५३६	१३	०	५३६	१३	०
११	शादी फीस ..	२६३	६	३				३८१	०	०			
१२	एन. एम. एस. ...	२०	१	०				०	१०	६	०	१०	६
१३	बैबल सोसाइटी ...	१	१४	०				१३	०	३	१३	०	३
१४	स्कूल चन्दा ...	४४	१२	०				५६	५	६			
१५	स्टेशन फन्ड ...	६६४	१०	०	५४६	८	०	७७३	१२	०	११५७	२	०
१६	पादियों का तलब ...	...			३३५३	६	६				२५७७	०	०
१७	प्रचारकों का तलब ...	...			४८३०	६	६				५५१४	८	०
१८	नौकर	...			१४४	०	०				१६२	०	०
१९	सफर वा बदली ...	...			३५	०	०				६३	१४	०
२०	शिक्षा क्लास ...	...			...						२४१	१	६
२१	पंच बैठकी व महासभा	...			१४५	१०	३				११०	८	६
२२	स्कूलों का दिया गया	...			१५६२	०	६				२६६३	२	०
२३	ऑफिस खर्चा ...	...			३०५	४	३				१८८	३	६
२४	पाद्रियों का प्रो. फन्ड	...			६६	६	०				५८	१५	०
२५	अन्य ...	२८८	२	६	१११०	२	६	३७१	८	६½	५८५	५	६½
	मिजान ...	११६३१	६	०	१२१८५	६	६	१४१७८	१०	२	१४११३	१५	½
	साबिक बाकी ...	६०६	०	६				३१५	१२	६			
	बाकी तहबील ...	...			३५१	१२	६	...			४१६	७	१०½
	कुल मिजान ...	१२५३७	६	६	१२५३७	६	६	१४५३०	६	११	१४५३०	६	११

श्री खृष्ट बिलकन होरो
खजांची
गोबिन्दपुर इलाका

सिनोड के विद्यालय स्वीकृत

उच्चविद्यालय	१
मध्यम विद्यालय	२
अपर स्कूल	७
लोअर प्राइमरी	१३
	२३

अस्वीकृत विद्यालय

उच्च विद्यालय	१
मध्यम ,,	३
	४

स्कूलों की अवस्था सन्तोषजनक नहीं है। पर सिनोद का ध्यान स्कूलों की अवस्था की ओर काफी आकर्षित हुआ है।

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A.,

Ranchi, (Bihar) India

2-V

No. 2684-87/57,

The 8th July, 1954.

In pursuance of the G.E.L.Church Executive decision Shree Christiras Surin, Head Master, Lutheran M.E.School, Marcha is appointed Secretary of the Managing Committee of the said School with immediate effect-vice Rev. Samuel Hemrom.

8/7

Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

B.L.8/7/54.

Copy to (1) Rev. S. Hemrom-he will please hand over charge of the M.E.School Managing Committee to Shree Christoras Surin as early as possible.
(2) Rev. Kushalmay Topno, Illaka Chairman, Marcha.
(3) Rev. C.K. Bhengra, Synod President, Govindpur for information.

8/7

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A., Ranchi, (Bihar) India

2-V

No. 2680-83/54. *The* 8th July, 1954.

Shree John Bhengra,

As decided by the C.C.Executive,you are appointed Secretary of the Proposed Lutheran High School,Marcha,with immediate effect. The Managing Committee of the said school as constituted by the Church Council should continue intact except that Rev.S.Hemrom former Head Master -Secretary of the School is being replaced by you in the capacity of the Headmaster-Secretary. You should take over all charges of this office as early as possible.

Secretary,
G.E.L.Church,Ranchi.

B.L.8/7/54.

Copy to (1)Rev. S.Hemrom Ex-Secretary,Marcha Proposed High School with a request to hand over charge of the said School Managing Committee at an early date.

(2)Rev.Kushalmay Topno,Illaka Chairman,March,for information and necessary action.

(3)Rev.C.K.Bhengra,Govindpur for information.

o/c

G.E.L.Church in Chotanagpur and Assam.

From :
The Secretary, GELC, Ranchi.

No. 2636/54

2-V

5 th July, 1954 xxx

Rev. J. Lakra, Chairman,
Rev. C.K. Bhengra, Vice-Chairman,
The Secretary,
Jubilee High School, Govindpur,
P.O. Jariagarh, Ranchi.

Dear Sir,

I have to inform you that the Executive Committee of the G.E.L. Church has approved of the action of the Executive officers in appointing Shri Joseph Tutti, B.A., Dip-in-Ed., as Head Master of the Jubilee High School Govindpur. Appointment letter to Shri Tutti has already been issued.

Further, the Executive Committee has decided to appoint Rev. C.K. Bhengra as Secretary of the Managing Committee in addition to the Vice-chairmanship, for the time being.

Necessary resolutions (extracts thereof) are attached herewith for reference.

~~Yours faithfully~~
Yours sincerely,

Secretary.

EXTRACTS OF THE CHURCH COUNCIL(EXECUTIVE) MINUTES.
- dated the 3 rd July, 1954.-

ITEM. 15.

APPOINTMENT OF MR. JOSEPH TUTTI AS HEAD MASTER OF J.H.E. SCHOOL GOVINDPUR.

" ....

The Executive approves of the appointment of Shri Joseph Tutti, B.A., Dip-in-Ed., as Head Master of the Jubilee High School, Govindpur.

x x x x x x

" Resolved that Rev. C.K. Bhengra be appointed as Secretary of the School Managing Committee for the time being in addition to the Vice-Chairmanship."

Copy.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM

2-V

Ranchi, (Bihar) India

Secretary: Mr. N.E.Horo, B.A. The 8th July '54.

No. 2676-79/54

The G.E.L. Church Council Executive is pleased ti appoint Shri John Bhengra, an Assistant teacher of the proposed Lutheran High School Marcha, temporary Head Master of the said proposed High school with immediate effect vice Rev. Samuel Hemrom.

B.L.8/7/54.

Secretary,
G. E.L. Church, Ranchi.

Memo No. /54, dated the 8th July, '54.

Copy to (1) Rev. Kushalmay Topno, Illaka Chairman, Marcha, P.O. Torpa, Dist. Ranchi for information. He should please help Mr. John Bhengra in raking over charge of the school from the ex-Head Master Rev. S. Hemrom.

(2) Rev. S. Hemrom, with a request to hand over charge of the School.

(3) Rev. C. K. Bhengra, Sunod President, Govindpur Sunod for information.

S/ N. E Horo.

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

B.L.8/7/54

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये

Mr. N. Horo
Secretary of the G.E.L. Chu[rch]
G.E.L. Church Comp.
P.O. Ranchi

भेजने वाले का नाम और पता :-
Miss A. Diller
Govindpur
P.O. Jariagarh, Dist. Ranchi
Bihar, India

यहाँ काट कर खोलिये →

Church Council
Received ... 15
Register No. 269 CC
Date 14/5/54
File 2-V
Reply No.
Date

4. 5. 54. Miss A. Diller
Govindpur
P. O. Jariagarh, Distr. Ranchi
Bihar-India

2-V

Dear Mister Horo!

With thanks we received your "Advertisement." We wish to talk to you personally about this item and want to see you therefore next week. We have to do at Ranchi from Wednesday the 12th inst. till Friday the 14th inst. So we shall call at your place and hope you will be at home. We think the best time to see you will be at the evening time.

Till we meet our hearty Yisu sahay!

Yours sincerely

A. Diller and H. Schmidt

Miss A. Diller
Govindpur
P. O. Jariagarh, Distr.
Bihar-India

2-V

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A., Ranchi, (Bihar) India

No. 2286/54. The 7th June, 1954

Rev. C.K. Bhengra,
Govindpur.

Dear Rev. Bhengra,

I understand that Shri Jusaph Tutti has applied to the High School Managing Committee for Headmastership. According to our talks I understand that he is more preferred for the post. I think, the C.C. will approve of his appointment under the present circumstances Let the Committee seriously take up this matter.

Regarding his salary I think we should not discourage him. Salary will have to be given according to theprescribed scale. We are to improve our financial position for which we are to make renewed efforts.

Yours sincerely,

[signature] 7/6

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Govind from Synod Marcha case

6th March, 4.

No 548/54 2-V

To

Rev.Samuel Hemrom,
Head Master,
Marcha Lutheran School,
Marcha,P.O.Torpa,Dt.Ranchi.

Dear Rev.Hemrom,

I am anxious to know from you,personally,the reaso. which restrain you to go on transfer to Khutitoli. I know you are conscious of your position,status and responsibilit as an ordained public man. But it pains me to receive report from Synod and your Ilaka that you say -you are bound by the people and so you don't leave Marcha.

A Karamcharifis bound by rules,regulations and orders of an organisation in which he is employed. It is expected that you, also being an ordained man,will not flout the orders of ~~the~~ your authorities.

May I know from you when you are handing over charge of the school.

Yours sincerely,
sd/-N.E.Horo.

Secretary,
G.E.L.Church,Ranchi.

B.L.6/3/54.

No 549/54

Copy to Rev.C.K.Bhengra,Synod President,Govindpur,for his information.

6/3

Secretary,
G.E.L.Church,Ranchi.

NB 546/54 2-V

6th March, 4.

REMINDER. I

To

Mr.P.S.Barjo,B.A.,D.Ed.,
Secretary,
Jubilee High School,
Govindpur.

Please refer to my letter No.1337/53,dated the 12th September,1953,and submit copies of minutes of your school M.C.from the period between 16th September 1952 to 12th September 1953.

6/3

Secretary,
G.E.L.Church,Ranchi.

B.L.6/3/54.

Memo No. 545 /54.   dated Ranchi, the 6th March, 1954.

Copy to Rev. C.K. Bhengra with reference to his Memo No. 11/54 dated the 13th February, 1954. He as President of the Synod and Synod Ministerium has constitutional powers to deal with cases like the present one. Sub section 2 of section 1 of Article 4 under Nirnay 7 read with Article 13 of Nirnay 3 of the Synods' Constitution is referred to him.

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

2-V

6th March,

No 574/54

To
Mr.P.S.Banjo,B.A.,D.Ed.,
Secretary,
Govindpur Synod.

Dear Sir,

Please refer to your Memo No.nil dated the 1st March, 1954, sending me therein an extract re: Rev.S.Hemrom's transfer

It is not understood why the synod thinks that it has no responsibility in the transfer of Rev.S.Hemrom,which is a matter of administration. It is said that the recommendation of the Marcha Commission subsequently approved,could not be executed. That was the synod's duty to do. I would refer to you Article 13 of Nirnay 3 of the Synods' Constitution which specifically says under the heading "Abhipray aur kartabya" that the synods are to accept and respect the right of administration,authority and decisions of the G.E.L.Church and to execute these rights anddecisions.

It is clear,therefore, that all decisions made by the C.C. are to be executed by the synods within their jurisdiction. Rev.Hemrom's transfer is an act of administration and you are to see that it is respected and carried out. He is under transfer and was to join at his new place of posting. It is not clear from your communication whether you officially asked him at all to hand over charge. If you have not done so please do it. It is also not clear what action the Synod is taking in this respect.

A karamchari is not bound by the wishes of the public but by the rules and regulations of an organisation in which he is employed. Rev.Hemrom's case should be considered in this light.

Let me know of any further developments and your action in this matter.

Yours sincerely,

sd/- N.E.Horo.
Secretary,
G.E.L.Church,Ranchi.

B.L.6/3/54.

P. T. O.

No 547/54 6th March, 4.

2-V

To

Mr.P.S.Barjo,B.A.,D.Ed.,
Secretary,
Jubilee High School,
Govindpur.

Dear Sir,

Please let me know by return of post the present position of Mr.Prabhusahay Horo's (Teacher) case resting with you.

Treat it urgent.

Yours sincerely,

Sectretary
G.E.L.Church,Ranchi.

B.L.6/3/54.

Church Council
132 CC
5/3/54
2-V

2-V

जी. ई. एल. चर्च
सोरेकाई प्रचारकपन
मरचो इलाका
गोविन्दपुर डिनोद।
ता: २८-२-५४।

C.C. के सदस्यगणों को हम सोरकाई माण्डली के प्रचारक, सेक्रेटरी वो पंचगणों की ओर से यीशु सहाय।

आप सभों को मालूम होवे कि श्री आनुएल पकना। हाल मोकाम कन्हारया, अरकी, जिला हजारीबाग, १९५३ ई. के मार्च महीने में H. Surin की अगुवाई से कन्या बन्दोबस्त के लिये टाटी गये, और जुसफ बागे की लड़की मगदली बागे को बन्दोबस्त किया. उसी समय; उसी साल शादी के लिये भी बात हुई कि इनकी शादी इसी साल होवे। इसके बाद श्री प्रभुसरना आया और लोटा पानी हुआ। लोटापानी के बाद ही उनको करे अनुसार शादी मांगी गई किन्तु उन्होंने छ: महीना बाद शादी देने को कहा। इसको भी हम लोगों ने मान लिया और ३०-१२-५३ को उनका ~~बन्दोबस्त~~ वचनदत्त हुआ।

वचनदत्त होने के बाद H. Surin पकना आये और बड़का कुटुम्बत का दिन तारीख ठहराया गया; लेकिन तारीख मुताबिक वे नहीं आये। इससे हमों को बड़ा धोखा दिया। हमारे यहां इधर उधर से इष्ट कुटुम्ब आये हुए थे और श्री प्रभुसरना भी हजारीबाग तक आये थे किन्तु वहीं से उनको लौटा दिया गया। इससे बड़ा धोखा क्या हो सकता है? फिर भी उनके धोखे का यहां स्पष्टीकरण किया जाता है।

(१) लोटा पानी होने के पहले तो वे शादी देंगे बोले, किन्तु नहीं दिये, और कहे कि छ: महीना बाद मिलेगी।

(२) १९५४ में उन्हीं के ठहराये अनुसार बड़का कुटुम्बत बुलाये गये किन्तु नहीं आये। इसमें भी इन्हों ने हमें कितना धोखा दिया और खर्च में डाल दिया।

इन्हीं कारणों से हम लोगों ने टाटी का बन्दोबस्त को रद्द कर दिया और सिम्पी में बन्दोबस्त किया। वचनदत्त हुआ और पुकार भी चल रहा है। अत: सोरकाई माण्डली के प्रचारक वो सेक्रेटरी वो पंचगणों से घोर उज्र है कि इनका जो पुकार रोका जा रहा है सो बन्द न किया जाय।

आप लोगों के विश्वासी

पंचों का सही।

आनन्दमसीह तोपनो का दस्तखत

[signature] secretary 24/2/54

Cmaesalan Topno

P. D. Topno.

Cate J. M. Topno

S. Topno..

Jhallam. Topno.

सुरेन मसीह तोपनो

Note:- इसका एक-एक कापी सिम्पी माण्डली, मारचो, टकारमा, गोविन्दपुर डिनोद, तथा C.C. पंचों को भेजा जा रहा है।

Chairman
Mandal Parishad

বিষয়:- [illegible]

GOVINDPUR SYNOD, G. E. L. CHURCH

President :—Rev. C. K. Bhengra.
Secretary :—Mr. ~~S. B. S. Horo~~ P. S. Barjo
Treasurer :—Mr. ~~G. M. Horo.~~ S. Tiprno

GOVINDPUR.
P. O. JARIAGARH,
RANCHI; (Bihar)

Ref. No .... Dated, The 1st March 1957.

(Stamp: Church Office, Received ... Date ... Reply ...; 2V)

The undermentioned extract from the synod minutes held on the 11th February 1954 at the Christ Church Marcha is forwarded to the Secretary for information.

C. K. Bhengra
Synod President
1.3.54

P. S. Barjo
Synod Secretary

Item No. 9. Rev. S. Hemrom की बहाली तथा चार्ज देना।

सभापति ने बताया कि Rev. S. Hemrom की बहाली सिनोड की ~~सभा~~ [illegible] पर हो रही है। सिनोड ने उनको बहाली करने के लिये अपील ~~मांगी~~ नहीं की थी, पर मुर्मा गरबेड़ा को मिलाने के लिये ~~अपील~~ की थी। उसके लिये C.C. ने कमीशन भेजा। कमीशन ने मुर्मा गरबेड़ा को शान्त किया पर कमीशन के फैसले अनुसार काम नहीं हुआ। उसका रिपोर्ट मांगने पर C.C. को दिया गया। उसके बाद ही C.C. ने Rev. S. Hemrom की बहाली की है। अतः सिनोड को इसे मानना है। सभापति ने Rev. S. Hemrom से भी मर्जी की कि वे इस फैसले को पालन करें। इस पर श्री दानियल बाबु ने कहा कि हम लोग Rev. S. Hemrom को नहीं जाने देंगे। सभापति ने और दूसरे मेम्बरों से इस का राय पूछा तब श्री सिमोन कोनगाड़ी और श्री मनसुख (~~[illegible]~~) ने भी आद्योपान्त रूप से कहा कि हम लोग Rev. S. Hemrom को नहीं जाने देंगे। तब सभापति ने Rev. S. Hemrom से अपनी इच्छा प्रगट करने के लिये कहा। Rev. S. Hemrom ने कहा कि मैं मडुआ ~~का~~ से बन्धा हुआ हूं। दूसरी बार पूछने पर भी उसने ऐसा ही जवाब दिया।

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A., Ranchi, (Bihar) India

2-V

No. 509/54 The 4/3/54 195

Rev. C. K. Bhengra
Synod President, Govindpur,

Dear Rev. Bhengra,

This is to inform you that Pastor Symanowski en route to Bangkok (Thailand) has arrived here this morning. He has come four days earlier than the scheduled time, but his tour programme already communicated to you under this office No. 421-26/54 dated, Ranchi the 26th Febouary 1954 stands.

Please inform the two sisters Miss Diller and Miss Schmidt about his arrival and convey my personal greetings to them.

Yours Sincerely,

N. E. Horo
4/3

Secretary
G.E.L. Church

No. 391

Govindpur
17-10-53

To, The Secretary
C. C. Ranchi.

2-V

Sir,

Herewith I am enclosing a short report of our synod as required by you.

Yours faithfully
P. S. Roy.
Synod Secy
Govindpur.

Church Council
Received......
Register No 246
Date 3-11-53
Fi. ....
Reply No..............
Date ....

GOVINDPUR SYNOD, G. E. L. CHURCH

President :—Rev C. K. Bhengra.
Secretary :—~~Mr. C. B. S. Horo~~ P.S. Bagjo
Treasurer :—Mr. ~~C. M. Horo.~~ S. Topno

GOVINDPUR.
P. O. JARIAGARH,
RANCHI; (Bihar)

Ref. No 37/

Dated, The 17-10-1953.

Extracts from the full synod meeting held on the 15th October 53 are forwarded to Secretary G.E.L. church Ranchi for information and needful action.

P.S. Bagjo
Secy. Govindpur Synod

Item 5, मची C.C. कमीशन के "फैसले की कारवाई की रिपोर्ट" :—

सब से पहले सभापति ने बताया कि मैं ने C.C. सेक्रेटरी को लिखा कि मची मिडिल स्कूल के पुराने हेडमास्टर Mr. M.P. Kongari से रुपया लेने के लिये क्या कारवाई की गई? पर उसका जवाब अभी नहीं मिला है। इसके बाद पादरी के. एम. तोपनो ने C.C. सेक्रेटरी द्वारा Mr M.P. Kongari के पास लिखी हुई चिट्ठी की नकल सभा को पढ़ के सुनाया। उससे मालूम हुआ कि C.C. सेक्रेटरी ने Mr M.P. Kongari को रुपया फौरन दे देने के लिये लिखा है।

इसके बाद मा. पा. के. एम. तोपनो ने संक्षेप में मची C.C कमीशन के फैसले की कार्रवाई की रिपोर्ट इस तरह दिया।

1, घर समस्या — हल हो गया।

2, स्कूल सम्बन्धी समस्या।

(i) बाबू एम. पी. कोनगाड़ी 280) रुपया वापस नहीं किया है।

(ii) पादरी एस. हेमरोम 1128॥) जमा के लिये हैंडनोट (तमस्सुक) स्टाम्प कागज में नहीं लिख दिया है। नहीं भरने की किस्त भी नहीं ठहराई गयी है।

(iii) खेती और बगान के 2924=) रुपया. के घाटा पर कोई काम नहीं किया गया है।

(iv) हाई स्कूल और मिडिल स्कूल के लिये अलग अलग मैनेजिंग कमिटी बनायी जाय। दोनों कमिटी के लिये सेक्रेटरी ठहराया जाय।

Continued

GOVINDPUR SYNOD, G. E. L. CHURCH

President :—Rev C. K. Bhengra.
Secretary :—Mr. ~~C. B. S. Horo~~ P.S. Barje
Treasurer :—Mr. ~~C. M. Horo.~~ S. Topno

GOVINDPUR.
P. O. JARIAGARH,
RANCHI; (Bihar)

Ref. No .... ~~Dated, The~~..................19......

3, इलाका और सिनोद के सम्बन्ध और काम

(i) इलाका मिटिंग में इलाका मेम्बर आते हैं। सिनोड बैठकी में भी सदस्य आते हैं।

(ii) महीना महीना आमदनी centralized होता है।

(iii) कुल महीना से सिनोद देन हर महीना अलग किया जाता है।

(iv) इस प्रकरण में पूरी व्यवस्था रखना अभी समय से बाहर मालूम पड़ता है।

तत्पश्चात इसकी पूरी कारवाई पर बहुत तर्क वितर्क किया गया और यह संकल्प किया गया कि ~~सही~~ कमीशन रिपोर्ट अभी तक C.C में पास नहीं हुआ है, उसके बिना इसकी पूरी कारवाई नहीं की जा सकती है।

Item 6 सिनोड देन:— सिनोद Budget के न होने से यह निर्णय करना कठिन हुआ कि प्रत्येक इलाका को कितना सिनोद देन देना पड़ेगा। संकल्प हुआ कि दूसरी बैठकी में Budget बना कर लाया जाय। इसी सिलसिले में सभा को बतलाया गया कि हम लोगों को 6822) रुपया C.C. देन है। इसको किस प्रकार देंगे। वर्तमान अवस्था को देखकर सभा इस निर्णय में आया कि हम C.C. देन अवश्य देंगे पर इस साल नहीं दे सकते हैं आने वाला साल में देंगे।

Item 8, दरखास्त:— पादरी एस. सोय गोविन्दपुर सिनोद से कुन्दी सिनोद में बदली के लिये दरखास्त दिये हैं। दरखास्त पढ़ा गया और बहुत तर्क वितर्क के पश्चात यह निर्णय किया गया ~~और~~ कि वह दरखास्त C.C. में कार्यक्रम में लाने के निमित्त forward किया जाय।

श्रीयुक्त मन्यवार कलीशा प्रेसिडेन्ट, C.C. सेक्रेटरी तथा C.C. के अन्य सदस्यगणों को मर्चा इलाका के दीन भाई-बहनों की ओर से सप्यार योशुसहाय तथा मसीही नमस्कार होवे।

महाशयगण,

हम दोनों को मर्चा इलाका की बर्तमान स्थिति का संक्षेप बिवरण आप लोगों के न्याय-पूर्ण चरण पर अर्पण करना अति ही जरूरी मालूम पड़ा। महाशयगण! हो सकता है यह खबर आप लोगों को कहीं से या कोई किस्म से आवश्य मालूम हुआ होगा; पर तौभी हम लोग अपने तरफ से आप लोगों को कहना ही बनता है। मर्चा की बर्तमान स्थिति ऐसी है।—

Rev. S. Hemrom को जब C.C की ओर से फैसला मुताबिक सेवकाई के काम से Suspend और स्कूल के काम से Discharge का नोटिस मिला, तो नोटिस पाते ही Rev. S. Hemrom तुरंत अपने पार्टी के भाइयों को; जिन्हों ने कि C.C. के फैसला के विरुद्ध हैं जामा किये। बाद अपने पार्टी भाइयों से राय लेकर ता० २२-८-५८ को हाई स्कूल आम सभा निश्चित किये और नोटिस जरिए अपने पार्टी के भाइयों को बुलाये। सभा में अपने पार्टी के भाइयों के सिवाए न कोई शिक्षक न तो कोई अन्य भाई उपस्थित थे; क्योंकि वे नहीं बुलाये गये थे। सभा बड़े समरोह के साथ शुरु की गई। सभा में Rev. S. Hemrom अपने दल के भाइयों के सामने लूथेरान कलीशा को तिरस्कार कर मर्चा Proposed हाई स्कूल सर्वोदय स्कूल कायम करने की ओर अगुवाई किये हैं। Rev. S. Hemrom के इन चिकनी चुपड़ी बातों से भाई लोग प्रसन्न चित प्रगट किये। "ख्याल की बात" Rev. S. Hemrom के पथ-दर्शक श्री B. Dangwar खूंटी हैं। जिन्हों ने Rev. S. Hemrom को सर्व अन्याय और अन्धेर कामों में यथाशक्ति सहायक हैं।

(क) मर्चा लूथेरान मिडल स्कूल Account को गरीब शिक्षकों के प्रोविडेन्ट फाण्ड समेत हड़पने में।

(ख) कलीशा के विरुद्ध कचहरी में लड़ने को बहकाने में।

१ महाशयगण! माफ करेंगे :— धर्म युद्ध है। अन्याय नहीं। किसी का पक्ष नहीं। इस लिए कहना पड़ता है। छोटानागपुर और आसाम G. E. L. Church समूचे बिलायत में अपने को एक जवान व्यक्ति दिखला कर पांचों महादेश में अपनी जवानी खबर फैलायी है; पर काम देखने से G. E. L. Church निरा कमजोर और कायर मालूम पड़ता है। शर्म है! क्योंकि Rev. S. Hemrom का अन्धेरपन और अनआज्ञाकारी पांच बरस से आज तक बढ़ता चला आता ही है; पर धर्म की उचित न्याय और मर्चा इलाका के लिये शाफ शांति; Rev. S. Hemrom के रहते; C.C. इतनी बड़ी संस्था; कायम करने में लाचार है। वजह क्या है?

२- फिर, Rev. S. Hemrom के पार्टी दल से यह भी सुनने में आता है कि कलीशा प्रेसिडेन्ट (लकड़ा साहेब) और श्री B. Dangwar कचहरी में कलीशा के विरुद्ध Rev. S. Hemrom के पार्टी दल की ओर से गवाही देने को मुशतैद हैं। यह बात कहां तक सच्ची है या झूठी है, पर फैल गई है। इसे भी हमों को C.C. की कमजोरी और अन्याय मालूम पड़ता है; क्योंकि लूथेरान कलीशा इतनी भारी संस्था हो कर अपनी इज्जत पर ध्यान नहीं रखती है। अपने कुल्हाड़ी से अपने मजबूत पांव पर कुल्हाड़ी मारती है। केवल मण्डली में अन्धेरों की बढ़ती और रुपैये का खर्च का मौका रख छोड़ती है। नियमावली किस काम पर लागु होगी?

३- लूथेरान कलीशा रजिस्टर्ड है। जवान है। तिस पर भी कलीशा रूपी मन्दिर को चोर और डाकुओं का खोह बनाती है। चोर और डाकु साफ दिख पड़ते हैं। क्या प्रभु मन्दिर को शाफ नहीं किया? क्या हम प्रभु से बढ़ कर दयालु हैं?

हिन्दु कवि का कहना भी साफ है :—

काम, क्रोध, मद, लोभ की - जब लग मन में खान
पण्डित मूर्ख दोऊ एक समान॥

ऐसी हालत में हम दोनों का सविनय अरज़ है कि :—

१. C.C. अपने फैसला मुताबिक Rev. S. Hemrom पर उचित कार्रवाई जारी करें और मिशन घर से शीघ्र निकाल दिया जावे।

२- C.C. आप अपने ओर से या कोई दूसरी उपाय से मिडिल स्कूल Account साफ करने का उचित कार्रवाई जारी करे कि गरीब शिक्षकों की आर्थिक जीवन में बाधा न हो।

३- C.C. अपने फैसला मुताबिक यह भी जारी करें कि Rev. S. Hemrom निश्चित समय तक सेवकाई के कामों में हाथ न बढ़ावे। यह न हो कि अन्धेर बढ़े।

४ C.C. अपना फैसला तुरंत स्कूल विभाग (D. I. of schools) को शीघ्र जनावें कि मिशन स्कूल (मर्चा मिडिल स्कूल और मर्चा Proposed High school) में कोई गड़बड़ न होने पावे।

५- C.C. अपना ज्ञानीपन को काम में लावे कि church ~~सम्ब~~ सम्बन्धी मामला कचहरी से उठा देवें, क्योंकि कलीशा के उत्तराधिकारी (पादरी लोग) नियमावली मुताबिक बड़े बड़े जज हैं और प्रचारकपन ~~के~~ पंच से C.C. मेम्बरान तक साथ में उत्तरदाई हैं। कचहरी फैसला से आत्मा शुद्धता नहीं पाता है।

६- ये सब उपरोक्त अरज़ ध्यान देने को अयोग्य हैं तो :—
Rev. S. Hemrom ही कलीशा प्रेसिडेन्ट शीघ्र ही नियुक्त किये जांए और बदली में Rev. Lakra साहेब मर्चा आने की कृपा करें; जिस्से मर्चा Proposed High school तुरंत सरकार से मंजूरी प्राप्त करने पावें।

आप लोगों के कृपाभिलाषी,

दीन भाई-बहनों की ओर से प्रभुदयाल तोपनो खेरखाई प्रचारकपन

७-५-१९५४ ई०

१ दाऊद कोनगाड़ी उड़ीकेल प्रचारकपन

२ मौजीद तोपनो खेरखाई प्रचारकपन

३ पौलुस तोपनो आमा

४ रेबा सुलेमान तोपनो आमा

५ सरन दास तोपनो आमा

६ जोहन तोपनो आमा

७ मनसिद्ध तोपनो आमा खेरखाई प्रचारकपन

८ दाऊद तोपनो आमा

९ J. B. Topno Bishrampur Pracharkpan

10 शामुएल तोपनो खेरखाई प्रचारकपन

११ मरसलन तोपनो खेरखाई प्रचारकपन

१ जैमसीह तापनो पकना
२ हारदुगन तोपनो बनैटोली
३ मनसिंह तोपनो बनैटोली
४ सामुएल तोपनो बनईटोली
५ पौलुस तोपनो बनैटोली
६ जयमसी तोपनो बनैटोली
७ प्रभु सहाय तोपनो बनैटोली
८ ऐकेपल तोपनो बनैटोली
९ इलियस तोपनो आम्मा - बनैटोली
१० सामुएल तोपनो आम्मा बनैटोली
११ आसाफ तोपनो आम्मा बनैटोली
१२ आनन्द मसीह तोपनो आम्मा बनैटोली
१३ प्रभु साइए पोजे
१४ ऐजुब पोजे
१५ कलेप पोजे
१६ जोहन तोपनो पोजे
पौलुस टेमराम पोजे
१८ पतरस तोपनो पोजे
१९ जोहन तोपनो पोजे
२० सहि इस्रा तोपनो पोजे
२१ सही प्रभुस तोपनो सटाल पोटेर
२२ सही इलियास तोपन मारव:
२३ पौलुस मेगरा पोजे
युसफा तोपनो पोजे

२५ सही पौलुस तोपनो पोजे
२६ दाउद तोपनो पोजे
२७ मसिह दास तोपनो पोजे
२८ नूवास सुरिन पोजे
२९ निकोदीम तोपनो पोजे
३० - उब्लात तोपनो पोजे
३१ मतिस तोपानो पोजो
३२ Jakria Topono Poje
३३ मतियस तोपनो पोजे
३४ सही जाकरिया तोपनो पोजे
३५ पौलुस तोपनो पोजे
३६ मरकस तोपनो कड़ीकरा
३७ ---- Timothius Topno Satal
३८ सही जुनास तोपनो करा
३९ - - थविल तोपनो करा
४० - जुनस तोपनो करा
४१ - मरकस तोपनो करा
४२ जुसफ तोपनो करा
४३ - नेहेमियाह तोपनो करा
४४ पौलुस तोपनो करा
४५ - केन्याफीन तोपनो करा
४६ - आनन्दमसीह - तोपनो करा
४७ पतरस तोपनो पोजे
४८ सही मसिहदास हेमरोम
४९ - - पौलुस तोपनो मरचा
५० नथनसीह तोपनो मरचा
५१ लुथर तोपनो करा
५२ जुसफ तोपनो मरचा
५३ - Johan Topno satal
५४ - ManMasih Topono Karrasatal

५५ - योहन तोपनो करा
५६ - हुनान महातो पिरुवाई
५७ सही - मायमसीह - तोपनो उरमी - बारवा
५८ मरकस केरकेटा बिरखाई उ.स.
५९ जोइल तोपनो फुरका
६० टेपा सहि जुसफ तोपनो उरमी
६१ टेपा सहि सुलेमान तोपनो मकनी
६२ टेपा सहि दनेल हेमरोम बिरखाई
६३ टेपा सही मंगल तोपनो बिरखाई
६४ टेपा सही पौलुस तोपनो बिरखाई
६५ - Premchand Topno Patkura
६६ - Jawar Horo Birkhai
६७ - Anand Masih Topno Pakua
६८ --- मनसिह तोपनो बिरखाई
६९ -- मसीहदास तोपनो मकनी
७० सुलेमान तोपनो पावना
७१ सही आनन्दमसीह तोपनो उरमी
७२ टेपा सही पौलुस तोपनो उरमी

उड़िकेला

1 Zakria Kongari
2 सोहन कोनगाड़ी
3 कृपा कोनगाड़ी
4 L. Kongari
5 Ednem. Kongari

6 ठेपा सही
सिलास कोनगाड़ी

ठेपा सही
6 सपुस तोपनो
मरकस कोनगाड़ी

8

9. Daud Kongari
10 मसीहदास कोनगाड़ी
11 - मोहमोया कोनगाड़ी
12 - Herman Kongari
13 - इतिहल कोन गाड़ी
14 Suleman Kongari
15 ठेपा सही
प्रस कोन गड़ी
16 Mansidh Kongari
17 ठेपा सही
थोमस कोनगाड़ी
18
मानसिद्द कोनगाड़ि
19 अबरहाम कोनगाड़ी
20 ठेपा सहि
मनमसीह कोनगाड़ी
21 ठेपा सहि बेनेदिक गुड़ीया
Joseph Kongari

23 मरसा गुड़िया
24 ज़ौलिना हमसोय
25 सरहा कोनगाड़ी
26 राहेल कोनगाड़ी
27 बिलासी हेरेंज
28 सुसाना हेम्ब्रोम
29 ठेपा सहि
रहिल कोनगाड़ी
30 प्यारी कन्डुलना
31 ठेपा सहि
अलिसा कोनगाड़ी
32 ठेपा सहि
मुनिका कोनगाड़ी
33 ठेपा सहि
मुक्ता कोनगाड़ी
34 लामुस मड़की
35 ठेपा सही हेरमेदन कोनगाड़ी
36 ठेपा साही जोहन कोनगाड़ी।
37 ठेपा साही
बेरथा कोनगाड़ी।
38 - रूमन कोन गाड़ी
39 - ईलियाजार
ईलियाजार
बैंड

४० रेपा नुहि इलियस कोनगाड़ी

४१ Jonathan Kongari

४२ मरटीन कोनगाड़ी

४३. तिमोथियस कोनगाड़ी

४४. हेलन गुड़िया

४५. मसीहदास कोनगाड़ी

Church Council
Received 1/5/54
Register No.
Date
File
Reply No.
Date

2V

The C.C. Secretary
G.E.L. Church Ranchi
Through synod president Govindpur synod.

आप के चिट्ठी नं० 101-14/54 ता० 21-4-54 और चिट्ठी नं० 1015-18/54 ता० 21-4-54 की चिट्ठी को 27-4-54 को पाये।

Rev. S. Hemrom हेड मास्टर के डिसमिस होने और पादरी सेवकाई के काम से अलग किये जाने की नोटिस को Rev. S. Hemrom भी पाये। वरतमान स्थिति इस प्रकार है।

(a) Rev. S. Heramom हेड मास्टर से डिसमिस हो जाने को नहीं मानते हैं। वे अब तक स्कूल में पढ़ाने के लिये जाते हैं।

(b) S. Hemrom M.C. secretary के नाम से केवल अपने पार्टियों को मिटिंग के लिये नोटिस दिये और बुलाये। ~~कोई~~ किसी अभिभावकों को इस मिटिंग का खबर को नोटिस नहीं नहीं दिये।

(c). 29-4-54 को स्कूल आम सभा के नाम से मिटिंग किये, इस मिटिंग में मरचा Propose हाई स्कूल के M.C. को उठा दिये और नया M.C. बनाये। मेम्बरों का नाम अब तक मुझे मालूम नहीं है।

(d) S. Hemrom को M.C. secretary बनाये और हेड मास्टर भी बनाये। नाम — मरचा प्रस्तावित हाई स्कूल नाम को उठा कर नया नाम "मरचा मेरिय पब्लिक हाई स्कूल रखे" और सरकार को ~~दे~~ देंगे। कौन्सिल को सिनोद से सम्बन्ध नहीं रखेंगे। इस प्रकार के अनियमित काम चल रहे हैं। सो चेरमैन को इलाका S. Heramom को स्कूल को चार्ज लेने से असमर्थ होते हैं। क्योंकि ज्यादा मेम्बर उन्हीं के पार्टी के लोग हैं।

(e). 14-4-54 के इलाका सभा में Rev. S. Hemrom हेड मास्टर से डिसमिस होने का और पादरी काम से अलग होने का नोटिस को सभा में पढ़ कर सुना दिया गया। इस के बाद इलाका मिटिंग में गोलमाल और झगड़ा शुरू होगा और किसी बात का निपटारा नहीं होने सका।

(F) मैं रिपोर्ट के साथ अपनी दीन अरजी पेश करता हूँ कि इस प्रकार के अनियमित काम तुरन्त रोक दिया जाय। और स्कूल को D. I. को भी इस अनियमित कार्य को सूचित करायेंगे।

(g). मरचा प्रोपोज हाई स्कूल का हेड मास्टर डिसमिस हो गया उन के जगह में दूसरा हेड मास्टर भेजा जाये ~~कि~~ या तो सके कोई दूसरा मास्टर हेड मास्टर बनाये जाये।

प्रतिलिपि C.C. Secy. G.E.L. church Ranchi.
Rev. C. K. Verpra Govindpur Synod ~~Synod~~ President,
नकल कार्य के निमित्त भेजी गयी है।

आप का विश्वासी सेवक
K. M. Topono
Ilaka chairman
Marcha Ilaka.
30-4-54

Received on 4.5.54 and forwarded to C.C. Secy for necessary action
Rev. K. Bhengra(?)
President
1.5.54

No 2020/54 2V

4th May, 4.

To

The District Inspector of Schools, Ranchi.

Dear Sir,

It has been reported to me that a certain section of the people of Marcha have unauthorisedly approached you for converting the proposed Lutheran High School at Marcha into a Sarvodaya School. I am told that Samuel Hemrom, the ex-Headmaster of the said school personally saw you in this respect. He has been dismissed for gross misconduct and he has no right to continue any more neither as its Headmaster nor as its Secretary.

The misguided public of Marcha cannot decide about the fate of the Institution when the G.E.L.Church Council is the proprietor of the said school.

It is requested that without consulting the Church Council no arrangement should be made to convert the school into a Sarvodaya one, especially with the unauthorised individuals or society.

Yours faithfully,

[signature] . 4/5

Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

B.L.4/5/54.

नकल

2-D

Tali G.E.L. church
Takarma synod.

To

The. Secretary G.E.L. church Ranchi.

Date 16.3.54.

Church Council
Received... ...
Register No ...
Date...22-3-54
Fi ...
Reply No...
Dat. ...

महाशय, हम टाटी के पंचगण और प्रचारक निम्न लिखित सवाल पूछते हैं कृपा कर हम लोगों को समझा दीजिये :—

(1) इस प्रकार का वचनदत्त और शादी जायज है या ना जायज है ?—

किसी ने एक दुलहिन को ठीक से वचनदत्त किया। पुकार खतम था। इसी दरमियान में किसी दूसरे ने फिर दूसरी दुलहिन को वचनदत्त कराने के लिये उसी दुल्हा के नाम से वचनदत्त एकरार नामा लिख दिया और उसमें पंचों का नाम भी लिख दिया— उस चिट्ठी से दूसरी दुलहिन को वचनदत्त दिया और आखिर में पादरी ने उस दूसरी दुलहिन को आ... दुल्हा को शादी दे दिया। मचो पादरी K.M. Tojono ने ठीक ऐसा ही वचनदत्त और शादी दिया है।

उसका संक्षिप्त बयान नीचे लिख देते हैं — पकना का श्री प्रभुदयाल तोपनो हल मोकाम कन्हैया चट्टी जिला हजारी बाघ १९५३ ई० में कन्या, बुधन वारी की बेटी मगदली वारी टाटी को श्री ... और श्री ... की अगुवाई में बन्दोबस्त किया। अपने छोटा भाई प्रभुशरण तोपनो के लिये और लोटा पानी भी हुआ इसका वचनदत्त 30-12-53 को मान्यवर पादरी पु० एम० डांग पेरिश चेयरमैन ने टकरमा पेरिश हेड क्वार्टर्स में चिट्ठी द्वारा वचनदत्त कर दिया। मण्डली में पुकार खतम हुआ। इधर कुटुम्ब शादी की तैयारी करने लगा।

इसी दरमियान श्री प्रभुदयाल तोपनो, मौजा पिम्पी की लड़की मरसा कुरिन, जो कि S.P.G. चर्च की थी प्रभुशरण तोपनो के लिये दूसरी बन्दोबस्त की। वचनदत्त के लिये मान्यवर सिनोड प्रेसिडेन्ट हजारीबाघ की सिफारिश चिट्ठी 4-2-54 ई० को लायी। 6-2-54 को श्री प्रभुशरण तोपनो का एकरार नामा जिसमें सिनोड प्रेसिडेन्ट की सही नहीं थी। 11-2-54 को श्री प्रभुशरण तोपनो और मरसा कुरिन को मान्यवर पादरी इलाका चेयरमैन मचो ने वचनदत्त कर दिया और 14-2-54 को पुकार शुरू हुआ। S.P.G. चर्च के आज्ञा से हमारी कलीसिया का आज्ञा बताके।

इसके बाबत में हमों ने 19.2-54 को मचो पादरी के यहां आये। वचनदत्त एकरार नामा को पादरी भी मान लिया कि यह दूसरी की है। तब हम लोगों ने मुंह से भी बोले पुकार बन्द करने का — और पादरी साहब भी बोले कि कानूनन होना चाहिये।

एक किता 19-2-54 ई० को मण्डली की ओर से भेजा गया। दूसरी किता 21-2-54 ई० को सिनोड प्रेसिडेन्ट और पेरिश चेयरमैन को सही साथ नकल भेजा गया। जिसको पादरी साहब ने 23-2-54 ई० को कुसाटोली से पाये। तो भी पुकार बन्द, महाशय ने न किये। क्यूंकि कानून बात आपस में तैय नहीं है।

26-2-54 को टाटी प्रचारक पत्र को, पादरी साहब ने चिट्ठी दिये कि " मैं चिट्ठी अफसोस में नहीं पाया। पुकार बन्द नहीं कराया। विषय जटिल है। विषय को अन्त करने के लिये, टाटी के पंचगण लड़की को साथ में लेकर, पिम्पी के पंचगण लड़की को साथ में लेकर, खेर आई के पंचगण लड़का को साथ में लेकर ता० 1-3-54 को 2 बजे पहुंच आवें। क्योंकि लड़का = दो लड़कियों को शादी के लिये वचन दिया है। लड़का की बात को अन्त करेगा "।

टाटी के पंचगण और प्रचारक 1.3.54 को पादरी साहब की चिट्ठी मोताबिक मचो आने के लिये चले। लेकिन पिम्पी के प्रचारक बाबू मोहन तोपनो ने हमों को बताये, कि 22-2-54 को ही खेरखाई मण्डली जाकर मण्डली और पंचों के सामने लड़का को काबूलियत लिया। यही देख के पिम्पी की लड़की को ही शादी करने की बात तय कर, पादरी अन्त किया है। इसलिये हमलोग मचो नहीं पहुंचे।

पादरी साहब ने हमों के नियामित उजूर को नामंजूर कर एक तरफी विचार किया। अभी पदेश क पादरी हो कर के सभी तरफ दरियाफत करना चाहिये था।

पर पादरी साहब K. M. Topno ने धर्म गुरु हो कर हमों को बड़ा धोखा दिया है। हम लोग पादरी साहब से ऐसा धोखा, अन्याय, पक्षपाति न्याय नहीं देखना चाहते हैं।

पादरी साहब से हमों को यह भी ज्ञात है कि आपुहल की पत्नी पादरी साहब को झूठ भ्रम लगाते हैं।

नोट — (१) पादरी साहब से १५-२-५४ को कुरकुरा बाजार टांड में मुलाकात हुई थी। अपना प्रचारक, मोहन बाखला ने जो बात हमों को बताये वही बात पादरी ने भी बताये।

(२) हमारा सिनोड प्रेसिडेन्ट ने बन्द करने का हुकुम नहीं दिया इस लिये नहीं बन्द किया कहते हैं। जब कि अपने भीतर इसका पक्षी धारता हो कर, क्यों दूसरे का मुंह देखता है? बन्द कराने का।

आपका विश्वासी
प्रचारक हाकिम खुड़िया
तारीख १६-२-५४

Master A. P. Surin
16-2-54.

Mandli Secretary Manmasih Bage
16.2.54.

सही गेब्रियल बागे ता० ख: ता० १६-२-५४
जकरिया बागे तारीख ता: ख १६-२-५४

To
The Secretary
G. E. L. Church
Ranchi

मरचा
6-5-54

Church Council
Received... [illegible]
Register No. 268 CC
Date 8/5/54
Fi. 2-V
Reply No. ....
Dat. ....

To
the C.C. Secretary वो Ho. Supervisor,
Lutheran school, G.E.L. Church Ranchi

महाशय,

मैं आपको मरचा इलाका की स्थिति को 30-4-54 में रिपोर्ट दिया। फिर मैं रिपोर्ट देता हूं कि

(a) S. Hemrom 2-5-54 के इतवार को मेरोमबिर प्रचारकपन में जा कर के गिरजा किये।

(b) श्री B. Dangowar खुंटी हाई स्कूल के मास्टर श्री एनेम पुर्ती खुंटी, को हमारे मरचा लुथेरान मिडिल स्कूल में भेजे हैं। श्री एनेम पुर्ती को हम लोग पूछे कि आप को कौन संस्था भेजे हैं? श्री एनेम पुर्ती बता नहीं सके। हम लोग स्कूल में जगह नहीं दिये, पर S. Hemrom वादा दिये हैं। हमारे लुथेरान मिडिल स्कूल में शिक्षक आये हैं।

(c) श्री B. Dangowar के 30-4-54 की चिट्ठी की नकल को आप के पास भेजता हूं। इस प्रकार के अनियमित काम के वजह से पेरिश बिल्डिंग का M.C. बिल्डिंग भी नहीं होने पाती है। मैं अर्जी करता हूं कि इस प्रकार के अनियमित काम को रोकने के लिये शीघ्र S. Hemrom पर कारवाई जारी कर दिया जाये कि वे मिशन घर से निकाल दिया जाये।

आप के आज्ञाकारी सेवक.
K.M. Topono
Ilaka chairman
Marcha
6-5-54

नकल   खूंटी
                                        ३०-४-५४

मान्यवर पादरी बाबू K.M. Topno आप को मेरा यीशुसहाय।

एतेम पुर्ती के बाबत जो चिट्ठी आप ने स्कूलों के आध्यक्षों को लिखा है सो इस वक्त ठीक नहीं मालूम होता है। एतेम पुर्ती वहां काम करना जारी रखें और आप इस का रिपोर्ट सिनोद में और C.C. को भेज दीजिये, उस के बाद यह बात M.C. में पेश होना चाहिये * और M.C. कानूनानुसार विरोध करेगी कि इस प्रकार नियुक्ति नहीं होना चाहिये, इस वक्त एतेम बाबू को नहीं रोकना चाहिये नहीं तो सरकारी हुकुम नहीं मानने का आरोप हम लोगों पर लगाया जा सकता है, इसलिये अच्छा कि इस को न रोका जाये। एतेम बाबू Dy. I. of School Khunti से मिले थे, डिप्टी साहब सुन कर बहुत बिगड़ गये, कि आप लोगों ने एतेम बाबू को वापस भेज दिये, इस लिये मैं एतेम बाबू को फिर भेज ~~दिया। रहा~~ रहा हूं। मेहरबानी करके इस को स्कूल में काम करने की इजाजत दीजिये।

आप का विश्वस्त

B. Dangwar

30/4/54

To
the C.C. Sctry
& H.D. Supervisor
Lutheran school
G.E.L. Church
Ranchi

Church Council
Received... PR [illegible]
Register 260. CC
Date... 5/5/54
Fi 2
Reply No...
Dat. ...

De 595

President
for perusal. Rev. Hemrom is still continuing his work as Headmaster of the Marcha H. School. He has dissolved the former managing committee & has formed a new one & he becomes its Secretary. The situation seems to be grave. Please suggest any step he should be taken. The action taken by him is illegal. 5/5
[signature]

To
The C. C. Secretary
G. E. L. church Ranchi
Through synod president govindpur synod.

महाशय,

आप के चिट्ठी न० 101-14/54 ता० 21-4-54 और चिट्ठी न० 1015-18/54 ता० 21-4-54 को चिट्ठीयों 27-4-54 को पाया। Rev. S. Hemrom, हेड मास्टर के डिसमिस होने और पादरी के सेवा काई के काम से अलग छुड़ाये जाने की नोटिश को Rev. S. Hemrom पाये। वरतमान स्थीति इस प्रकार है।

(a) S. Hemrom हेड मास्टर से डिसमिस होने को नहीं मानते हैं वे अब तक स्कूल में पढ़ाने को जाते हैं।

(b) S. Hemrom M.C. Secy. के नाम से केवल अपने पटियों को मिटिंग के लिये बुलाये और उन्हीं को केवल नोटिश दिया। किसी भी शिक्षकों को इस मिटिंग का खबर और नोटिश नहीं दिया। स्कूल आम सभा के नाम से मिटिंग

(c) 28-4-54 को आम सभा के मिटिंग में — मरचा प्रस्ताविक हाई स्कूल के मेनेजिंग कमेटि को उठा दिये (डिजोल्व किये) और नया M.C. बनाये। मेम्बरों का नाम अब तक मुझे मालूम नहीं है। S. Hemrom को हेड मास्टर और M.C. Secy बनाये।

(d) नाम —— मरचा प्रस्ताविक हाई स्कूल नाम को उठा दिये और नया नाम "मरचा पेरिश बवलिक हाई स्कूल रखे" और सरकार को देंगे। C.S. को सिनोद से सम्बन्ध नहीं रखेंगे। इस प्रकार के अनियमित काम कर रहे हैं। सो इलाका चेयरमैन ~~को सिनोद~~ को इलाका उस को स्टेप को चार्ज लेने से ~~अ~~ असमर्थ हो रहे हैं। क्योंकि इलाका मेम्बर ज्यादा उन्हीं के पटी के लोग हैं।

(e). 14-4-54 के इलाका मिटिंग में Rev. S. Hemrom हेड मास्टर से डिसमिस होने का और पादरी सेवाकाई के काम से छुड़ाये जाने की नोटिश को सभा में पाढ़ कर के सुनाये। इस के बाद में इलाका मिटिंग में गोलमाल को झगड़ा हो गया और किसी बात को विचार नहीं होने सकी।

(F) रिपोर्ट के साथ मैं अपनी विनती आजी पेश करता हूं कि इस अनियमित को कामों को तुरन्त रोक दिया जाये और ~~के~~ स्कूल के D.I. को इस अनियमित काम को सूचित करायेंगे।

(G). मि० हाई स्कूल के हेड मास्टर के जगह में तुरन्त एक दूसरा हेड मास्टर भेजा जाये या कोई मास्टर हेड मास्टर बनाया जाये।

आप के आज्ञाकारी सेवक -
K.W. Toppo
Ilaka Chairman
Marcha Ilaka.
30-4-54

इस का एक नकल Rev. C.K. Tirkey, Synod President Govindpur Synod को काम के लिये दिया गया है।

K.W. Toppo

Rev. C. K. Bhengra, [handwritten initials] 2-V

Ref No. 29/54

G.E.L. CHURCH GOVINDPUR
JARIAGARH P. O.
RANCHI DISTRICT.

Date 30th April 1954

Church Council
Received. 10.[illegible]
Register No. 255
Date... 3/5/54
... 2-V
Reply No.
Date

The Secretary, C.C.
G. E. L. church Ranchi.

Mahashay,

29.4.54 ko Jubilee High School ki managing Committee baithi jis men yeh phaisla huwa ki Mr. H. P. Das Jubilee High School ka Head Master niyukt kiya jay. C.C. member shri Premchand Horo lafsa se malum huwa ki shri Naeman Toppo ka beta hal hi men Training college se nikle hain. yadi C.C. achha sochte hai to Shri Naeman Toppo ka beta Jubilee High School ka Head Master niyukt kiya jay. Mr. H. P. Das ke upar sepaiye ka mukadma Khunti men hai. 29.4.54 ko mukadma ka tarikh tha.

Ap ka bishwast
C. K. Bhengra

Ren 95

President for perusal

The managing Committee ~~approves~~ ~~the appt~~ gives its favourable opinion ~~about~~ in appointing Mr. Das, but an embezzlement suit is pending against him! Would it be advisable to appoint him as HQ master in the present situation?

be 95

Copy of the minutes of M.C. meeting, Jubilee High School, Govindpur, held on 29th April, 1954.

Church C...
Received... [illegible]
Register No. 2590
Date... 5/5/54
Fi. 2-1/2
Reply No. ....
Dat. ....

गोबिन्दपुर जुबिली हाई स्कूल के मैनेजिंग कमिटी की बैठक २९-४-५४ को सुबह ८ बजे स्कूल सदन में हुई। सभा प्रार्थना के साथ आरम्भ हुआ। सभा में निम्न लिखित सदस्य उपस्थित थे।

Not advisable
J.C. [illegible]
5/5/54

१ Rev. सी. के. भेंगरा
२ श्री० आर सी राम
३ श्री० एन मिश्र
४ श्री० एस तोपनो
५ श्री० मानसा मुन्डा
६ पं० जानकी किशोर पाठक
७ श्री० पी० एच बखला

मिडिल स्कूल के मैनेजिंग कमिटी के निम्न लिखित सदस्य भी मिटिंग में उपस्थित थे।
श्री० बाल कृष्ण साहू श्री० सी.बी. होरो, श्री० एस तोपनो

३ गत मिनट का मिनट पढ़ा गया और सर्व सम्मति से दृढ़ाया गया।

४ मिनट से आने वाली बाते :- हेड माष्टर ने बताया कि हिसाब का आॅडिट (Audit) नही हुआ है। तब सर्व सम्मति से फिर निश्चय किया गया कि हिसाब अवश्य ही आॅडिट (Audit) होवे।

५ हेडमाष्टर की बदली - सभापति ने सभा को जनाया चूंकि हेडमाष्टर की बदली रुकसा हो गयी है, अतः उन्हें हमे छुट्टी देना है। सर्व सम्मति से यह तय किया गया कि हेडमाष्टर को १५वीं मई से स्कूल से छुट्टी दी जाय ताकि वे अपने नये जगह में सुसमय में जा सके। यह भी तय किया गया कि चार्ज देने के पहले Account Audit किया जाय। फिर यह संकल्प हुआ कि कमिटी हेडमाष्टर को उनके काम के लिये बधाई देती है।

६ नये हेडमाष्टर की नियुक्ति - सभापति ने बताया चूंकि श्री० पी० डी० बाड़ा गोबिन्दपुर नहीं आ रहे हैं हमे एक दूसरा हेडमाष्टर नियुक्त करना है। तब कौंसिल सेक्रेटेरी की चिट्ठी नं० १०१६-१६-५४ ता० २१-४-५४ पढ़ी गयी। उससे पता चला कि श्री० एच पी० दास बी० ए० डिप. एड. ने हेडमाष्टर के लिये C.C. सेक्रेटेरी के पास दरखास्त दिया है। तब कुछ वाद-विवाद के पश्चात यह संकल्प किया गया कि श्री० एच० पी० दास बी० ए० डिप. एड. महंगी भत्ता के अलावे १४०) एक सौ चालीस रुपैये माहवारी वेतन पर नियुक्त किया जाय।

७ सेक्रेटेरी का इस्तीफा - सेक्रेटेरी ने दरखास्त दिया चूंकि उनकी बदली रुकसा हो गयी है। वे आगे को सेक्रेटेरी का काम नहीं कर सकेंगे। तब सर्व सम्मति से उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया गया। उनके एवज में फिलहाल कोई सेक्रेटेरी नहीं चुना गया। सेक्रेटेरी का काम Vice-Chairman को सौंपा गया।

८ श्री० के के मिश्र की नियुक्ति का पुष्टि करना :- हेडमाष्टर ने रिपोर्ट किया कि C.C. ने श्री० के के मिश्र को गोबिन्दपुर जुबिली हाई स्कूल का सहायक शिक्षक नियुक्त किया है। कमिटी ने सर्व सम्मति से उनकी नियुक्ति की पुष्टि की। श्री० मिश्र की छुट्टी के लिये दी गयी दरखास्त सभा में पढ़ा गया। सभा ने उनकी छुट्टी वेतन रहित मंजूर की।

९ श्री० जोन खाल्को का दरखास्त :- श्री० जोन खाल्को ने अपने तलब में वृद्धि करने के लिये दरखास्त दिया। दरखास्त पढ़ा गया। अन्त में यह

P.T.O.

[illegible]

निर्णय किया गया कि अभी (At Present) की परिस्थिति में कमिटि तलब में वृद्धि देने से लाचार है। श्री० एस होरो किशोरी का तलब स्केल में लाया गया याने ३५/ रु० माहवारी ~~मई महीना~~ मई १९५४ से।

सभा एक छोटी प्रार्थना के साथ अन्त हुआ।

Sd/- पी० एस बारजो
मंत्री.

No- 237/54 Date - 3/5/1954

Copy forwarded to the Secretary G. E. L. church in ~~Assam &~~ Chotanagpur & Assam for information.

[illegible]
Secretary
Jubilee High School
Govindpur.

No. 11/54 2-V Govindpur
13.2.54

Church Council
Received... [illegible]
Register No. 75 CC
Date 17/2/54
Fi. 2-V
Reply No. ......
Date ......

Mangawar C.C. Secy ko Yishusahay!

Ap ka P.C. No. 198/54 mila. Ap ki Chitthi No. 26 + 41/54 dt. 5.1.54 ke anusar Hamrom ne Sioni ko agrach kiya. "Chitthi men likhi gai hai" for feeding etc. for the Director and others, Synod will bear the cost. In every gathering which he addresses, Sioni will be realised to meet such costs."

(2) Marcha men 11.2.54 ko Synod Meeting baithi jis men bishesh karke Rev. S. Hamrom badali ki bishay bat chit hui. C.C. ka phaisla unko sunaya gaya aur samjhaye gaye ki Synod ne appeal kiya. Usi appeal ke anusar C.C. ne phaisla ki Rev. S. Hamrom ka transfer hawa. Is men Synod ko aur kahne ka

nahin hai. C.C. ka phaisla final hai. Meeting men kewal 3 janon ne injur kiya. (1) Shri Habil Barla, Memmbir (2) Shri Simon Kongari Memmbir. (3) Cate. Mansukh Topno. Inhon ne kaha ham Samuel Hemrom padri jane nahin denge. Rev S. Hemrom ~~folo~~ bhi puchhe gaye ap charge ~~diya~~ dijiye aur badali jaiye. Jabab dijiye. Rev S. Hemrom ne kaha "Main bhaiyon se bandha gaya hun" unko C.C. ke phaisla na manne walon ka kharab natija bhi bataya gaya. we Chup chap the. Synod ka Extract bhi Synod Secy se ap ko milega. Synod Shri Simon Kongari, Shri Habil Barla aur Cate Mansukh Topno ke upar March ke Synod baithki men sakt karrawai karegi

P.T.O

C.C. ko Rev. S. Hemrom ke upar phir bhi sabt bichar karna hoga. Government ki or se bhi usko jauch rupaiye ke bishay ho raha hai.

Ap ka bishwast
C. K. Bhengra
Synod President

G. E. L. Church
Kotbo
3rd July
1940

To
The Secretary
G. E. L. Church Ranchi.

Sir,

According to the final resulution of C. C. I came to Kotbo. On the 23rd of June I assined here. I am employed by the Synod President of Govindpore in my service. I began my service from the 25th of June.

My travelling expences are noted bellow:—

Takarma to Kotbo employed ~~three~~ Bharias 2 rupees perhead. or Rs 6-0-0 Bharia charge.

Crossing of river cost Rs 4-0-0

Total expences Rs 10/-/- ten rupees only.

Yours faithfuly
Rev. S. S. Soy.
Kotbo Parish.

Rec'd
17/11/53

2-V

श्रीयुक्त मन्यवार छोटानागपुर और आसाम के लूथेरान कलीशा के चार्च कौंसिल सेक्रेटेरी को यीशुसहाय।

महोदय।

दीन पूर्वक चार्च कौंसिल को इस छोटी लेख से खबर देना ही कुशल समझा।

श्रीमान महोदय।

मैं लिखने के पहले चार्च कौंसिल से गलतियों का छामा प्रदान चाहता हूं। मैं मर्चा इलाका के अशांति भाई-बहनों की ओर से ~~अपील~~ चार्च कौंसिल को हमारे अपील दरखस्त समेत तीन पत्र लिख चुका हूं। जिसमें मर्चा इलाका और मर्चा लूथेरान मिडिल स्कूल मेनेजिंग कमिटी मेम्बरानों में अधिकांश मेम्बरानों को चाटुकार मेम्बरान साबित कर देना और उनका इलाका रिपोर्ट और स्कूल सम्बन्धी रिपोर्ट को; ~~वे~~ जो पादरी S. Hemrom के School account के बाबत; वे जहां कहीं भी दिये हैं सो बिलकुल ठगी रिपोर्ट साबित कर देना ही लिखा हूं।

अब आगे चल कर चार्च कौंसिल स्वंय देखेंगे कि मामला सच्चा है या झूठा है। हाल में ता० ११ नोवेम्बर १९५३ के इलाका सभा में ये चाटुकार मेम्बरान गोबिन्दपुर सिनद से मर्चा इलाका का सम्बन्ध हर प्रकार से तोड़ देने का बहास किये और तोड़ दिये। इसका साबित उनके काम से देखा गया; कि वे सिनद सभा में जाने और उपस्थित होने से इनकार किये। उनका बहास यह भी हुआ कि मर्चा इलाका केवल चार्च कौंसिल से सम्बन्ध रखेगी। उन चाटुकारों का यह बहास मर्चा मिडिल स्कूल के account (रकम के देन) से और बदलो से पादरी S. Hemrom को मुक्त कराने का तरकीब है।

अब इस मामला पर चार्च कौंसिल का क्या न्याय है। मर्चा इलाका मरचा ही छोड़ा जाता है या अवाद किया जाता है। मालिक चार्च कौंसिल है। श्रीमान महोदय। मर्चा मिशन खेत की खेती आमदानी और स्कूल बगान आमदानी; S. Hemrom पादरी होने के कारण ही से उनके ~~[illegible]~~ अनियमित घटा ~~के~~ पूर्ती में लगाया जावें या साल साल कौंसिल या कलीशा को आमदानी मिले?

आप का विश्वास्त
अशांति भाई-बहनों की ओर से
प्रभुदयाल तोपनो अमा
खेरखाई प्रचारकपन

१५-११-५३

Church Council
Received... 23/1/54
Register No.........
Date.............
Fi. ....
Reply No.........
Date ....

No 3/54

33CC

2-V

G. E. L. Church
Govindpur
20. 1. 54

Manjawar C. C. Secy N. E. Horo ko Yeshusahay!

Ap ki L No. 111 - 12/54 mila. Govindpur Synod Rev. S. Hemrom ki badali ko final manti hai. Synod ko ujur karne ka nahin hai. Morcha men koi 2 Rev. S. Hemrom ke badali ke bishay ujur karte hain. Unko pakarna hoga aur unke upar karrawai karna hoga. Darkar hoga to golmal karne walon ko dand dena hoga tab golmal saph hoga. Synod Morcha men 11. 2. 54 ko baithegi aur karrawai karegi. Rev. S. Hemrom transfer na jay to unko School se chhutti dena chahiye.

Shubh
C. K. Bhengra
President
Govindpur Synod
20/1

30/1/54

Advance Copy

2-V

From - Marcha Ilaka Sabha

Dated the 27-th Jan 1954.

Church Council
Received.... 176 C
Register No........
File.... 2-V
....
Reply No.............
Date...............

To The Secretary G. E. L. Church Council
Ranchi

महाशय,

आप को ता: ६-१२-५३ का इलाका सभा के मिनिट का एक्सट्रैक्ट जानती के लिये भेजा जाता है।

It has not come through the Synod. Ilaka chairman's signature is necessary
Lez, 1.24

M. Aopno.
Ilaka Secretary Marcha
27-1-54.

"मरचा इलाका सभा ता: ६-१२-५३ के मिनिट का एक्सट्रैक्ट,,
विषय न० २ दरखास्त + चिट्ठी।
C.C. से चिट्ठी जो Rev. S. Hemrom की बदली के सम्बन्ध में Rev. S. Hemrom को भेजी गयी थी सो इलाका सभा मे पेश किया गया और पढ़ा गया। चिट्ठी अंग्रेजी में थी अतएव उसका अर्थ हिन्दी में बताया गया। Rev. S. Hemrom की बदली के विषय चैयर मैन ने कहा कि C.C. ने बदली का ~~अन्त~~ आखरी फैसला किया है। इस लिये इलाका को उसके विषय वो बात विचार करने का नही है। पर ~~कोई~~ इलाका मेम्बर सब चिट्ठी की बातों को अनेक तर्क वितर्क किये। उसमें से एक यही थी कि नियमावली के मोताबिक बदली के विषय Synod की मंजूरी का दरकार क्यों नही है?।
अन्त में सभा ने फैसला किया कि एक आपत्ति-उजुर दरखास्त C.C. को भेजा जाय और उसका नकल सिनोड को भी दिया जाय। फिर चेयर मैन ने कहा कि उस दरखास्त में हम को सही देना नही बनेगा। क्योंकि मैं C.C. ~~के~~ का बवेदार हूँ। इलाका सभा के नही है।"

This should have come thru Ilaka Sabha with signed chairman's signature & sub. necessary copies 4

Advance Copy

To,
The Secretary G. E. L. Church Council Ranchi,
from Marcha Ilaka Sabha,

Dated the 27th Jan 1954.

महाशय,

मर्चा इलाका सभा की ओर से आप को यीशुसहाय !

हम मर्चा इलाका की इलाका सभा निम्नलिखित अर्जी आप के चरणकमलों पर पेश करते हैं इस आशा से कि आप इस पर उचित विचार करके उस अनुसार हुकुम फरमावें जिससे मर्चा इलाका और कलीशा की भलाई हो !

१ला :— चर्च कौंसिल ने फैसला किया है कि Rev. S. Hemrom मर्चा से खूटी येली बदली में जाय। मर्चा इलाका सभा समझती है कि चर्च कौंसिल के इस फैसला अनुसार Rev. S. Hemrom बदली में चले जाय तो मर्चा इलाका को बहुत भारी नुकसान होगा और इलाका को सम्भालना प्राय: असम्भव हो जायगा। उसके कुछ वजह ये हैं :—

(क) — मर्चा मिड्लि स्कूल का चार्ज श्री मसीहप्रकाश कोनगाड़ी से अभी तक नहीं मिला है। शासन और अनुशासन के ख्याल से यह निहायत जरूरी है कि Rev. S. Hemrom के रहते ही मिडिल स्कूल का चार्ज मिल जाय। नहीं तो स्कूल को बहुत भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

(ख) :— मर्चा हाई स्कूल मकान बनाने वास्ते इधर उधर से पैंचा अथवा कर्जा करके रुपया लिया गया है और वोभी मकान अभी तक पूरा नहीं बना है उन रुपयों को चुकती तथा मकान को पूरा करने का काम तब ही हो सकता है जब Rev. S. Hemrom यहां मौजूद रहेंगे।

(ग) :— मर्चा में एक होस्टल और शिक्षकों के रहने के लिये मकान बनाना जरूरी है, जो अति शीघ्र होना चाहिये यह काम भी बिना Rev. S. Hemrom के नहीं हो सकेगा।

(घ) :— मर्चा हाई स्कूल की आर्थिक दशा इतनी बुरी है कि कोई महीना शिक्षकों को पूरा वेतन नहीं मिलता है। नतीजा यह होता है कि जहाँ तक हो सकता है दूसरे शिक्षकों को पूरा वेतन देकर Rev. S. Hemrom के लिये महीना करीब १५) रु० या २०) रु० बचता है और उसी से वे सहकर किसी तरह काम चला लेते हैं। दूसरे हेड मास्टर के आने से वे ऐसा नहीं कर सकेंगे।

(ङ) :— खूंटी के डिपुटी इन्सपेक्टर के किराने ने रुपया पैसा के ममले में भी Rev. S. Hemrom को फंसाने की कोशिश हो रही है। इसलिये भी इनका यह रहना जरूरी हो गया है। इसलिये मर्चा इलाका सभा दीनतापूर्वक अर्जी करती है कि Rev. S. Hemrom की बदली रोक दी जाय।

N.B. ता: १४-१२-५३ को कलीशा प्रेसिडेन्ट को भी इसका नकल दिया गया है।

आप के विश्वस्त
मर्चा इलाका सभा की ओर से
Ilaka Secretary - M. Topno. 27-1-54.

OFFICE OF THE SECRETARY, G.E.L.CHURCH, CHOTANAGPUR & ASSAM.

NO. 205 /54.

2-V

G.E.L.CHURCH COMPOUND,
RANCHI.
The 25th January, 1954.

To

Rev.C.K.Bhengra,
Synod President,
Govindpur Synod,
Govindpur,
P.O.Jariagarh.

Dear Rev.Bhengra,

Received your letter No.2/54 dated the 18th Jan: 1954.

Please send proposals for any amendments in the constitution of our Church.

Before Mr.Barjo hands over charge all accounts of the school be internally audited.

Yours sincerely,

25/1

Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

B.L.25/1/54.

2-V

No. 8/54 Govindpur
29.1.54

Manyawar C.C. Secy ko
yishusahay!
Jab Pracharak
Training School yahan
March men khulega to
Bench Taible, Kursi aur
class room ko thik
karna hoga jiske liye
paisa darkar hoga.
Jisky estimate bhi
C.C. ko diya gaya
hai C.C. meeting ke
samay jab iske bare
phaisla huwa.

Shubh
C.K. Bhengra

Church Council
Received ...
Register No. 5-C.C.
Date 2.2.54
Fi. 12/13
Reply No. ......
Dat. ......

No. 208/54 2-V

From, The Headmaster
Jubilee Highschool,
Govindpur.

Church Council
Received ...
Register No. ...
Date 2/2/54
...
Reply No. ...
Date ...

To
The Secretary,
G.E.L. Church Chot. and Assam.
Ranchi.

Govindpur the 29th January 1954.

Sir,

With reference to your letter No. 116-17/54 dated the 15th January I beg to say that I want to stay at Govindpur till the examination business of the sent up candidates for annual S.S. Examination 1954 is finished. That is to say the assessment work of the sent up students be completed and the checking of assessment work be completed by the assessment committee. Because to leave it incomplete means to ruin the students. This assessment work is very important for the passing the examination.

Under the above circumstances I request you to extend the date of transfer till those works be finished, if it is to be effected at once.

Yours faithfully
P. S. Banerjee
29/1/54
Headmaster.

190/54 2-2

23rd January , 4

To
Miss A.Diller & Miss H.Schmidt.,

Dear Misses Diller & Schmidt,

Thank you for your air mail of the 15th ins Yes,weare looking forward your safe arrival in Chotanagpur area again,for which we pray that God may protect and guide you through your journey.

Director Lokies is now touring in the western part of Ranchi district. I have come back only yesterda after attending his visits to Takarma,Khutitoli and Koronjo. Thi significant visit of the Director stregthens the bond of Christian love between the people of Chotanagpur and Germany, between the Kuratorium and the G.E.L.Church and above all ~~affe~~i that we are one in the Lord.

Director Lokies has visited Govindpur alrea but likes to visit again when you both have arrived.

With best wishes of the season and a hearty Yishusahay.

Yours Sincerely,

Secretary,
G.E.L.Church,Ranchi.

Ref -1/12/…

No 28

2-V

Govindpur
10.12.53

मान्यवर सी: सी: सेक्रेटरी को यीशु सहाय।

सुनने में आया कि Mr Prabhudan Bara लोहरदगा स्कूल में जा रहे हैं। उन्हों ने दरखास्त भी किया। कृपा करके मुझे खबर दीजिये कि C.C का फैसला कायम रहेगा अथवा नहीं। कृपा करके Mr Bara को लिखिये कि गोविन्दपुर बदली जाना होगा। देखिये वे क्या जवाब देंगे। गोविन्दपुर सिनोड इस साल अपना कोटा नहीं दे सकती है इसके बिषय बीते सिनोड बैठकों में फैसला हो चुका है जिसका फैसला आप को सेक्रेटरी ने दिया होगा।

आपका बिश्वस्त
C.K. Bhengra
Synod President

Church Council
Received... BL
Register No. 20 CC
Date 16/1/5…
Fi. ……
Reply No. ……
Dat. ……

2-V

ber. 17/9/53

Cl. 2-V

To
The Secretary Lutheran Church
Ranchi

Church Council
Received... ......
Register No. 183
Date... 3/9
Fi... 2-V
Reply No.........
Date ....

Through, Shaka Sabha Govindpur,
Parish sabha Govindpur,
Pracharak Pan Govindpur,

महाशयगण,

मैं गुराटोली गांव का ख्रिस्तियान भाई होने के नाते निम्नांकित बाते जो कि मेरे नजर मे मण्डली तथा समाज की वृद्धि में बाधा दिखाई पड़ती है आप लोगों के सामने दीनता पूर्वक पेश करता हूं कि आप गौर विचार कर कार्यान्वित करने की कृपा करें।

बाते ऐसी हैं कि हमारे गांव गुराटोली मे संसार भाइयों की बैठकी हुवी जिसमें मागो विषयक बातों पर जोर दिया गया। उन्होंने पादरी सी० के० मेंगरा जो कि अपने गोत्र के एक बहिन को शादी किया है चर्चा किया। आखिर में वे ख्रिस्तान (Recorded) पड़हा राजा के अलावे दूसरे संसार पड़हा राजा चुनने का संकल्प किया तथा ख्रिस्तान भाई लोगों से खान पान में सम्बन्ध न रखने का भी प्रस्ताव किया, जिसको उन्होंने दूसरी बैठकी चलगी में कार्यान्वित किया।

पादरी बाबु के इस कार्य से समाज तथा जाति पर तो आघात पहुंची गया पर मण्डली पर भी विशेष असर पड़ा है। धर्म खोजकों के बढ़ने में एक रोड़ा हो गया है। अतएव आप इन को पड़हा रहित स्थान में बदली कर देने की कृपा करें कि हमारी सामाज तथा मण्डली की बढ़ती में कोई रोक न होवे।

N.B. प्रगोत्र पत्र चर्चा कौंसिल को दिया जाता है

ता० ६-६-५३.

आप लोगों का
भवदीय
प्रभुसहाय होरो
गुराटोली

Rec 17/12

2-V

Amma P.O. Torpa
Ranchi
11-12-53

मान्यवर C.C. Secretary को येशुसहाय।

महाशय।

आप को दीनपूर्वक सुचित किया जाता है कि ता० ६-१२-५३ के मर्चा इलाका सभा के चाटुकार मेम्बरान पादरी S. Hemrom के बदली रहाई के वास्ते बहुत गहरे विचार करते हुए Chairman पादरी K.M. Jopno को अर्जी दरखास्त पर साही देने को मजबूर किये और साथ साथ धमकी भी दिये, पर तोभी इलाका चेयरमैन आटल रह गये। अब देखिये चाटुकारों का ढागी दरखास्त Council में जाएगा या पहुंचा है

यह तरतीब मण्डल में
S. Hemrom है लेकिन
करनेवाले अपने पार्टी के
इलाका मेम्बरान है दूसरे
पार्टी का हर्गीज राय नहीं
है कि Rev. S. Hemrom
बदली न जाए, उनका
सब ख्याना ठगी है।
आप का विश्वासी
P. H. Topno

पोस्ट कार्ड

केवल पता

To The C. C. Secretary
नाम
Lutheran Church
पता
Ranchi
डाकखाना
ज़िला

fm 27/11/53

GOVINDPUR SYNOD, G. E. L. CHURCH

2-V

President :—Rev C. K. Bhengra.
Secretary :—~~Mr. C. B. S. Horo~~
Treasurer :—~~Mr. C. M. Horo.~~

Church Council
Received ... 882
Register No. ... 17 CC
Date ... 16/11/52
Fi. ...
Reply No. ...
Dat. ...

GOVINDPUR.
P. O. JARIAGARH,
RANCHI; (Bihar)

Ref. No ...25...

2-V

Dated, The 25th Nov. 1953.

Manyawar ~~Sec~~ ko Jishusahay!

Ap ki chittie No 1636-41/53 D/12-11-53 ki mujhe 16-11-53 ko mili jismen Mr P.S. Barjo HD master ke transfer ke bishay Synod se "present" manga jata hai. Yahan 12-11-53 ko Synod meeting hui jiske Karan transfer bishayak bat ko main meeting men pesh nee kar saka. Ab Synod meeting January 1954 dusri hapta men baithegi tab ap ko jabab diya jayga. Umed hai full C-C ka phaisla kayam rahega. Bite 12-11-53 ke Synod meeting men Rev. K.M. Topno Marcha ne report pesh kiya ki Marcha men phir golmal suru ho gaya. Kitne Ilaka member logon ne ~~phaisla~~ phaisla kiya ki Govindpur Synod ke adhin nahin rahenge aur Synod den nahin denge. Rev. Samuel Hemrom ka transfer ko sun ke aisa karte hain.

P.T.O

Bite Synod meeting men iske
bishay bat chit hui hai.
Synod secretary iske bishay
report de diye honge. Abhi
C.C. ke jor se Kartawai karne
hoga tab golmal shant hoga.
Mul aguwa hain Babu Habil
Meronbir aur Mansukh
Topno Pracharak aur bhitar
men Rev. Samuel Hamrom
hain. Rev. K.M. Topno se
bhi aap ko report milega.

Apka agyakari

C.K. Bhengra

Rec 16/10/53

2-V

To be considered 2nd Ch. on 16/10/53

Grant Joan PH

Church Council
Received... To
Register No.
Date 16/10/53
File
Reply No.
Date

The Secretary
G.E.L. Church Ranchi.
Dated the 13th Oct 1953.

Dear Sir,

With reference to your letter No 1059/53. dated the 24th July '53. I have to state that the Charge of the Lutheran Middle school, Marcha and the sum of the Rs. 2400. have not been given to the newly appointed headmaster and the treasurer of the G.E.L. Church respectively due to the following causes.

Firstly there is no sufficient cause of my discharge from the headmastership from that very school. Without any sufficient cause how can I be discharged from the headmastership. I was the headmaster of that school since 1950, appointed by the Church Council. So I was the servant of the council. Managing Committee of that school was only to guide me, but it had got no legal right to drive me out without the approval of the council. But regret to say that I was much insulted by the managing committee, which was not approved by the council, with rebuking and also by the threating of the lathies which compel me to leave that school. And in this connection also I have applied to the council. Here I mean to say that the G.E.L. Church which is the authority, has the full right to be alert and has the full supervision to control. Which is the authority, the Church council or the Managing Committee? I don't understand. Managing committee could only do anything on the approval of the Church Council. And I was not directed under the guidance of the Church council in this matter.

Secondly I have given an application to the Synod as well as to the Council in this connection of my discharge. and it is not yet replied. I am waiting for it.

Thirdly, if I am not a guilty I shall have to get my salaries from the date of my discharge to the decision of the Synod as well as of the Church Council.

Fourthly, yes I have got the Rs 2400/- and am ready to give it to the treasurer of the G.E.L. Church Ranchi. But if my application in this connection is not replied I am bound to delay in giving it to the Treasurer. Because it is the grave menace that I have been treated inhumanly!

Sir, I therefore, request you to solve the situation with peaceful mind. I want fair judgement and no favour.

Yours faithfully,
Maresh Prakash Kongari.
Ex. headmaster
Lalti Middle school, Marcha

GOVINDPUR SYNOD, G. E. L. CHURCH

President :—Rev C. K. Bhengra.
Secretary :—Mr. ~~C. B. S. Horo~~ R. S. Bajio
Treasurer :—Mr. ~~C. M. Horo~~. S. Topno

GOVINDPUR.
P. O. JARIAGARH,
RANCHI, (Bihar)

Ref. No 43/53. Dated, The 26-11 1953

Council
345
3/12/53

hev 2/12/1953

The undermentioned document is forwarded to the Secretary G.E.L. Church Chotanagpur and Assam, Ranchi for information and the needful.

2-V

Sd/-
Secretary
Govindpur Synod.

Extract from the minutes of the executive Committee meeting Govindpur Synod held on 12-11-1953.
Item No 6 (ख + घ)

दरखास्त और चिट्ठी :- सेक्रेटरी ने C.C. सेक्रेटरी की ओर से
आयी दो चिट्ठियों को सभा के सामने रखा। इन में डाइरेक्टर
लुकिस के आने की खबर तथा उनके आने पर उनको अच्छी तरह
स्वागत करने का हिदायत दिया गया था। इस पर सभा ने निर्णय
कि जैसा बने तैसा उनके स्वागत के लिये तैयारी करें।
दूसरी चिट्ठी में W.C.C. के डेलिगेट भेजने के लिये
चन्दा बटोरने के विषय लिखा गया था। सभा ने निर्णय किया
कि हम इस समय चन्दा बटोरने में असमर्थ हैं।
पादरी के. एन. तोपनो ने ... में फिर से गड़बड़ी शुरू
होने का लिखित रिपोर्ट पेश किया। रिपोर्ट C.C. में
भेजने के लिये ठहराव किया गया क्योंकि गड़बड़ी का कारण
C.C. का Rev. S. Hemrom को पहले ... बनाया गया।

Sd/-
Secretary
Govindpur Synod

Forwarded to the Secretary
G. E. L. Church
Chota Nagpur + Assam
Ranchi for information and the needful action.

Church Council
Register No. 346/53
Date 3/12/53
Replied... Synod...
Date ...

T. Bhuj? 25/11

To,
the synod President
G. E. L. Church Govind[pur]

महाशय,

मैं आप को मरचा इलाका सभा बैठक का रिपोर्ट इस प्रकार देता हूं कि मरचा इलाका बैठक मरचा में ११-११-५३ को हुई थी। हाजरी इस प्रकार थी। Rev. K.M. Topno Chairman Rev. C.R. Topno, प्र० मसुरन तोपनो सेक्रेटरी, श्री हाबील बरला. श्री युसफ कन्डुलना, श्री सिमोन कोनगाड़ी, हेड मास्टर स्पेरिवाररस कुजुर, जमा ७ मेम्बरान थे। प्रचारक, प्रचार मास्टर, और अन्या भाई सब मिला के २७ पाराती थे।

विषय :— तलब बील पास के समय में बातें निकाली गई कि हम लोग सिनोद देन नहीं देंगे। सिनोद बैठक नहीं जायेंगे। C. C. देन C. C. को देंगे। बात को निकालने हारा, हाबील बरला थे। बहस में अनेक प्रकार की बातें कहा हुई गई। चेरमैन की ओर से कलीसिया के निकाली बातें गई। पर कुछ फैदा नहीं हुआ। मिडिल स्कूल हेड मास्टर अपनी अफशोस प्रगट करते हुए कहे कि मैं गोबिन्दपुर सिनोद का हूं, गोबिन्दपुर सिनोद से अलग होने नहीं चाहता हूं पर मास्टरी करता हूं इसलिये भाइयों के रैप में रहूंगा। चार मेम्बरान ऊपर की बातों को मंजूर किये। दोनों पादरी मंजूर नहीं किये। चेरमैन ने कहा कि कलीसिया को महासभा के मण्डली के अधीन में रहेंगे। पादरी बाबू समुएल के बदली का हाल सुन कर ये बातें निकलीं अब फिर मरचा इलाका में झगड़ा शुरु होगई। पादरी लोग सकेती में पड़ जायेंगे और खतरा कोडार है। मैं सोचता हूं कि मेरे द्वारा से मरचा इलाका में शान्ती नहीं होगी। अच्छा होगा कि दूसरा अनुभवीशील पादरी मरचा इलाका में भेजा जाये। यह रिपोर्ट इलाका चेरमैन की ओर से है।

आप के आज्ञाकारी

सेवक
K.M. Topno
Ilaka chairman
Marcha Ilaka.
11-11-53

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A., O/C

Ranchi, (Bihar) India

No. 1925-29/53 2-V

The 23rd December, 1953.

To

Mr.P.Dungdung,
Head Master,
Khutitoli Middle School,
P.O.Simdega,Ranchi.

His resignation communicated to the undersigned in his letter No.53.dated the 18th Dec: 1953,is not accepted. Reason of his resignation is ambiguous. The Church Council's order,communicated earlier transferring him stands.

Secretary,
G.E.L.Church,Ranchi.

Copy to Rev.M.Sanga,Secretary,
Managing Committee,Khutitoli
Middle School.

Extract from the C.C.minutes dated 17.12.53.

x x x x x

4.(a) Transfer, postings and appointments:-

1.It was reported that Mr.P.Dungdung has appealed to the C.C. for alteration of his transfer-----

Resolved- that the transfer order stands. This transfer was made by the Church Council on the request of the two synods concerned. It is the responsibility of the two synods to see that this order is carried out immediately.

x x x x

Copy forwarded to Rev.C.K.Bhengra,Synod President,Govindpur.
(2) Rev.M.Sanga,Synod President,Khutitoli.
(3) Mr. S.Hemrom,Head Master,Prop:H.S.School, Marcha.
(4) Mr.P.Dungdung,Head Master,Khutitoli Middle school.

for information and immediate compliance.

B.L.23/12/53.

From. [illegible] 22/12 ✓

Ilaka chairman
K. M. Topno

2-V

Mancha.
18-12-53

To
The C. C. Secretary
G. E. L. Church Ranchi,

महाशय,

आप को संक्षेप रिपोर्ट देता हूं कि Rev. S. Kenwoom अपने बदली और चार्ज के विषय में कुछ भी चर्चा नहीं करते हैं। इलाका की ओर से उन के विरुद्ध बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

I ११-११-५३ को इलाका बैठक की हाल रिपोर्ट सेक्रेटरी की ओर से आप को मिल गया होगा।

II ६-१२-५३ की इलाका सभा बैठक में एक आजी दरखास्त आप को इलाका का सेक्रेटरी लिखा होगा, मैं उस दरखास्त को मंजूर नहीं किया हूँ। और देखा भी नहीं हूँ। उस में मेरे सही नहीं है।

उस दरखास्त को विशेष ध्यान देने को कृपा करेंगे।

आप का विश्वस्त
K. M. Topno

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A., Ranchi, (Bihar) India

No. 1013-14/54 2-✓ *The* 21st. April, 1954.

To

Rev. C.K.Bhengra, Synod President,
Gobindpur Synod.
Rev. K.M.Topno, Ilaka Chairman,
Marcha Ilaka.

Dear Sir,

Reference this office No. 947 dated the 7th April, 1954 Re: Rev. S.Hemrom's suspension as Minister of Religion. Kindly let this office know what steps have been taken so far. Also acquaint us of the present situation.

Yours faithfully,

[signature] 21/4/54

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A.

Ranchi, (Bihar) India

No. 1017-19/54

2-V

The 195

To

Chairman, Vice-Chairman & Secretary,
Jubilee High English School,
Govindpur, P.O. Jariagarh.
Dist- Ranchi.

Dear Sirs,

In view of the fact that Mr. P. S. Barjo will be soon joining the Takarma High School and Mr. Bara not coming to Govindpur instead, one man will have to be appointed at Govindpur as its Head Master. You probably know that Mr. H. P. Das, a trained graduate and a former Deputy Inspector of Schools, has applied for the post of Head Master in the Jubilee High School.

Under the circumstances he will be of some help. Kindly therefore, let us know if the local committee members would approve of his appointment and also what amount the Committee will be able to pay him as salary. On hearing from you we shall take up the matter with Mr. Das.

Mr. Das is a non-Christian, still he will be of much help to our institution under the present circumstances.

Please treat it urgent.

Yours sincerely,

[signature] 21/4

Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

B. L. 21/4/54.

Rev. C. K. Bhengra,

Ref No. 26

Church Council
Received ... B
Register No. 252 CC
Date 30.4.54
File 2-V
Reply No. ......

G.E.L. CHURCH GOVINDPUR
JARIAGARH P. O.
RANCHI DISTRICT.

Date 28-4-1954

2-V

To

The Secretary C.C. G.E.L. Church
Ranchi.

Mahashay,

(1) Ap ki chitthi no 1020/54 D/ 21-4-54 ki mujhe mili D/ 24-4-54 ko. yah chitthi Ilaka aur Synod meeting men pesh hogi. Ilaka meeting 12.5.54 ko baithnewali hai aur Synod 13.5.54 ko.

(2) Jubilee High School ka account bhi ab tak audit nahin huwa hai. Main ne kai bar Head master ko kaha par aunsuni karte haim. Isliye ap se arj hai ki iske bare sidhe Head Master ko likhiye.

Ap ka bishwast
C. K. Bhengra
S. President

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A., Ranchi, (Bihar) India

No. 2154/54. 2-V *The* 10th May, 1954

Rev. C.K. Bhengra
President, Govindpur Synod

Dear Rev. Bhengra,

I am going to Marcha on 12th inst. in connexion with the Marcha troubles. President may accompany me. Please try to come either on 12th morning or 11th evening.

Yours Sincerely

10/5/54

Secretary G.E.L. Church
Ranchi.

Rev. C. K. Bhengra,

Ref No. 27

Church Council
Received B
Register No. 253 CC
Date 30-4-54
File 2 -
Reply No.
Date

G.E.L. CHURCH GOVINDPUR
JARIAGARH P. O.
RANCHI DISTRICT.

Date 28 - 4 - 1954

2-A

To

The Secretary C.C. G.E.L. Church
Ranchi.

Mahashay,

Ap ki chitthi no 1013/54 D/ 21-4-54 ke anusar ap ko report diya jata hai ki Cole se usko Minister kam se suspension order mila, minister ke kam meṃ hath nahiṃ lagate haiṃ. Age kya hogi uska report ap ko diya jaygi.

School ka charge Rev. K. M. Topno ne Rev. S. Henron se manga par nahin diya.

ap ka bishwast

C. K. Bhengra

S. President

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A.

Ranchi, (Bihar) India

2-V

No. 1020/54

The 21st April, 1954.

To

Mr. P. D. Bara, B. A., Dip-in-Ed.,
Takarma.

Dear Mr. Bara,

In continuation of this office No. 116-17/54, dt. 15.1.54 and No. 759/54, dt. 16/17/3/54, transfering him to Govindpur High English school, he is further directed to proceed to Lohardaga to join the Proposed H. E. School, Lohardaga, as its Head Master. He xxx should hand over charge of the school immediately in every detail and send joining report to the undersigned through the Managing Committee.

Yours sincerely,

sd/- N. E. Horo.
Secretary.
G. E. L. Church, Ranchi.

Memo No. 1021-24/54, dt. 21st April, 1954.

Copy forwarded to Mr. P. S. Barjo, B. A., D. ed., Hd. Master, Govindpur, High School, under transfer to Takarma H. E. School. He is requested to hand over charge of the school in every detail immediately and proceed to Takarma H. E. School/~~and~~ President and Secretaries Govindpur & Takarma H. E. ~~Schools~~ and Propo. Lohardaga H. E. schools and Synod Presidents, Takarma, Govindpur and Northern Synods for information.

N E Horo 21/4

Secretary.
G. E. L. Church, Ranchi.

B. L. 21/4/54.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A.,

Ranchi, (Bihar) India

2-V

No. 1015-16/53

The 21st.April, 1954.

To

Rev. C.K.Bhengra, Synod President,
Gobindpur Synod.
Rev. K.M.Topno, Ilaka Chairman,
Marcha Ilaka.

Dear Sir,

With reference to this office letter No.930 dated the 5th April 1954 regarding dismissal of Rev. S.Hemromas Head-Master of the Prop. H.E.School, Marcha, I have to request you to inform what steps have been taken so far towards taking over charge from him.

Yours faithfully,

[signature] 21/4

Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A., Ranchi, (Bihar) India

2-V

No. The 13 th April 1954.

Rev. C.K. Bhengra,
Govindpur.

Dear Sir,

This is to inform you that Dr. Lokies is ill at Koraput (Orissa) and so he is not able to come to Govindpur during Easter.

Yours Faithfully,

Secretary,
G.E.L. Church ,Ranchi.

Copy to -

Miss Diller for information.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A. Ranchi, (Bihar) India

2-V

No. 947/54 The 7th April, 1954.

To Rev. Samuel Hemrom,
~~[illegible]~~
G.E.L.Church Marcha,
P.O.-Torpa,
Dist.- Ranchi.

Whereas you, Rev. Samuel Hemrom have inordinately defied the orders of the Church Council, the G.E.L.Church Council in Chotanagpur and Assam on the recommendation of the G.E.L.Church Ministerium suspends you ~~forthwith~~ from performing the rights and duties of a Minister of Religion in the G.E.L.Church in Chotanagpur and Assam. from 1st April, 1954.

This order will remain in force till the Mahasabha of the G.E.L.Church does not decide to the contrary.

sd/-N.E.Horo.

Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

B.L.7/4/54.

Memo No. 948-51/ 54. dated the 7th April, 1954.

Copy to (1) Rev.C.K.Bhengra, Synod President, Govindpur Synod, Govindpur (2) Rev.K.M.Topno, Ilaka Chairman of Marcha Ilaka (Vice-Chairman, Managing Committee, Luth.Prop.H.S. Marcha) (3) Rev.S.Surin, Secretary, G.E.L.Ministerium, Takarma, and (4) Mr.P.S.Barjo, the Synod Secretary, Govindpur Synod, for information.

[signature] 7/4

Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

B.L.7/4/54.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A.

Ranchi, (Bihar) India

2-V

No. 801/54

The 31st March, 1954

To

Mr. K. K. Mishra,
Ranchi.

Mr. K. K. Mishra is appinted an assistant teacher of the Jubilee H. E. School Govindpur from 1st April 1954, on the scale admissible.

He is directed to report on duty to the Head Master of the said school.

Secretary, 31/3
G. E. L. Church, Ranchi.

Copy to :-

802/54 1. The Chairman Jubilee H. E. School.
803/54. 2. The Secretary-Headmaster Jubilee H. E. School for information.

Enclosure~~s~~ 1. (one).

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A.,

Ranchi, (Bihar) India

No.

The 31st March, 1954.

Extract from the minutes of the meeting of the full Church Council held on 29-3-1954.

X X X X X

X X X X X

Item 20. Mr.K.K.Mishra's application.

His application for appointment was considered.

Resolved that Shri K.K.Mishra be appointed an assistant teacher of Govindpur High School from 1st April 1954, on scale admissible.

Sd/- N.E.Horo,
Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.
29-3-1954.

No. 787/54.

18th March, 4.

2-V

Rev.C.K.Bhengra,
Vice-Chairman,
Jubilee High School,
Govindpur.

Dear Sir,

I presume that accounts of your High School and School Hostel are complete by now. It was promised by your staff in the special conference of the public convened in connexion with the Schools to get them straightened up. In the same meeting on my querry you all promised to look to it.

Please let me know the progress so far made in this direction.

Yours faithfully,

18/3

Secretary,
G.E.L. Church Council,
Ranchi.

No. 788/54.

Copy to:-

The Secretary J.H.E.School,Govindpur, for needful and report.

18/3

Secretary.

2-V

To

The Secretary
G.E.L. Church Council, Ranchi

Sir

Having learnt that the post of the Headmaster Lutheran High School at Govindpur has fallen vacant I beg to offer myself as a candidate for the same.

As regards my qualifications I beg to state as follows:-

1. (a) I passed the Matric. Examn. from the Ranchi Zila school in the 1st Dn. in 1916.
(b) I passed the I.A. Examn. from the St. Columba's College Hazaribagh in the 1st Dn. in 1918. (Subjects taken - Mathematics, Logic & Botany)
(c) I passed the B.A. Examn. from the St. Columba's College Hazaribagh in 1920. (Subjects - Mathematics & Philosophy)
(d) I was deputed to the Patna Training College in 1926-27 and passed the Dip. in. Edn. Examn. of the Patna University.

2. (a) I was appointed as the assistant master Ranchi Zila School in 1920-21.
(b) Thereafter I was appointed in the inspecting branch of the Education Department upto 27.1.53
(c) I retired from the Govt. service as Deputy Inspector of Schools with effect from 28.1.53 after completing fifty-five years of age.
(d) I have been working as the assistant Headmaster R.R. High school Chas (Manbhum) with effect from 12.3.1953.

As the climate of the Manbhum district does not suit the health of my wife I propose to return to Ranchi my home district. I am an inhabitant of Bundu in the Ranchi District and Hindi was the vernacular throughout student career.

[illegible] favoured with the

Church Council
Received... [illegible]
Register No. 240 CC
Date... 5.4.[illegible]
File... 2-V
Reply No ...
Dat. ...

[Margin note:] To enquire from the Synod President [illegible] - about their opinion whether [illegible] they agree to appoint him as HM of the School & his salary etc. [illegible]

believe me, Sir, I shall leave no stone unturned to give entire satisfaction to all concerned.

Yours faithfully

H. P. Das

C/o Shree Juthan Sahu
Pleader
P. O. Chutia
Dt. Ranchi.
5. 4. 1954

17th March, 4.

778/54 9-V

To

Rev.C.K.Bhengra,
Vice-Chairman,
Jubilee High School,
Govindpur.

Dear Sir,

Reference to this office No.205/54 dt.25.1.54.
Please let me know if you have got the High School Accounts audited. If it has not yet been done so please give reasons by return of post.

Yours sincerely,

Secretary,
G.E.L.Church,Ranchi.

B.L.17/3/54.

17th March, 4.

777/54 **REMINDER II.**

To

Mr.P.S.Barjo,
Secretary,
Jubilee High School,
Govindpur.

Dear Sir,

You are requested to refer to this office No.1337/53 dated 12th September, 1953 and subsequent remider No.I-546/54 dated the 6.3.54 and reply immediately without waiting for further reminder with explanation for the delay.

Yours sincerely,

16/3

Secretary,
G.E.L.Church,Ranchi.

B.L.17/3/54.

17th March 4.

776/54 **REMINDER I.**

To

Rev.S.Hemrom,
Head Master,
Marcha M.E.School.

D/Sir,

You are requested to refer to this office No.548/54 dated 6.3.54 and reply by return of post.

Secretary,
G.E.L.Church,Ranchi.

B.L.17/3/54.

2-V

Extract from the resolutions of the meeting of the full Church Council held 23/3/54.

x x x x x

Rev. Samuel Hemrom ke bishay dirghalochana ke pashchat yah sankalp huwa:-

Whereas it is found that Rev. Samuel Hemrom, Head Master of Proposed Marcha Lutheran High school, under transfer to Khutitoli Lutheran Middle School has disobeyed the orders of the C.C. it is Resolved-

a) That under Section 288 sub-section 28 of the Bihar & Orissa Education Code the services of Rev. Samuel Hemrom in the school be dispensed with, with effect from 1st April, 1954 and in lieu of one month's notice, he be paid one month's salary.

b). That for the disciplinary action the matter be referred to the G.E.L. Church Ministerium.

c). That the Managing Committee concerned should file suits against Rev. Samuel Hemrom for the realisation of the money misappropriated by him.

x x x x x

Memo No. 792/54 dated Ranchi, the 26th March, 1954.

~~Thxx~~ The above mentioned document is forwarded to Rev. C.K. Bhengra, Synod President, Govindpur Synod, for information and necessary action.

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

B.L. 26/3/54.

Memo No. 793-94/54. dated Ranchi, the 26th March, 1954.

Copy forwarded to the Secretary, G.E.L. Church Ministerium, Camp Ranchi and Rev. K.M. Topono, Vice-Chairman, of Managing Committee March Lutheran Proposed High School, Marcha, camp Ranchi, for information and necessary action according to paras (b) and (c) as given above.

26/3

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

B.L.26/3/54.

O/c No 791/54

23 rd March, 54

Mr. J. Barla, M. A., B. D., Dip Ed.,
Principal,
Gossner High School, Ranchi.

Dear Mr. Barla,

The full Church Council of the GELC is meeting on 23 rd and 24 th March, and the Extra-Ordinary Mahasabha on 25 th and 26 th March, '54. It is, therefore, expected that a large number of delegates will come from outside whose usual place of stay will be Stosch Hostel.

You are, therefore, requested to kindly help arrange accomodation for them. Mr. J. Horo, Asstt Superintendent of the Gossner Boys Hostel may be informed of it.

Thanks,

Yours sincerely,

[signature]

Secretary.

LUFTPOSTLEICHTBRIEF

WIESBADEN-KASTEL
15.1.64-17

TAXE PERÇUE 60 Pf.
DEUTSCHE BUNDESPOST

DURCH
LUFTPOST

PAR AVION

Mr. N. Horo
Secretary of the G. E. L. Church
Ranchi B. N. Ry
Bihar - India

India

Seiten zusammenfalten, den unteren Teil des Briefes hochschlagen und mit der Klappe verschließen

DRITTER FALZ

DRITTER FALZ

ERSTER FALZ

ZWEITER FALZ

Wenn dieser Brief irgendwelche Einlagen enthält,
wird er nur durch gewöhnliche Post befördert

Absender:
Miss A. Diller
Mainz - Kastel
Eleonorenstr. 64.
Germany!

RANCHI

Mainz-Kastel, 15.January 1954.
Eleonorenstr.64.

Dear Mister Horo!

We may send to all of you our hearty Jisu Sahay!

We may inform you herewith that the Government of India kindly granted our re-entrance to Chota Nagpur end of November.We see in this a new call of our Lord Jesus Christ and therefore we very gladly and wholeheartedly will return to Chota Nagpur.Our Lord may grant us His spirit and guidance sothat our return may be of blessing to the Gossner Church and for the glory of our Lord.

We are leaving Europe - God willing - by the ship "Asia" on the 30 th January from Genoa and hope to be on the 12 th February in Bombay. We may proceed to Chota Nagpur on the 14.th or 15 th Febr.Our exact arrival in Chota Nagpur we shall let you know by telegramm.

Miss Martha Tirkey,who was for 45 years in Germany will return with us to her homecountry.She will come with us first to Govindpur and then she can decide where she wants to stay.

We will be very glad to meet you all again and then we shall be able to tell you more.You know how turbulant the life is at present in Germany,which gives very little time for writing.

Our Lord may keep you and your dear families in His peace and care till we meet again

Yours very sincerely

two Sisters

A. Diller
H. Schmidt

Church Council
Received...
Register No... 27 CC
Date...
Fi... 2 V
Reply No...
Date...

From:- Rev. S. S. Soy
Parish Pastor.

Vill. Kotbo
P.O. Kamdara
8.12.53

Place before the [illegible] 11/12/53

श्रीमान प्रेसिडेन्ट महोदय
जी. ई. एल चर्च राँची।

आपको मेरा यीशुसहाय।

महाशय,

मुझको अपने दरखास्त का प्रति-उत्तर मिला C.C की ओर से। मेरे विषय में C.C ने यह निर्णय किया कि Rev. S. S. Soy का ट्रन्सफर मुलतबी रहे इस दरमियान मे Rev. S. S. Soy को कोरबो ही में रहने को आज्ञा दी जाती है।

इस। निर्णय से मैं बड़ी दुः[illegible]

महाशय से घोर अर्जी सहित फिर मैं अपना निवेदन आपको पेश करता हूँ। अपनी जिद्दवश निवेदन के प्रति माँफी मागता हूँ।

इस मुलतवी दरमियान में मैं अपने निज घर में समय काटता रहूँगा। यथार्थ में मेरे घर की दशा बड़ी शोचनिय है। मैं चाहता हूँ कि उसको सुधारने के लिये मुझको थोड़ा अवसर दिया जावे। इस दरमियान में मैं सेंत-मेंत सेवकाई का काम करता रहूँगा - और सिनोड के अधीन अपनी गाँव वाली माता

P.T.O.

मंडली के साथ मिला रहूंगा। सिनौद जैसा
चाहे अपनी मंडली के विषय मुझसे काम ले
सकती है। मुलतवी दर्मियान में आपके अधिकार
से मेरा काम आदरणीय समझा जावे।

मैं कोरबा में आगे नहीं रह सकता हूँ।
इस लिए ३१ दिसम्बर में नये पादरियों का
पदाभिषेक है मेरी अर्जी है किसी को
मेरे स्थान में अवश्य भेजें। मैं अपनी जगह को
जब पादरी आवें तुरन्त खाली कर दूंगा!

पादरी अब जल्दी नहीं आते हैं तो मैं महोपवास
काल के आरम्भ तक यहाँ रहूंगा और काम कर-
ता रहूंगा। निश्चय है कि मैं महोपवास काल
के बाद अपना समान यहाँ से उठा लेता हूं।
गड़बड़ न होवे निश्चय नया पादरी यहाँ के
लिये भेजे जावें।।

आपका विश्वस्त -

[illegible signature]
8.12.63.

2-V

Extract from the resolutions of the meeting of the full Church Council held 23/3/54.

x x x x x

Rev. Samuel Hemrom ke bishay dirghalochana ke pashchat yah sankalp huwa:-

Whereas it is found that Rev. Samuel Hemrom, Head Master of Proposed Marcha Lutheran High school, under transfer to Khutitoli Lutheran Middle School has disobeyed the orders of the C.C. it is Resolved-

a) That under Section 288 sub-section 28 of the Bihar & Orissa Education Code the services of Rev. Samuel Hemrom in the school be dispensed with, with effect from 1st April, 1954 and in lieu of one month's notice, he be paid one month's salary.

b). That for the disciplinary action the matter be referred to the G.E.L. Church Ministerium.

c). That the Managing Committee concerned should file suits against Rev. Samuel Hemrom for the realisation of the money mis-appropriated by him.

x x x x x

Memo No. 792/54 dated Ranchi, the 26th March, 1954.

~~Thax~~ The above mentioned document is forwarded to Rev. C.K. Bhengra, Synod President, Govindpur Synod, for information and necessary action.

[signature] 25/3

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

B.L.26/3/54.

Memo No. 793-94/54. dated Ranchi, the 26th March, 1954.

Copy forwarded to the Secretary, G.E.L. Church Ministerium, Camp Ranchi and Rev. K.M. Topono, Vice-Chairman, of Managing Committee March Lutheran Proposed High School, Marcha, camp Ranchi, for information and necessary action according to paras (b) and (c) as given above.

[signature] 25/3

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

B.L.26/3/54.

Memo No.

Copy to Rev. S. Hemrom Head master, Marcha Lutheran Prop High School. Marcha for information and needful. He is requested to hand over charge of the school to Rev. K. M. Topno the V.C. M.C. Marcha Lutheran Prop H.S. at once.

Extract from the resolutations of the meeting of the full Church Council held 23/3/54.

X X X X X

Rev. Samuel Hemrom ke bishay dirghalochana ke pashchat yah sankalp hua :-

Whereas it is found that Rev. Samuel Hemrom, Head Master of Proposed Marcha Lutheran High school, under transfer to Khutitoli Lutheran Middle School has disobeyed the orders of the C.C. it is Resoloved-

a) That under Section 288 sub-section 28 of the Bihar & Orissa Education Code the services of Rev. Samuel Hemrom in the school be dispensed with, with effect from 1st April, 1954 and in lieu of one month's notice, he be paid one month's salary.

b) That for the disciplinary action the matter be referred to the G.E.L. Church Ministerium.

c) That the Managing Committee concerned should file suits against Rev. Samuel Hemrom for the realisation of the money mis-appropriated by him.

X X X X X

Memo No. 792/54 dated Ranchi, the 26th March, 1954.

The above mentioned document is forwarded to Rev. C.K. Bhengra Synod President, Govindpur Synot, for information and necessary action.

Sd/- N.E. Horor,
Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

B.L. 26/3/54.

Memo No. 793-94/54. dated Ranchi, the 26th March, 1954.

Copy forwarded to the Secretary G.E.L. Church Ministerium Camp Ranchi and ~~xxxxxxxxxxxxx~~ Rev. K.M. Topono, Vice-Chairman, of Managing Committee Marcha Lutheran Proposed High School, Marcha Camp Ranchi, for information and necessary action according to para (b) and (c) as given above.

Sd/- N.E. Horo,
Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

B.L. 26/3/54.

Memo No. 938/54 Dated Ranchi the 6th April, 1954.

Copy to Rev. S. Hemrom Head Master, Marcha Lutheran Prop. High School Marcha for information and needful. He is requested to hand over charge of the School to Rev. K.M. Topono the V.C. M.C. Marcha Lutheran Prop. High

[signature] 6/4
Secretary,
G.E.L. Church, Council
Ranchi.

GOVINDPUR SYNOD, G. E. L. CHURCH

President :—Rev C. K. Bhengra.
Secretary :—Mr. ~~C. B. S. Horo~~ P. S. Barjo
Treasurer :—Mr. ~~G. M. Horo~~. S Topno

GOVINDPUR.
P. O. JARIAGARH,
RANCHI; (Bihar)

Ref. No 38/

Dated, The 17-10 19 53.

To, the secretary,
C. C. Ranchi.

Sir,

I am herewith sending a copy of the circular No 140 of the Sub-Inspector of school Khunti South circle issued to all the primary schools of that circle, for information and needful action.

Further I beg to request you to make an enquiry of the same and let me intimate in due time, so that I may inform the Ilaka secretary Marcha, what they have to do.

P.S. I am herewith forwarding the application of Rev. S. Soy for needful action as mentioned in the extracts of minutes item 8.

P.S. Barjo 17/10

Yours faithfully
P.S. Barjo
Secretary Govindpur Synod 17/10

Copy of
सरकुलर नं. 140

दफ्तर सब डिवीज़नल ऑफिसर, वृत्त खूंटी
ता. 12-2-53 ई.

ग्राम निर्माण पत्रिका में ईसाई मिशनरियों की धांधली शीर्षक लेख में यह छापा गया है कि ईसाई मिशन के स्कूलों में अभी तक फीस लेना जारी है। और कहीं 2 चन्दे के नाम पर पूरा फीस वसूल की जाती है। स्कूलों में धार्मिक शिक्षा देना जारी है। माननीय डिपुटि डाइरेक्टर साहब का ध्यान इस लेख की ओर गया है। तथा उन्होंने विभाग के अधिकारियों को जांच करने तथा रिपोर्ट करने का आदेश दिया है।

यह मानी हुई बात है कि जो स्कूल इस प्रकार के अनुचित व्यवहार करते, सरकारी नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया जायगा उनके साथ किसी प्रकार की रियायत नहीं की जायगी। स्कूल में धार्मिक शिक्षा न दी जाय। फीस, फीस के नाम पर अथवा चन्दे के नाम पर भी न ली जाय।

प्रत्येक प्राइमरी स्कूल जो मेरे वृत्त में है यह लिख कर अगस्त महीने के भीतर भेजे कि इस नियम का पालन होता है, यदि किसी से यह रिपोर्ट नहीं पहुंचेगी तो उस स्कूल का वृद्धि वेतन रोका रहेगा। क्योंकि वृद्धि वेतन का आधार निःशुल्क शिक्षा है।

S/d
P. Kujur
सब डिवीज़नल ऑफिसर खूंटी साउथ

Forwarded to C.C.
for needful action.
[signature]
17/10

श्रीमान प्रेसिडेन्ट महोदय,

गोविन्दपुर सिनद के निकट निवेदन तथा सिनोद के माननिये सभासदगण ॥

महाशयो!

दीन पूर्वक मेरी अर्जी है कि कृपाया मुझे गोविन्दपुर सिनद से रिहाई दी जावे। मैं अपने ही सिनद में काम करना चाहता हूँ।

मेरे घर की स्थीति दिन बा दिन गिरते जा रही है। घर में मैं अकेले हूँ। माता पिता हैं वे भी कमजोर हैं। घर की हालत आज कल बहुत ही नीचे गिर गया है। मैं सोचता हूँ कि गिरते हुए दशा को संभालना मेरा काम भी है। माता पिता जी को ऐसी दशा में छोड़ना मेरे सहने से बाहर है। एक पादरी का घर जब ऐसा है यह किसी समाज में शोभा नहीं देता है। विचार है कि कहीं समीप रह कर कमीश अपनी घर की बुरी दशा को सुधारने सकूँ।

महाशयगण मेरे इस दरखास्त पर गौर विचार करेंगे और मुझे आशा है कि जनवरी तक में मुझे निर्णय सुनाया जावे॥ निवेदक:— पादरी S. S. Soy

Kotgo.
15.10.53.

पोस्ट कार्ड

केवल पता

JARIAGAR[illegible]

नाम Mr N. E. Horo, C.C. Secy

पता G. E. L. Church

डाकख़ाना Compound

ज़िला Ranchi (Bihar)

Church Council
Received No. 18
Register No. 206 CC
Date 6/10/53
2 ✓
Reply No.
Date

Govindpur
3.10.53

The Secretary C.C.
G.E.L. Church Ranchi

Sir,
Received your letter no 1391 – 1406/53/ 5/29.9.53 Please send me the prescribed form so that I may be able to submit the report of the Govindpur Synod for the period June 53 to Sept 53! I have not yet seen the prescribed form. Many thanks for your letter.

Sincerely yours
C.K. Bhengra

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.
Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B.A.,
& Head Supervisor, Lutheran Schools.

Ranchi, (Bihar) India

No. 936/53

The 11 th July 1953

Chairman,
Doranda Notified Area Committee,
P.O.Hinoo, Ranchi

Dear Sir,

In forwarding herewith a representation from Shri Brabhusahay Horo, a teacher of the Doranda Boys' M.V.School, I have to say that the said teacher has clearly said in his representation to me that fees were not realised from students on your underta-king. The amount thus unrealised , which you want him to clear by way of paying out of his own pocket does not seem ~~justified~~ justified.

Further, when he has already cleared his position before you and when he has tendered his resiignation more than a month from now, I do not see why he should be unnecessarily detained.

It is , therefore, requested that he should be relieved without any harassment and paid his arrear salary and cash security money amounting to Rs.160/- fully at an earlier date. He is a poor man and this will help him much .

May I hope that he is relieved earlier and paid fully : I think, equity demands full justice towards him.

Hope, this will straighten the matter and no necessity of having further correspondence will arise.

Thanks,

Yours faithfully,

N E Horo 11/7/53

& Head Supervisor, Lutheran Schools.

(TRUE COPY)

IMMEDIATE By special messenger

OFFICE OF THE CHAIRMAN, NOTIFIED AREA COMMITTEE, RANCHI.

No. 1786/N. Dated the 17 th March, 1953.

To
Shri Prabhu Sahay Horo,
At &P.O. Govindpur,
Dist Ranchi.

You are hereby directed to appear before the undersigned in the office of the Doranda Notified Area Committeeo on 19 th March, 1853 in order to settle some urgent matters in connection with the school accounts failing which legal a action will be taken against you.

This maybe treated as most urgent.

Sd/- Illegible
17/3
for Vice Chairman

Doranda Notified Area Committee
P?O. Hinoo, Ranchi.

xRexx1x

To

The Head Supervisor,

Lutheran Schools, Ranchi

Sir,

Respectfully I beg to state that I was employed in the Hindi Boys' Middle School Doranda under the management of the Doranda Notified Area Committee from 1950. Now I have resigned the pos t on 3 rd May 1953. Since then more than a month has elapsed, but the Vice Chairman of the said committee has not yet relieved me as yet, due to which I am put in difficulties.

The Vice Chairman instead has asked me to clear some of the accounts of the school before I am relieved. A copy of his letter and three slips are enclosed herewith for your kind perusal. In this connection I have to say that the accounts do not concern me for th e following reasons :

1) That in 1951 the school was raised to M.V.standard with the permission of the department. The School authorities asked the staff to enrol students as many as they could be. The same year many of the students in the middle section applied for free studentship. The Vice Chairman from time to time issued instructions to the staff , in respect of freestudentships that fees should not be realised from those students who have applied for freestudent ship. These instructions were issued in slips. Hence fees were not collected. Now, the Vice Chairman wants that the amount so not realised should be deducted from my arrear salaries etc. This amount he wants to be clarified by me. The case of those applicants for free studentship were never decided. At the time of announcing the results of the students I pointed the matter to the Vice Chairman. But he exempted the students from payments of their dues and ordered for announcing the results. Results were announced thereafter.

2) In 1952 the same thing happened. There were 10 applicants for free studentship, names of which are given below :

1. Jagdish Singh 2. Gulab Prasad 3. Madan Lal 4. Jadgish Prasd 5. Niranjan Ram 6. Chander Ram 7. Jitnandan Ram 8. Ram Chariter Ram 9. Sibu Ram 10. Suresh Prasad.

whenever I wanted to realise fees from these students they produced before me the slips of the Vice Chairman ordering me to stay collection of fees. So no fees were collected till I was in the school. In December (from 1st Dec) 1952 I went on leave after which the result of free studentship was decided. The amount thus not collected was Rs 450/- which the Vice Chairman now wants me to pay. It is clear, therefore, that I am not concerned with the amount thus claimed. The amount will have to be collected from the students and so it is not due from me . The amount was not collected due to the order of the Vice Chairman himself. I am therefore completely innocent in the matter.

I, therefore, request you to kindly take up the matter with the Vice Chairman of the said Committee so t hat I am relieved of the School earlier. In this connection, it will be not out of order to mention that arrears of my salaries from January 1952 to october 1952 which amounts to Rs 110/- and cash security of Rs. 50/- (Total Rs. 160/-) are still payable to me; the payment of which may also be kindly arranged with him. With the above facts I beg your honour to kindly take up the case immediately so that justice is done to me for which I shall be ver thankful to you.

Yours faithfully,

Prabhu Sahay Horo 7/7/52

Govindpur,
P.O. Jariagarh, Ranchi.

Rec. 21/8

2-V

To

Govindpur,
17-8-53.

Mr. N. E. Horo,
Secretary, G.E.L. Church, C.N. + Assam.
Ranchi.

Dear Mr. Horo,

Your letter No. 1156/53 d/ 10/11/8/53 has indeed put me into a dilema. I cannot think what reply to give.

Last time (27.7.53) when he came to Govindpur the President had a talk with me on the very subject. The following is the substance of what passed between myself and the President. He said to me that the church council was put into a great difficulty (as far as the American Subsidy was concerned). The Federation Treasurer had written to the C.C. that no more money would be sent as long as the statements of Receipts and Expenditures of 1952 and upto June of 1953 were submitted to him. Mr. Z. Horo ~~was~~ could not prepare these things as he was not in a sound state of mind. He required rest.

The President further said to me "You have worked in the Treasurer's office. If you are willing to work again, I will bring the matter in the next executive meeting and distribute the Treasurer's pay between yourself and the Treasurer half

and half till the treasurer Mr. Z. Horo recovers."

"And after Mr. Z. Horo resumes his duties what will be my position?" I asked. The President gave me a reply to this question also. The last sentence of his reply was "Even then you will continue to work in the C.C. Treasurers' Office".

I had agreed to all that the President said to me. Most probably the matter came up in the last executive meeting and there must have been a discussion about me there.

Now you send an appeal to me requesting me to offer my services to the C.C. Treasurer's office on an unknown handsome salary, you surely require an assistant for three months only i.e. till the duration of your treasurership. After Mr. Z. Horo's resuming his duties I will be nowhere. I do not think that Mr. Z. Horo will want me as his assistant. The matter is not much clear to me. May I request you to be kind enough to inform me everything more clearly?

Yours Sincerely
O. M. Horo

P.T.O

PS

I wish if I could come to Ranchi and talk with you on the subject. But on account of pain in my Knees I do not dare to go there in this rainy season. I have to take 4 more injections which will take the whole of this month. After this month, I think will be free from attending the doctor.

[signature]
17/8/53